M.G.S. UNIVERSITY, BIKANER

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

B.A. PART - II EXAMINATION - 2016

बी.ए. पार्ट - II परीक्षा

(10 + 2 + 3 Pattern)

सूर्य प्रकाशन मन्दिर

दाऊजी रोड़ (नेहरू मार्ग), बीकानेर 5 (राज.)

NOTICE

1. The Ordiances Governing the examination in the Faculties of Arts, Fine Arts, Social Sciences, Science, Commerce, Management, Engineering, Education and Law are contained in separate booklet. The students are advised to the same.
2. Changes in Statutes / Ordinances / Rules/ Regulations / Syllabus and Books may from time to time, be made by amendment or remaking, and a candidate shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any changes that applies to years he has not completed at the time of change.
3. In each paper, 10 questions will be set, 2 questions from each unit. Candidates have to answer five questions in all taking at least one question from each unit.
4. The syllabus is given in both the languages i.e. Hindi & English, if there is any discrepency, English version will be authentic.
5. The list of text books/ Recommended books/Reference Books as approved by the various B.O.S. are printed along with the English version only.

Note : The decision taken by the Academic Council shall be final.

सूचना

1. कला, ललितकला, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, वाणिजय, प्रबन्धन अभियान्त्रिकी, शिक्षा एवं विधि संकाय की परीक्षाओं से सम्बद्ध अध्यादेश (आर्डीनेंस) पृथक पुस्तिकाओं में संकलित हैं; छात्रों को सलाह दी जाती है कि उनकों देखें;
2. समय–समय पर संशोधन या पुननिर्माण कर अधिनियमों/अध्यादेशों/नियामों/ विनियमों पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन कर अधिनियमों/अध्यादेशों/नियामों/ विनियमों पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन किया जा सकता है तथा किसी भी परिवर्तन को, छात्र को मानना होगा जो पाठ्यक्रम के उन वर्गों के लिए लागू हो जिसे परिवर्तन के समय पूरा नहीं किया हो, बशर्ते कि विश्वविद्यालय ने अन्यथा प्रकार से छूट न दे दी हो।
3. प्रत्येक प्रश्न–पत्रों में दस प्रश्न होंगे। पाँच खण्डों में से प्रत्येक में दो प्रश्न होंगे। छात्र को पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। परन्तु प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न का उत्तर अनिवार्यतः देना होगा।
4. पाठ्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दिया हुआ है। यदि कोई विसंगति प्रतीत होती है तो अंग्रेजी पाठ्यक्रम को ही प्रामाणिक माना जाय।
5. विभिन्न पाठ्यक्रम मंडलों द्वारा स्वीकृत पाठ्यपुस्तकों/संस्तुत पुस्तकों/संदर्भ पुस्तकों की सूची अंग्रेजी पाठ्यक्रम में उपलब्ध है।

नोट : विद्या परिषद् द्वारा लिये गये निर्णय अन्तिम होंगे।

© M.G.S. UNIVERSITY, BIKANER

Published by : SURYA PRAKASHAN MANDIR, BIKANER M. : 9829280717
For M.G.S. University, Bikaner

B.A. Part - II Examination
CONTENTS

Subjects	Page No.
Scheme of Examination	4
Distribution of Marks	4
1. हिन्दी साहित्य / Hindi Sahitya	7
2. English Literature / अंग्रेजी साहित्य	12
3. Sanskrit / संस्कृत	13
4. Urdu / हिन्दी साहित्य	18
5. Persian / पारसी	21
6. Rajasthani / राजस्थानी	22
7. Punjabi / पंजाबी	24
8. Philosophy / दर्शनशास्त्र	26
9. Psychology / मनोविज्ञान	33
10. Economics / अर्थशास्त्र	35
11. History / इतिहास	41
12. Political Science / राजनीति विज्ञान	44
13. Geography / भूगोल	49
14. Mathematics / गणित	53
15. Public Administration / लोक प्रशासन	58
26. Sociology / समाजशास्त्र	62
17. Home Science / गृहविज्ञान	65
18. Drawaing & Painting / चित्रकला	73
19. Indian Music / भारतीय संगीत	77
20. Garment Production & Export Management / परिधान उत्पादन एवं निर्यात प्रबन्ध	82
21. Jainology, Jeevan Vigyan & Yoga / जैन विद्या, जीवन विज्ञान एवं योग	86
22. Computer Application	94
23. Defence and Strategic studies	96

OOO

B.A. Part II
(10 + 2 + 3)

SCHEME OF EXAMINATION

The number of paper and the maximum marks for each paper together with the minimum marks required for a pass are shown against each subject seperately. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as Classification of successful cnadidates shall be as follows :

First Division 60%]
Second Division 40%] of the aggregate marks prescribed at (a) Part I Examination, (b) Part II Examination, (c) Part II examination, taken together.

All the rest shall be declared to have hassed the examination, if they obtain the minimum pass marks in each subject viz. 36% no division shall be awarded at the part I and Part II Examination.

परीक्षा योजना

प्रश्न संख्या तथा प्रत्येक विषयानुसार उत्तीर्णांक के साथ पूर्णांकों को प्रत्येक विषय में अइग से प्रस्तुत किया गया है। छात्रों को जहां स्वीकृत है वहां सैद्धान्तिक व प्रायोगिक भागों में पृथक.पृथक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। उत्तीर्ण छात्रों का वर्गकरण निम्न प्रकार होगा.

प्रथम श्रेणी 60 प्रतिशत]
द्वितीय श्रेणी 48 प्रतिशत] भाग 1, 2 एवं 3 की परीक्षा के सम्पूर्ण अंको को मिलाकर आंकलन होगा।

शेष सभी को केवल उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा बशर्ते कि वे प्रत्येक विषय में न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त कर लेते हैं अर्थात 36 प्रतिशत। प्रथम एवं द्वितीय भाग (पार्ट 1 एवं भाग 2) परीक्षा में कोई श्रेणी घोषित नहीं की जायेगी।

DISTRIBUTION OF MARKS

S.N.	Name of the Subject/Papers	No. of Papers	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks
4.	**Hindi Sahitya**	Paper-I Paper-II	3hrs. 3hrs.	100 100	200 72
2.	**English Literature**	Paper-I Paper-II	3hrs. 3hrs.	100 100	200 72
3.	**Sanskrit**	Paper-I Paper-II	3hrs. 3hrs.	100 100	200 72
4.	**Urdu**	Paper-I Paper-II	3hrs. 3hrs.	100 100	200 72
5.	**Persian**	Paper-I Paper-II	3hrs. 3hrs.	100 100	200 72
6.	**Rajasthani**	Paper-I Paper-II	3hrs. 3hrs.	100 100	200 72
7.	**Punjabi**	Paper-I Paper-II	3hrs. 3hrs.	100 100	200 72

8.	**Philosophy**	Paper-I	3hrs.	100	200	72
		Paper-II	3hrs.	100		
9.	**Psychology**	Paper-I	3hrs.	75	150	54
		Paper-II	3hrs.	75		
		Practical	3hrs.	50		18
10.	**Economics**	Paper-I	3hrs.	100	200	72
		Paper-II	3hrs.	100		
11.	**History**	Paper-I	3hrs.	100	200	72
		Paper-II	3hrs.	100		
12.	**Political Science**	Paper-I	3hrs.	100	200	72
		Paper-II	3hrs.	100		
13.	**Geography**	Paper-I	3hrs.	75	150	54
		Paper-II	3hrs.	75		
		Practical	6hrs.	50		18
14.	**Mathematics**	Paper-I	3hrs.	66	200	72
		Paper-II	3hrs.	66		
		Paper-III	3hrs.	68		
15.	**Public Administration**	Paper-I	3hrs.	100	200	72
		Paper-II	3hrs.	100		
16.	**Sociology**	Paper-I	3hrs.	100	200	72
		Paper-II	3hrs.	100		
17.	**Home Science**	Paper-I	3hrs.	75	150	54
		Paper-II	3hrs.	75		
		Pratical		50		18
18.	**Drawing & Painting**	Paper-I (Theory)	3hrs.	80		29
		Paper-II (Practical)	5hrs.	50	100	36
		Paper-III (Practical)	5hrs.	50		
		Submission of Practical Works		20		07
19.	**Indian Music**	Paper-I	3hrs.	80		29
		Practical-I	3hrs.	40		14
		Practical-II	3hrs.	80		29
20.	**Garment Production & Export Management**	Paper-I	3hrs.	60		22
		Paper-II	3hrs.	60		22
		Practical	4hrs.	80		28
21.	**Jainology, Jeevan Vigyan & Yoga**	Paper-I	3hrs.	75	150	54
		Paper-II	3hrs.	75		
		Practical		50		18

22.	**Computer Application**	Paper-I Paper-II Practical	3hrs. 3hrs.	65 65 70	130	46 26
23.	**Defence and Strategic studies**	Paper-I Paper-II Practical	3hrs. 3hrs.	75 75 50		27 27 18

Note :

(i) One of the additional subject may be offered in under graduate, Commerce Class in addition to compulsory papers of 1-Gen. Hindi/English and 2-Ele. Computer Application and all the three core subjects of Commerce faculty. The marks of the additional optional subject and compulsory paper's shall not be counted towards awarding of division.

(ii) If the candidate passes in the particular addl., subject same shall be mentioned in marks-sheet and degree.

(iii) The candidate have to clear the compulsory paper's in the three chance.

(iv) Non-appearance or absence in the examination of compulsory paper's will be counted as a chance.

---

ooo

1. हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र : रीति कालीन काव्य

समय 3 घण्टे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक – 100

इकाई – 1

1. **केशव** : रामचन्द्रिका–गणेश वन्दना, सरस्वती वन्दना, श्रीराम वन्दना, अवधपुरी शोभा वर्णन, सीता–स्वयम्वर, परशराम संवाद, वन में राम, भरत–कैकेयी संवाद, लक्ष्मण–क्रोध, पंचवटी वर्णन, सिया हरण, अशोक वाटिका में रावण–सीता, सीता के विरह में राम दशा, रावण–हनुमान संवाद, लंका दहन, अंगद–रावण संवाद, सीता की अग्नि–परीक्षा, रामराज्य वर्णन।

2. **बिहारी** : दोहे– मेरी भव बाधा हरौ, सीस मुकुट कटि काछनी, मोर मुकुट की चन्द्रिकनु, सोहत ओढ़े पीत पट, तजि तीरथ, अधर धरत हरि, कीने हूँ कोटिन, अजौं तर्‌यौना, तो पर वारौं, बतरस–लालच, नेह न नैनति, केसरि कै सरि, या अनुरागी चित्त, डीठि न परतु, अंग अंग नग, लिखन बैठि जाकी, दृग उरझत, मानहु बिधि तन, सघन कुंज छाया, भाल लाल बेंदी, इत आवति चलि, रनित भृंग घंटावली, कहलाने एकत बसत, अरून सरोरूह कर, ज्यौं व्हैहौं त्यों, करौ कुवत जगु, कब को टेरत, थोरेई गुन रीझते, स्वारथु सुकृत न, करि फलेल को, जिन दिन देखे, कौन भांति रहि, कहत नटत रीझत, नेह न नैननु, नहिं परागु, मंगल बिन्दु सुरंग, दीरघ साँस न लेहु, पत्रा ही तिथि, तो लग या, तन्त्री नाद कवित्त–रस, कनक कनक तै, नर की अरू, मरत प्यास पिंजरा, इहीं आस अटक्यौ रहत, लिखन बैठि जाकी, कंचन तन धन, आवत जात न जानिए, पावस निसि।

3. **देव : छंद** – सुनि के धुनि चातक–मोरनि की, सोवत तें सखी जाग्यो नहीं, सपने में गई देखन हौं सुनि, ता दिन तें अति व्याकुल है तिय, बाल लतान मैं बाल कौ बोल, मोर ही भौन मैं भावतो आवत, एक तुहीं वृषभानु सुता अरु, सराहैं सुरासुर सिद्ध समाज, आपुस मैं रस मैं रहसैं, सुख सेज के मंदिर ते गुरमंदिर, श्रीबिधि बानी जु बेद बखानी, जब ते कुँवर कान्ह रावरी कलानिधान, श्रीझि रिझि रहति रहसि हँसि हँसि उठैं, आई बरसाने ते बोलाई वृषभानुसुता, राधिका कान्ह को ध्यान धरै, पावरनि ते पावड़े परे है पुर पौरि लग, सावन मास सखीन मैं सुन्दरि, मन्दिर तें निकसी बनि ज्यौं ससि, खोरि लौ खेलन आवतियेन तौ, धार मैं धाइ धँसी निधार व्है, रावरो रूप रह्यो भरि बैनन, प्रेम कहानिन सो पहिले, आँखिन आँखि लगाये रहैं, साँसन ही सों समीय गयो, एकै अभिलाष लाल–लाख भाँति लेखियत, कोऊ कहौ कुलटा, बरुनी बधबंर से गूदरी पलक दोऊ, झहरि झहरि झीनी बूँदनि परित मानो।

इकाई – 2

4. **पद्माकर – ऋतु वर्णन** – कूलन में, केलिन, कछारन में; औरै भाँति कुजन में; चंचला चमाकैं; आयी हौ खेलन फाग; सीज ब्रज चंद पै चली; झिलक झकोर रहै; आपहि आपपै रुसि रही; आज बरसाने की नबेली अलबेली बधू।
रस निरूपण – ऐसी न देखी सुनी सजनी; ए हो नंदलाल ऐसी।
फुटकर – तीर पर तरनि–तनूजा, गोकुल के कुल को, फहरे निसान दिसानि, सिर कटहिं, एकै गहि भाले, किलकिलकत चंडी, कामद कला–निधान, सूरत के साह कहै, पुच्छन के स्वच्छ, पारावार–पार–लौं।
भक्ति – देवनर किन्नर, राम को नाम जपो, भूख लगे तब देत है भोजन, भोग में रोग वियोग संयोग में, या जग जानकी–जीवन, मीठो महा मिसिरी तें, जोग जप सन्ध्या, काम बस सूपनखा, गंगा के चरित्र, सुखद सुहाई।

5. **सेनापति : श्लेष वर्णन** – दीक्षित परसराम; मूढ़न कौं अगम; दोष सौं मलीन; सारंग धुनि सुनावै; लाह सौं लसति नग; लीने सुधराई संग; सोहति बहुत भाँति; प्रीतम तिहारे अनगन; बदन सरोरुह के संग; बानरन राखै तोरि।
शृंगार वर्णन – अंजन सुरंग जीते खंजन; हिय हरि लेत हैं; केसरि निकाई; मधुर अमोल बोल; हित सौं निरखि हँसे; रूप कै रिझावत हौ; रोस करौं तोसौं; मालती की माल तेरे; कौहू तुव ध्यान करै; चंद दुति मंद कीने।
ऋतु वर्णन (ग्रीष्म, वर्षा, शरद्, शिशिर, वसन्त)
ग्रीष्म – बश्ख को तरनि; **वर्षा** – दामिनी–दमक;
शरद् – पावस निकास; **शिशिर** – सिसिर में ससि;
वसन्त – बरन–बरन तरु फूले।
रामायण–वर्णन – सुर तरु सार की; कंज के समान; धाता जाहि गावै; गाई चतुरानन सुनाई; सकल सुरेस; तौर्‌यौ है पिनाक।

6. **महाकवि भूषण :**
गणेश स्तवन – अकथ अपार भवपंथ के।
राजवंश–वर्णन – राजत है दिनराज; महाबीर ता बंस में; ता कुल में नृपवृंद; सदा दान किखान में; तातें सरजा बिरद भो; भूषन भनि ताके भयौ; दसरथ राजा राम भो; दच्छिन के सब।
शिवा–प्रशस्ति – त्रिभुवन भहिं परसिद्ध; सिवराज साहिसुत सथ्यनित; सीय संग सोभित सुलच्छन; सुंदरता गुरूता प्रभुता भनि; तेरौ तेज सरजा; वेद राखे बिदित; इंद्र जिमि जृंभ पर; चढ़त तुरंग चतुरंग; छूटत कमान बान; गरुड़ को दावा; ऊँचे घोर मंदर के; मुंड कटत कहुँ रुंड।
छत्रसाल–पराक्रम – भुज भुजगेस की वै; राजत अखंड तेज छाजत।

इकाई – 3

7. **घनानन्दः कवि–प्रशस्ति** – प्रेम सदा अति ऊँचौ लहे।
प्रेम–पीर–वर्णन – वहै मुसक्यानि; भोर तैं साँझ लौं; सोएँ न सोयबो; निस–द्यौंस खरी; तब तौ छबि पीवत; रावरे रूप की रीति अनूप; जेतौ घट सोधौं; तब व्है सहाय हाय; चोप चाह चावनि; नेह–निधान सुजान समीप; चंद चकोर की चाह करै; हिये मैं जु आरति; दिननि के फेर सों; कौन की सरन जैये; घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ; जिन आँखिन; पूरन प्रेम को मंत्र; भए अति निठुर;

मीत सुजान अनीत करौ जिन; पहले अपनाय सुजान सनेह; तेरे देखिबे कों; अति सूधो सनेह को; कित को ढरि गौ; आँ जौ न देखै; इत बाँट परी सुधि; अन्तर मैं बासी पै; सुनि री सजनी; बैरी वियोग की हूकनि;

8. **गिरधर कविराय – कुण्डलियां** : पुत्र प्राणते अधिक है, रही न रानी कैकयी, चिन्ता ज्वाल शरीर की, दाड़िम के धोखे गयो, भूलो चातक आइकै, सोना लादन पिव गये, मोती लादन पिव गये, दौलत पाय न कीजिये, गुण के गाहक सहस नर, साँई सब संसार में, पीवै नीर न सरवरौ, नारा कहै नदीन सन, मूसा कहै बिलार सों, कौवा कहे मराल से, प्रीति कीजिये बडेन सौं, बड़े वडेन की ऐसि ही, बीती ताहि बिसार दे, साँई नदी समुद्र को, साँई समय न चूकिये, नयना जब परवश भये, बानी मात्र जगत सब, बानी विषय न करि सकै, खल सज्जन दो जगत में, चिदविलास परपंच यह, राम तुही तुहि कृष्ण है,।

9. **रज्जब – पद** : औधू अकल अनूप अकेला, मन की प्यास प्रचंड न जाई, गुरू प्रसाद अगम गति पावै, संतो मगन भया मन मेरा, आरती तुम ऊपरि तेरी। **साखी** : जन रज्जब गुरू की, माया पानी दूध मन, घटा गुरू आषोज की, सेवक कुंभ कुंभार, घट दीपक बाती पवन, दरपन में सब देखिये, साधू सदनि पधारतै, नान्हौ सौ नान्हें हुए, रज्जब की अरदास यह, सब घटघटा समानि, रज्जब बूँद समंद की, पतिव्रता कै पीव बिन, हरि दरिया में मीन मन, नर निरवैरी होत ही, औगुण ढाकै और के, शील रहै सुमिरण गहै, अपना पड़ता आप ही, ज्यूँ सुन्दरि सर न्हावताँ, निहकामी सेवा करै, रामनाँव निजनाव गति।

इकाई – 4

रीतिकालीन काव्य का इतिहास, परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख धाराएँ एवं प्रमुख कवि।

इकाई – 5

काव्य शास्त्र :– काव्य के लक्षण, काव्य के हेतु, काव्य प्रयोजन (संक्षिप्त परिचय), नायक–नायिका भेद।

प्रमुख छन्द :– दोहा, चौपाई, कुंडलियाँ कवित्त, गीतिका, हरिगीतिका रोला, उल्लाला, मालिनी, सवैया, द्रुतविलम्बित।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार विश्लेशणात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से विश्लेशणात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो व्याख्याएँ पूछी जाएगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 8 1x8=8

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 12 1x12=12

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

इकाई – 2

(अ) दो व्याख्याएँ पूछी जाएगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 8 1x8=8

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 12 1x12=12

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

इकाई – 3

(अ) दो व्याख्याएँ पूछी जाएगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 8 1x8=8

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 12 1x12=12

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

इकाई – 4

(अ) रीतिकाल के इतिहास से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(ब) रीतिकाल के इतिहास से दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

इकाई – 5

(अ) काव्य शास्त्र से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1x10=10

(ब) काव्य शास्त्र से दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 4 1x4=4

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – शिवकुमार शर्मा
2. रीति मुक्त स्वच्छन्द काव्य धारा – मनोहरलाल गौड़
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बहादुर सिंह
4. रीतिकालीन हिन्दी और काव्य – भगवानदास तिवारी
5. बिहारी का नया मूल्यांकन – बच्चन सिंह
6. महाकवि मतिराम – त्रिभुवन सिंह
7. केशव की काव्य कला – कृष्ण शंकर शुक्ल
8. घनानन्द काव्य और आलोचना – किशोरी लाल
9. समीक्षा शास्त्र – दशरथ ओझा

द्वितीय प्रश्न पत्र : नाटक एवं एकांकी

समय : 3 घण्टे उत्तीर्णांक : 36 पूर्णांक : 100

इकाई – 1

नाटक – हस्तिनापुर – नन्दकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर

इकाई – 2

नाटक – मुक्तिपथ – रवि चतुर्वेदी, श्याम प्रकाशन, जयपुर

इकाई – 3

एकांकी :–

1. एक तोला अफीम की कीमत – रामकुमार वर्मा
2. साहब को जुकाम है – उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
3. परदे के पीछे – उदयशंकर भट्ट
4. मकड़ी का जाला – जगदीशचन्द्र माथुर
5. अदृश्य आदमी की आत्महत्या – विपिन अग्रवाल
6. बहुत बड़ा सवाल – मोहन राकेश

इकाई – 4

7. ताँबे के कीड़े – भुवनेश्वर
8. काल पुरुष और अजंता की नर्तकी – लक्ष्मीनारायण लाल
9. हरी घास पर घंटे भर – सुरेन्द्र वर्मा
10. समरथ को नहीं दोष गुसाईं – सफदर हाशमी
11. यहाँ रोना मना है – ममता कालिया
12. अमरजोत – लक्ष्मीनारायण रंगा

इकाई – 5

हिन्दी नाटक एवं एकांकी का उद्‌भव एवं विकास तथा नाटक एवं एकांकी का तात्त्विक अध्ययन।

परीक्षकों के लिए निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
2. प्रत्येक इकाई से निर्देशानुसार व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाए।
3. प्रत्येक इकाई से व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों को निरन्तर क्रम से पूछा जाए।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ बदलाव होता रहता है अतः परीक्षक पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न माने।

विस्तृत अंक योजना :–

इकाई – 1

(अ) दो व्याख्याएँ नाटक से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 8 1X8=8

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1X10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1X3=3

इकाई – 2

(अ) दो व्याख्याएँ नाटक से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 8 1X8=8

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1X10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1X3=3

इकाई – 3

(अ) दो व्याख्याएँ एकांकियों से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 8 1X8=8

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1X10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा–100 शब्द अंक – 3 1X3=3

इकाई – 4

(अ) दो व्याख्याएँ एकांकियों से पूछी जाएँगी जिनमें से एक व्याख्या करनी होगी।
शब्द सीमा – 200 शब्द अंक – 8 1X8=8

(ब) दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे उनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1X10=10

(स) दो लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से एक प्रश्न करना होगा।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 1X3=3

इकाई – 5

(अ) नाटक और एकांकियों के उद्‌भव और विकास से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से एक करना होगा।
शब्द सीमा – 400 शब्द अंक – 10 1X10=10

(स) चार लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से दो प्रश्न करने होंगे।
शब्द सीमा – 100 शब्द अंक – 3 2X3=6

सहायक पुस्तकें :–

1. आधुनिक हिन्दी नाटक – डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी नाटक – डॉ. बच्चन सिंह
3. नाट्य कला – डॉ. रघुवंश
4. नाटक का उद्‌भव और विकास – दशरथ ओझा
5. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
6. भारतेन्दु समग्र – हेमन्त शर्मा (हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी)

2. ENGLISH LITERATURE

Scheme : Two Papers (Min Pass Marks : 72) Max. Marks: 200
Paper- I : Duration 3 hours Max. Marks: 100
Paper - II: Duration 3 hours Max. Marks : 100

PAPER I : ENGLISH POETRY AND DRAMA

Unit I

- Alfred Tennyson: The Lotus Eaters; Tears, Idle Tears
- Robert Browning: Rabbi Ben Ezra

Unit –II

- Matthew Arnold: Shorab and Rustum (Line 838 to 892)
- G.M. Hopkins: Spring and Fall
- W.B. Yeats: The Second Coming

Unit-III

- T.S. Eliot: The Love Song of J.Alfred Prufrock
- Rupert Brooke: The Soldier
- Philip Larkin: Going

Unit –IV

- John Galsworthy : Loyalties

Unit-V

Literary History

Victorian Poetry, Modern Poetry, Poetic Drama, Theatre of the Absurd.

Literary Terms

Dramatic Monologue, Inscape, Instress, Sprung Rhythm, War Poetry, Ballad, Free Verse, Blank Verse, Idylls, Irony, Epic, Heroic Couplet, Conceit

Prescribed Textbook: *Poetic Pearls* ed. by Board of Editors, Maharaja Ganga Singh University, Bikaner

Required Readings

Abrams, M.H: A Glossary of Literary Terms (Macmillan)

Trivedi, R. D: A Compendious History of English Literature (Vikas)

- **Detailed Study**

Evaluation Scheme

This will apply to all Undergraduate Courses on English Literature and not to General English.

There shall be a Terminal Examination of 100 Marks of each Paper at the end of every Session. The Examination Paper shall consist of Three Sections:

Section 'A' shall comprise Five questions (all compulsory, to be answered in 50 words each) of 2 Marks each. The Examiner will set questions on this section choosing at least one from each unit.

Section 'B' shall comprise Two Parts:

Part I shall consist of Two Reference to Context Questions from starred

texts (with internal choice, to be answered in 250 Words each). Each Question shall carry 10 Marks.
Part II shall comprise Three Questions (with internal choice, to be answered in 250 Words each). Each Question shall carry 10 Marks. The Examiner will set Questions on all the Prescribed Texts (and not remain confined to one or two Units).
Section C shall comprise Five Questions (One from Each Unit to be answered in 500 Words each) out of which the Candidate shall attempt any two. Each Ouestion shall carry 20 Marks.

PAPER II : PROSE AND FICTION

Unit I

- E .V. Lucas: Third Thoughts
- G.K. Chesterton: On the Pleasures of no Longer Being Very Young
- A.G. Gardiner: On Superstition

Unit-II

- Huxley: Selected Snobberies
- Hilaire Belloc: In Praise of Ignorance

Unit-III

- O' Henry: The Gift of the Magi
- Nathaniel Hawthorne: Dr. Heidegger's Experiment
- William Faulkner: A Rose for Emily

Unit-IV

- Thomas Hardy: Far from the Madding Crowd

Unit-V

Literary History

Victorian Novel, Victorian Prose

Literary Terms

Stream of Consciousness Novel, Elements of Story, Scientific Fiction

Prescribed Textbook: *Prose and Fiction* ed. by Board of Editors, Maharaja Ganga Singh University, Bikaner

Required Readings

Abrams, M.H: A Glossary of Literary Terms (Macmillan)
Trivedi, R. D: A Compendious History of English Literature (Vikas)

* **Detailed Study**

Evaluation Scheme

This will apply to all Undergraduate Courses on English Literature and not to General English.

There shall be a Terminal Examination of 100 Marks of each Paper at the end of every Session. The Examination Paper shall consist of Three Sections:
Section 'A' shall comprise Five questions (all compulsory, to be answered in 50 words each) of 2 Marks each. The Examiner will set questions on this section choosing at least one from each unit.
Section 'B' shall comprise Two Parts:
Part I shall consist of Two Reference to Context Questions from starred

texts (with internal choice, to be answered in 250 Words each). Each Question shall carry 10 Marks.
Part II shall comprise Three Questions (with internal choice, to be answered in 250 Words each). Each Question shall carry 10 Marks. The Examiner will set Questions on all the Prescribed Texts (and not remain confined to one or two Units).
Section C shall comprise Five Questions (One from Each Unit to be answered in 500 Words each) out of which the Candidate shall attempt any two. Each Ouestion shall carry 20 Marks.

3. संस्कृत

सामान्य निर्देशः

1. परीक्षा का माध्यम संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी होगा।
2. प्रश्नपत्र केवल संस्कृत में बनाया जाएगा।
3. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित हैं। अन्य प्रश्नों के उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी में दिए जा सकते हैं।
4. संस्कृत एवं हिन्दी के लिए देवनागरी लिपि ही मान्य होगी।
5. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययनाध्यापन का माध्यम संस्कृत हो।

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 72	पूर्णाङ्क 200	
प्रथम प्रश्न पत्र	समय 3 घंटे	न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 36	अंक 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय 3 घंटे	न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 36	अंक 100

प्रथम प्रश्नपत्र–नाटक, छन्द, संस्कृतसाहित्येतिहास एवं व्याकरण

समय 3 घंटे **पूर्णाङ्क 100 अंक**

अंक विभाजन

इकाई–1 नाटक से व्याख्या	20 अंक
इकाई–2 नाटक से संस्कृत व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न	20 अंक
इकाई–3 छन्द	15 अंक
इकाई–4 व्याकरण :– प्रमुख कृत्, तद्धित एवं स्त्री प्रत्यय	20 अंक
इकाई–5 संस्कृत साहित्य का इतिहास	25 अंक
योग	**100 अंक**

पाठ्यक्रम

1. नाटक – अभिज्ञानशाकुन्तलम् – कालिदास
2. छन्द – शाकुन्तल में प्रयुक्त सभी छन्द
3. व्याकरण

(i) कृत् प्रत्यय प्रकरण से निर्धारित प्रत्यय – तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, तृच्, ण्वुल्, क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्युट्, शतृ, शानच्, तुमुन्, ल्यप् (इन प्रत्ययों के विधायक सूत्रों का सोदाहरण अर्थज्ञान अपेक्षित है)।

(ii) तद्धित–मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्। (इन प्रत्ययों के विधायक सूत्रों का सोदाहरण

अर्थज्ञान अपेक्षित है)।

(iii) स्त्रीप्रत्यय – 1. अजाद्यतष्टाप्, 2. उगितश्च, 3. टिड्ढाणञ्, 4. वयसि प्रथमे, 5. पुंयोगादाख्यायाम् 6. शार्ङ्गरवाद्यञो ङीन् 7. स्वाङ्गाच्चोपसर्जनाद्, 8. जातेरस्त्रीविषयादयोपधात 9. ऊङुतः 10. यूनस्तिः

4. संस्कृत साहित्य का इतिहास

(क) वीर काव्य (ख) काव्य (ऐतिहासिक काव्यों सहित)

(ग) गीतिकाव्य (घ) गद्यकाव्य

(ङ) नाटक साहित्य (च) कथा साहित्य

विस्तृत अंकयोजना (प्रश्न पत्र संस्कृत में बनाया जाएगा)

इकाई–1 (क) प्रथम अंक से एक श्लोक की संस्कृत में व्याख्या 10 अंक

(ख) अभिज्ञान शाकुन्तलम् से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न 10 अंक

इकाई–2 (क) नाटक – अभिज्ञान शाकुन्तलम् – द्वितीय से सप्तम अंक तक चार में से दो श्लोकों की व्याख्या 7+7=14 अंक

(ख) शाकुन्तल में प्रयुक्त सूक्तियों में से एक की व्याख्या 6 अंक

इकाई–3 छन्द – छः छन्दों में से किन्ही तीन छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण – 15 अंक

इकाई–4(क) निर्धारित कृत् प्रत्ययों के विधायक सूत्रों में से दोसूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 4अंक

(ख) अभिज्ञान शाकुन्तल के श्लोकों में प्रयुक्त पदों में से तीन कृदन्त पदों पर प्रकृति एवं प्रत्यय विषयक प्रश्न 6 अंक

(ग) तद्धित (निर्धारित प्रत्ययों के 6 पदों में से तीन पदों में प्रकृति–प्रत्यय–विषयक प्रश्न) 6 अंक

(घ) स्त्री प्रत्यय – निर्धारित सूत्रों में से दो का अर्थ एवं उदाहरण 4 अंक

इकाई–5 संस्कृत साहित्य का इतिहास

(क) वीर काव्य, ऐतिहासिक काव्य, नाटक में से दो प्रश्न 15 अंक

(ख) गीतिकाव्य, गद्यकाव्य एवं कथा साहित्य में से दो टिप्पणियाँ 5+5=10 अंक

परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत माध्यम से किया जावे।
2. प्रश्न पत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में कुछ अंश संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित हैं, अतः उसे ही संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए पूछें।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है अतः पूर्ववर्ती प्रश्न पत्र को प्रमाण न मानें।

पाठ्य एवं सहायक पुस्तकें

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – सुबोध चन्द्र पंत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – पं. शिवप्रसाद द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. प्रभाकर शास्त्री एवं रूपनारायण त्रिपाठी

6. अभिज्ञानशाकुन्तलम् व्याख्या – राधाबल्लभ त्रिपाठी, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
7. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – रमा संस्कृत टीका व अनु. डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी
8. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – कान्तानाथ शास्त्री तैलंग, चौखम्बा प्रकाशन
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
10. संस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास – रामविलास चौधरी
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्या भवन
12. संस्कृत साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामजी उपाध्याय
13. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
14. वृहद् अनुवाद चन्द्रिका – चक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास
15. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा – पाण्डेय एवं व्यास
16. छन्दोमञ्जरी
17. सद्वृत्तालंकार – डॉ. हिन्दकेसरी
18. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भीमसेन शास्त्री
19. संस्कृतसाहित्येतिहासः – रामचन्द्र झा, चौखम्बा प्रकाशन

द्वितीय प्रश्नपत्र – वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण

समय 3 घंटे पूर्णाङ्क 100

अंक विभाजन

इकाई–1 ऋक्सूक्त	25 अंक
इकाई–2 उपनिषद्	15 अंक
इकाई–3 गद्य साहित्य	20 अंक
इकाई–4 वाच्य	10 अंक
इकाई–5 व्याकरण – समास एवं कारक	30 अंक
	योग 100 अंक

पाठ्यक्रम

इकाई–1 ऋक्सूक्त – ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त

1. अग्नि (1:1) 2. वरुण (1:25) 3. सूर्य (1.115) 4. विष्णु (1:154)
5. इन्द्र (2:12) 6. प्रजापति (10.121) 7. संज्ञान (10.191)

इकाई–2 ईशावास्योपनिषद् – यजुर्वेद का 40वां अध्याय

इकाई–3 गद्य साहित्य – शुकनासोपदेश (कादम्बरीतः)

इकाई–4 वाच्य – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य

इकाई–5 व्याकरण

(अ) समासज्ञान – निम्नलिखित सूत्रों के आधार पर –

सह सुपा, अव्ययं विभक्ति०, नदीभिश्च, द्वितीया श्रितातीत०, तृतीयातत्कृतार्थेन०, चतुर्थी तदर्थार्थ०, पञ्चमी भयेन, षष्ठी, तत्पुरुषः समानाधिकरण कर्मधारयः, संख्यापूर्वो द्विगुः, विशेषणं विशेष्येण बहुलम्, उपमानानि सामान्यवचनैः, कुगतिप्रादयः, दिक्संख्ये संज्ञायाम्, संख्यापूर्वोद्विगुः, अनेकमन्यपदार्थे, चार्थे द्वन्द्वः, पिता मात्रा।

(आ) व्याकरण – कारक प्रकरण के निम्नलिखित सूत्र पठनीय हैं–

1. प्रातिपदिकार्थ–लिङ्गपरिमाणवचन–
2. कर्तुरीप्सिततमं कर्म–
3. कर्मणि द्वितीया
4. अकथितं च
5. अधि–शीङ् स्थाऽऽसां कर्म
6. उपान्वध्याङ्वसः
7. अभितः परितः समया–निकषा–हा–प्रतियोगेऽपि–
8. अन्तराऽन्तरेण युक्ते
9. साधकतमं करणम्
10. कर्तृकरणयोस्तृतीया
11. सहयुक्तेऽप्रधाने
12. येनाङ्गविकारः
13. इत्थंभूतलक्षणे
14. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्
15. चतुर्थी सम्प्रदाने
16. रुच्यर्थानां प्रीयमाणः
17. क्रुध्–द्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः
18. नमः स्वस्ति–स्वाहा–स्वधाऽलं–वषड्–योगाच्च
19. ध्रुवमपायेऽपादानम्
20. अपादाने पञ्चमी
21. भीत्रार्थानां भयहेतुः
22. वारणार्थानामीप्सित
23. षष्ठी शेषे
24. षष्ठी हेतु–प्रयोगे
25. आधारोऽधिकरणम्
26. सप्तम्यधिकरणे च
27. यस्य च भावेन भावलक्षणम्
28. यतश्च निर्धारणम्
29. पञ्चमी विभक्तेः

विस्तृत अंकयोजना (प्रश्नपत्र संस्कृत में बनाया जाएगा) पंचम इकाई के अ, आ और इ खण्डों के प्रश्नों का क्रमांक भिन्न–भिन्न रखें।

इकाई–1 ऋक्सूक्त (अ) ऋग्वेद के दो मंत्रों का अनुवाद 7.5+7.5=15 अंक
(ब) ऋग्वेद के निर्धारित किसी एक सूक्त का संस्कृत में सार 10 अंक

इकाई–2 ईशावास्योपनिषद् – दो मन्त्रों की व्याख्या 7.5+7.5=15 अंक

इकाई–3 शुकनासोपदेश (क) दो गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद 7+7=14 अंक
(ख शुकनासोपदेश के निर्धारित अंश से सामान्य प्रश्न 6 (क+ख)=20

इकाई–4 वाच्य – वाच्यों का सामान्यज्ञान एवं वाच्य परिवर्तन 10 अंक

इकाई–5 व्याकरण

(अ) 1. आठ समस्तपद देकर किन्हीं चार पदों का विग्रह तथा समास–नाम प्रष्टव्य है। 8 अंक

2. समास विषयक सामान्य प्रश्न : समास का अर्थ, विग्रह, समास के भेद, अव्ययीभाव आदि की सामान्य विशेषताएं 7 अंक

(आ) कारक 30 अंक

(क) चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या 10 अंक

(ख) वाक्यों में रेखाङ्कित पांच पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायकसूत्र–लेखन 5 अंक

परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्नपत्र का निर्माण संस्कृत माध्यम से किया जावे।
2. प्रश्नपत्र इकाइयों में विभक्त हो।
3. पाठ्यक्रम में कुछ अंश संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित हैं, अतः उसे ही संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए पूछें।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है अतः पूर्ववर्ती प्रश्नपत्र को प्रमाण न मानें।

पाठय एवं सहायक पुस्तकें

1. वेदचयनम् – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
2. ऋक्सूक्तसंग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री
3. वैदिकसूक्तरत्नावली – लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
4. वैदिकसूक्तरत्नावली – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय
5. वैदिक सूक्त–सुधा – डॉ. प्रद्युम्न द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन
6. लघुसिद्धान्त कौमुदी – भीमसेन शास्त्री
7. सिद्धान्तकौमुदी कारकप्रकरणम् – डॉ. कलानाथ झा, चौखम्बा प्रकाशन
8. कारक–दीपिका – पं. मोहनवल्लभ पंत, रामनारायण बेणीमाधव
9. कारकप्रकरणम् (सि.कौ.) – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश पुस्तकालय
10. कारकप्रकरणम् (सि.कौ.) – डॉ. रामरंग शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
11. शुकनासोपदेशः – आ. शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
12. शुकनासोपदेशः – डॉ. रामनारायण झा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय
13. शुकनासोपदेशः – सुदेश नारंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेशसिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन
15. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
16. प्रौढरचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
17. हायर संस्कृत ग्रामर – एम.आर. काले
18. समासदर्शिनी – संस्कृत भारती, दिल्ली
19. व्याकरण चन्द्रोदय (कारक एवं समास) चारुदेवशास्त्री
20. संस्कृतव्याकरण – बाबूराम सक्सेना
21. ईशावास्योपनिषद् – तारिणीश झा
22. ईशावास्योपनिषद् – डा. सुभाष वेदलंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर

4. URDU

Scheme:

Two Papers	Min. Pass Marks 72	Max. Marks : 200
Paper I	3 hours Duration	Max. Marks : 100
Paper II	3 hours Duration	Max. Marks : 100

PAPER -I PROSE AND POETRY

Unit-I 8+8=16 Marks

(A) **Objective type questions covering the all the units of pre-**

scribed syllabus- 8 questions will be framed. Answer will not be more than 15 words, each question carry one mark.

8 Marks

(B) Two questions will be framed providing internal choice. Answer will not be more then 100 words, each question carry 4 mark.

4+4=8 Marks

Unit-II 8+8=16

Explanation of two extracts out of three extracts from prescribed lesson with reference and context. Each extract carry 8 marks.

Marks 8+8=16

Unit-III 16+6+6=28

(a) Explanation of four couplets of Ghazal out of eight

Marks 16

(b) Explanation of one extract of Qasida out of two extracts.

Marks 6

(c) Explanation of one extract of Marsiya out of two extracts.

Marks 6

Unit-IV

Critical appreciation or summary of a prescribed lesson of prose

Marks 20

Unit-V

Defination, form and Art of Ghazal, Qasida and Marsiya

Marks20

Or

Critical appreciation of a prescribed poet.

Or

Critical appreciation of a prescribed prose writer.

Books Prescribed:

(A) Intekhab-e-Nasr (Part II, Edited by Hukumchand Nayyar) U.P. Urdu Academy Lucknow.

The following lesson are omitted

(i) Shibli, by Abdul Haque.
(ii) AdabkiGharaz-o-Ghayat, by premchand
(iii) Urdu Adab ke Anasir-e-Khamsa, by Mehdi Afadi
(iv) Lafz Kyon Ker Bante Hein, by Brij Mohan Duttatreya Kaifi, Dehlavi

(B) Shehpare, Publisher Ram Narayan, Allahbad
(i) Ghazaliyat Dard, Nasikh, Momin, Hali
(ii) Qasida Zauque
(iii) Marsiya, Anees

PAPER –II

ESSAY, TRANSLATION, NOVEL & GENERAL SURVEY OF URDU

LITERATURE

3 Hours Duration Max. Marks: 100

Unit-I

(A) Objective type questions covering all units of prescribed syllabus-Ten questions will be framed. Answer will not be more than 15 words, each question carry one mark. **10 Marks**

(B) Two questions will be framed providing internal choice. Answer will not be more than 100 words, each question carry 5 marks.
10 Marks

Unit-II Essay-

Six topics will be given in question paper- three on Literary and three on social topics. **Marks 20**

(a) Literary Topics- (i) Urdu ke Azeem Shair-Meer**.** Ghalib & Allama Iqbal, (ii) Urdu ke Aham Nasr Nigar- Sir Sayed Mqulana Abul kalam Azad and Prem Chand

(b) Social Topics- Current social issues

Unit-III

Urdu Zaban-o-Adab ki Tareekh ka Khaka. Marks 20

(A) Urdu Zaban ki Ibteda ke Mukhtalif Nazariyat

(B) Dehli aur Lucknow ka Dabistan-e-Shairi

(C) Fort William College ki Adabi Khidmat.

(D) Ghalib ke Khutoot.

Note-1. Internal Choice shall be given

2 Questions will not be framed on any particular author except (D)

Unit-IV

Novel and Novel Nigar- Marks 13+13=26

(A) Question on the story, plot, technique and Kirdar of prescribed Novel.

OR

Question on the Art of Novel. Marks 13

(B) Critical question on Prem Chand as a Novel Writer.

OR

Development of Urdu Novel. Marks 13

Unit-V

Translation of Presian or Hindi Paragraph in Urdu.

Marks 14

In this question one paragraph of Hindi and one of Persian, Persian Paragraph will be taken from prescribed book.

Books Prescribed:
(1) Bewa (Novel) Prem Chand. (2) Gulha-e-Farsi
Publisher: Miskeen Book Depot, Moti Dungri Road, Jaipur.
Books Recommended:
UrduAdab kiTareekh, by, Azeemul HaqueJunedi.
Publisher: Miskeen Book Depot., Moti Dungri Road, Jaipur.

5. फारसी

प्रथम प्रश्न पत्र – प्रोज़ एण्ड पॉयट्री

इकाई – 1.

चार नस्री इकतेबासात में से दो इकतेबास का उर्दू हिन्दी या अंग्रेजी में तर्जुमा अंक 30

इकाई – 2.

किसी सबक का खुलासा अंक 10

इकाई – 3.

कोर्स में शामिल शायरों के 5 अषार की उर्दू हिन्दी या अंग्रेजी में तषरीह अंक 30

इकाई – 4.

किसी नस्र निगाार पर जनरल सवाल अंक 15

इकाई – 5.

किसी शायर पर जनरल सवाल अंक 15

पाठ्यपुस्तकें :

1. निसाबे जदीद फारसी बराए बी. ए., सम्पादित, जैयद प्रेस, दिल्ली, हिस्स–ए–नस्र
2. इन्तेखाबे जिन्दगी–ए–मन–कूदकी, इरफाने इलाही
3. सर जमीने हिन्द, जबाने फारसी दर हिन्द
4. सईद नफीसी – अज़ाने मगरिब
5. मोहम्मद हिजाजी : ईदी, खुदकुषी

हिस्सा–ए–नज़्म

1. कसीाद–ए–उर्फी–दर–वस्फे कष्मीर
2. इन्तेखाबे मसनवी–ए–मानवी, पेज 118 से 129 तक
3. रूबाइयाते उमर खय्याम–प्रथम पच्चीस रूबाइयात केवल

द्वितीय प्रश्न पत्र – फिक्सन एण्ड हिस्ट्री ऑफ परसियन लिटरेचर

इकाई – 1.

कोर्स में शामिल असबाक् से चार इकतेबासात में से दो का उर्दू, हिन्दी या अंग्रेजी में तर्जुमा अंक 40

इकाई – 2.

फारसी नस्र की तारीख (ताहिरिया अहद से गजनवी–अहद तक) एक सवाल अंक 20

इकाई – 3.

फारसी शायरी की तारीख (ताहिरिया अहद से गजनवी–अहत तक) एक सवाल अंक 20

इकाई – 4.

किसी सबक का खुलासा अंक 10

इकाई – 5.

उर्दू के चन्द आसान जुमलों का फारसी तर्जुमा अंक 10

पाठ्यपुस्तकें:

1. निसाबे जदीद फारसी बराए बी. ए., सम्पादित, जैयद प्रेस, दिल्ली, इन्तेखाबे–सरगुजिष्ते हाजी बाबा असफहानी (पेज 61 से 80)

सहायक पुस्तकें:

1. शेरूल अजम भाग 1 व 2 षिबली नौमानी
2. तरीखे अदबियाते फारसी शफक् (उर्दू अनुवाद द्वारा मुबारिजउद्दीन रिफत)
3. मआसिर–ए–अजम, अजीमुलहक जुनैदी

6. राजस्थानी

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक– 72	अधिकतम अंक– 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समयः 3 घंटे	अंक 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समयः 3 घंटे	अंक 100

प्रथम प्रश्न पत्र– मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

समय– 3 घंटे पूर्णांक– 100

पाठ्यपुस्तकें

पाठ्यपुस्तकें

1. नागदमण सायांजी झूला (सं.) मूलचंद प्राणेष
2. राजिया रा दूहा किरपाराम (सं.) नरोत्तमदास स्वामी

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य का इतिहास – काव्यगत प्रवृत्तियां–भक्ति एवं नीतिपरक साहित्य–प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार।
2. विविध काव्यरूपों का परिचय ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1.

भाग 'अ' अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न, सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित किए हुए – कोई आंतरिक विकल्प नहीं । (10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम)

1 × 10 = 10 अंक

भाग 'ब' दो लघुत्तरात्मक प्रश्न–दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्रश्न–कोई आंतरिक विकल्प नहीं । (2 प्रश्नः शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2 × 5 = 10 अंक

इकाई 2.

कुल चार व्याख्याएं – दोनों पाठ्यपुस्तकों पर आधारित।
दो व्याख्याएं नागदमण में से आंतरिक विकल्प सहित
दो व्याख्याएं राजिया रा दूहा में से आंतरिक विकल्प सहित 4 × 5 = 20 अंक

इकाई 3.

नागदमण से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4.

राजिया रा दूहा से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5.

भाग 'अ' मध्यकालीन राजस्थानी काव्य : विकास एवं परम्परा, भक्ति एवं नीति साहित्य : प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार, एक परिचायात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित
(अधिकतम शब्द सीमा 200 शब्द) 10 अंक

भाग 'ब' विविध काव्य रूप : महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य : परिचायात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा 200 शब्द) 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :–

1. नागदमण : सायांजी झूला : (सम्पादक) मूलचंद प्राणेश। प्रकाशक : भारतीय विद्या मंदिर शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर।
2. राजिया रा दूहा : किरपाराम : (सम्पादक) नरोत्तमदास स्वामी। प्रकाशक : सस्ता साहित्य मण्डल, बीकानेर।

द्वितीय प्रश्न पत्र – मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

समय – 3 घंटे पूर्णांक – 100

पाठ्यपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

1. राजस्थानी वात संग्रह (सं.) डॉ. मनोहर शर्मा
(वात संख्याः 2, 7, 15, 20, 21, 23, 26, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46, 48 केवल)
कहानियों के नाम –
(2.सातल सोम री वात, 7. जैसे सरवहीयै री वात, 15. हाडै सूरजमल नाराइणदासोत री वात, 20. पाबूजी राठौड़ री वात, 21. जगदेव पंवार री वात, 23. रेसांमियै री वात, 29 सयणी चारणी री वात, 32. जसमां ओडण री वात, 33. ऊमादे भटियाणी री वात, 35. राजा भोज, माघ पिंडत अर डोकरी री वात, 36. नाहरी हरणी धरमेकै री वात, 37. सांखलै कंवरसी नै भरमल री वात, 44. बीजण बीजोगण री वात, 46. देपाळ घंघ री वात, 48. अकल री वात ।)
2. कहवाट विलास : (सं.) डॉ. सौभाग्यसिंह शेखावत एवं देव कोठारी

विशिष्ट अध्ययन

1. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा ।
2. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय ।

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

इकाई 1.

भाग 'अ' अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न, सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित करते हुए – कोई आंतरिक विकल्प नहीं (10 प्रश्न : शब्द सीमा 15 शब्द अधिकतम)1 × 10 = 10 अंक
भाग 'ब' लघुत्तरात्मक प्रश्न–दोनों पाठ्यपुस्तकों में से एक–एक प्रश्न कोई आंतरिक विकल्प नहीं । (2 प्रश्न शब्द सीमा 100 शब्द प्रत्येक प्रश्न) 2 × 5 = 10 अंक

इकाई 2.

कुल चार व्याख्याएं – पाठ्यपुस्तकों पर आधारित दो व्याख्याएं (राजस्थानी वात संग्रह) आंतरिक विकल्प सहित, दो व्याख्याएं (कहवाट विलास) आंतरिक विकल्प सहित।
4 × 5 = 20 अंक

इकाई 3.

राजस्थानी वात संग्रह पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 4.

'कहवाट विलास' पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा 500 शब्द) 20 अंक

इकाई 5.

भाग 'अ' मध्यकालीन गद्य साहित्य : विकास एवं परम्परा, प्रमुख रचनाएं एवं रचनाकार : एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित (अधिकतम शब्द सीमा 200 शब्द) 1 × = 10 अंक
भाग 'ब' मध्यकालीन गद्य विधाएं – परिचायत्मक प्रश्न (वात, ख्यात, दवावैत, वचनिका, टब्बा, टीका, टिप्पण, वंशावली आदि) 1 × = 10 अंक

पाठ्यपुस्तकें :–

1. राजस्थानी वात संग्रह : डॉ. मनोहर शर्मा प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली। (वात संख्या : 2, 7, 15, 20, 21, 23, 26, 29, 32, 33, 35, 36, 37, 44, 46 तथा 48)
2.कहवाट विलास : सौभाग्य सिंह शेखावत एवं डॉ. देव कोठारी प्रकशक : साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर।

अभिप्रस्तावित ग्रंथ :–

1. राजस्थानी गद्य साहित्य : उद्भव और विकास : डॉ. शिवस्व शर्मा
2. राजस्थानी काव्य की गौरवपूर्ण परम्परा : अगरचंद नाहटा
3. परम्परा (शोध पत्रिका) : राजस्थानी मध्यकाल विशेषांक, प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर। राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. कल्याणसिंह शेखावत

7. पंजाबी

योजना :

1. मध्यकालीन पंजाबी काव्य — समय 3 घण्टे — कुल अंक 100
2. एक सफर नामा — न्यूनतम अंक 36
3. लघु कहानी संग्रह

पेपर 1

यूनिट एवं थीम

यूनिट : 1 निर्धारित काव्य संग्रह में से चार टुकिड़ियों में से दो की प्रसंग सहित व्याख्या 10 +10 = 20

यूनिट : 2 निर्धारित काव्य संग्रह में से केन्द्रीय भाषा विषय वस्तु अथवा सारांश (चार में से दो) 10 +10 = 20

यूनिट : 3 निर्धारित सफरनामों में से किन्ही तीन अध्ययाओं में से एक का सारांश 20

यूनिट : 4 निर्धारित लघु कहानी संग्रह में से कथा सार, कहानी का आलोचनात्मक मूल्यांकन विषयावस्तु (तीन प्रश्नों में से एक) 20

यूनिट : 5 निर्धारित लघु कहानी की प्रसंग सहित व्याख्या (चार में से दो) 10+10=20

पाठ्य पुस्तकें

1. मध्यकाल दी चोणवी, पंजाबी कविता–संपादक प्रो. प्रीतम सिंह प्रकाशक : पब्लिकेशन क्योरो, पंजाब यूनिवर्सिटी चण्डीगढ़
2. जंगल–जंगल पर्बत–पर्बत, मनमोहन बावा, चेतना प्रकाशन, पंजाबी भवन, लुधियाना
3. अट्ठे पहर कहानी संग्रह : दलीप कौर टिवाणा प्रकाशक पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़

पेपर 2

1. पंजाबी साहित्य का इतिहास समय 3 घण्टे कुल अंक 100
2. पंजाबी व्याकरण न्यूनतम अंक 36
3. पंजाबी रीतियां (जन्म, विवाह, मृत्यु से संबन्धित)
4. साहित्य के रूप

यूनिट एवं थीम

यूनिट : 1 किसी एक लेखक का परिचय निर्धारित पुस्तक 'मध्यकाल की योनवी' पंजाबी कविता' में सम्मिलित कवियों के संदर्भ में (दो में से एक) 20

यूनिट : 2 किसी एक साहित्यक धारा का इतिहास मूलक प्रश्न (दो में से एक) 20

यूनिट : 3 शब्द रचना, अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग, वाक्य के संदर्भ में वचन और लिंग का परिवर्तन 20

यूनिट : 4 जन्म, विवाह और मृत्यु से संबधित रीतियों का परिचय। (दों में से एक) 20 प्रत्येक

यूनिट : 5 साहित्य के रूप : उपन्यास, नाटक, एकांकी, कहानी, किस्सा का परिचय (तीन में से एक)

8. PHILOSOPHY

SCHEME

Two Papers	Min. pass marks 72	Max. Marks 200
Paper – I	3 hrs duration	100 Marks
Paper – II	3 hrs duration	100 Marks

PAPER – I: HISTORY OF WESTERN PHILOSOPHY

Note: This paper contains five sections and all sections are compulsory. All questions carry equal marks. From section C, 0, E candidates are required to attempt one question each in 500 words.

Section -A

1. Philosophical Terms (10 out of 15) (Each in 25 words) 10 = 10)

Absolute, Atheism, Attribute Cardinal Virtues,· Concept, Criticalism Theism, Dialectic, Dogmatism, Dualism, Egoism, Emanationism, Empiricism, Epistemology, faith, Final Cause, Form, Golden mean, Impression, Innate Ideas, Rationalism, Interactionism, Matter Materialism, Monad. Monism, Substance Scepticism, Prime Mover, Thing-in-itself, Ideas, Good, Material Cause, Efficient Cause, Emanation, Patheism, Eternal, Universal Substance, Agnostic, Sense - Perception.

2. Distinguish (5 out. of 8) (Each in 50 words) (2 x 5 = 10)

Opinion and knowledge, World of Ideas and World of Sense; form and matter, faith and intellect,' Particular and Universal, intereactionism and Parallelism, Empiricism and Rationalism, Monism and Pluralism, Primary and secondary qualities, Simple Idea and Complex Idea, Analytic and' Synthetic Judgment., A Priori and a Posteriori, Substance and Attributes, Attributes and Modes, Absolute and Relative, Cause and Effect, Metaphysics and Epistemology, Deduction and Induction, Impression and Sensation, Transcendence and Immanence, Contingent truth and necessary truth.

Section - B

Short Notes (5 out of 8) (150 words each) (5x4=20)

Section - C

1. Socrates - Philosophical Problem, Method, Ethics
2. Plato - Theory of Knowledge, Knowledge and opinion, Theory of Idea, Soul, Idea of the good.
3. Aristotle - Critique of Plato's theory of Idea, Theory of Causation, Form and matter, Potentiality and actuality, Soul, God.
4. Plotinus -Emariationsim, Soul

Section - D

1. St. Thomas Aquinas: Reason and faith God, Ethics
2. Rene Descartes: Method and need for method in philosophy, method of doubt, cogito ergo sum, types of ideas, mind matter, mind body interactionism, God: Nature and Proofs for his existence.

3. Benedict Spinoza: Substance: attributes and modes, the concept of God or nature, Pantheism, Mind body problem.
4. Leibnitz:Monadlogy, Doctrine of pre-establish harmony, doctrine of force theory of knowledge, Principles of non-contradiction, God: nature and proofs for his existence. .

Section - E

1. John Locke: Ideas and their classification, refutation of innate ideas, knowledge and its grades, substance, qualities - primary and secondary.
2. George Berkeley: Rejection of abstract ideas, rejection of the distinction between primary and secondary qualities, esseestpercipi.
3. David Hume: Impressions and ideas judgments concerning relations of ideas and judgment. Concerning matters of fact causality, external world self and personal identity rejection of metaphysics scepticism.
4. Immanuel Kant: Problem of knowledge conception of critical philosophy classification of judgments analytic, synthetic, a priori, a posterior. Possibility of a synthetic a priori, Judgments.Phenomena and noumena, Categories of understanding, Validity of knowledge.

Books Prescribed

डॉ. दयाकृष्ण	पाश्चात्य दर्शनकाइतिहास खण्ड 1 एवं 2
याकूबमसीह	पाश्चात्य दर्शनकाइतिहास
FrantThilly	History of Western Philosophy
W.T. Stace	Critical History of Greek Philosophy

PAPER -II: LOGIC OR PHILOSOPHY OF RELIGION

Duratioll-3hrs **M.M.100**

Note: This paper contains five sections and all sections are compulsory. Each section carries equal marks. From section C, D, E candidates are required to attempt one question each in 500 words.

Section - A

(a) Philosophical terms (10 out of 15) (each in 25 words) (1 x 10 = 10)
Sentential connectives, Proposition, Middle term, Fallacy, Definition, Validity, Venn diagram, Tautology, Hypothesis, Language, Logic, Class, Distribution, Quality, Quantity, Emotively neutral language, Hypothetical Syllogism, Sub contrary, Contraposition, Mood, Figure, Cause, Science, Fact Induction, Deduction, Truth table, Scientific explanation, Premise, Conclusion, Material Implication, Obversion Complementary class.

(b) Distinguish (5 out of 8) (2 x 5 = 10)
Quality and quantity, Categorical proposition and Hypothetical Proposition, Premise and conclusion, Inductive and Deductive argument, communicative and expressive language, Fallacies of relevance and fallacies of ambiguity, formal and informal fallacies, stipulative and lexical

definition, Denotative meaning and connotative meaning, figure and mood, minor and major term, Rules of inference and rules of replacement, self contradiction and double negation, universal and particular proposition, cause and effect. Method of Agreement and method of difference, Immediate and mediate inference, scientific and unscientific explanation, contradiction and contrary, fallacies of composition and division, circular argument and complex question, argument and syllogism, truth and validity, conversion and obversion.

Section -B

Short Notes (5 out of 8) (150 words each) (5 x 4 = 20)

Section-C

Introduction, the uses of language, categorical proposition, categorical syllogisms.

Section - D

Informal fallacies, Definition, Symbolic logic.

Section -E

The method of deduction, causal connections: Mills methods of experiment inquiry, Science and Hypothesis.

Book Recommended

Irving M Copy Introduction to logic (complete Book except Chapter 7, 10, & 14) .

PAPER - II: PHILOSOPHY OF RELIGION

Note: This paper contains five sections and all sections are compulsory. Each question carries equal marks. From section C, D, E, candidates are required to attempt one question each in 500 words.

3 Hours duration **Max. Marks 100**

Section-A

1.Philosophical terms (10 out of 15) (each in 25 word) (1x10=10)

Philosophy of Religion, Monotheism, creator, transcendence, Deism, evil, feeling, totemism, imminences, Agnosticism, dualism, faith, apriority, Fatalism, Freedom of will, Immorality, Atheism, Theism, Invisible, Meta-ethics, Detachment, Indescribable, Orthodox, Analogy, Humanism, identity, concept, value, progressive, Teleology, Impersonal, Pantheism, God, Religion, Omniscience, Omnipresence, Synthetic statement, Analytical statement, Eternity.

2.Distinguish (5 out of 8) (each in 50 words) (2x5=10)

Religion and Morality, Hope and Despair, Magic and. Religion, Ontological and Cosmological argument, Personal and Impersonal Morality, Value and Virtue, Atheism and theism, Omniscience and Omnipresence, Monotheism and Pantheism, Rational and Irrational, Religion and Science, Religion and Philosophy of Religion, Analytical and Synthetic statements, Cause and Effect, Deism and Theism, Good and Evil, Religion

and Theology, Affirmation and Refection, Egoism and Solipsism, Falsifiable and Verifiable, Static Religion and Dynamic religion, Obessional Neurosis and Religious rituals.

Section-B

2. Short notes (5 out of 8(150 words each) (5 x 4 = 20)

Section-C

1 . Definition and nature of Philosophy of religion and Theology. 20
2. Definition, nature and Characteristics of Religion.
3. Pantheism, Deism, Theism and Monotheism.
4. Explanation of Analytical and Synthetic statements and Analytical statement.

Section-D

1. Arguments for the existence of God.
2. Attributes of God. 20
3. Problem of Evil.

Section-E

1. Immortality of soul.
2. Religious belief and faith 20
3. The unity of Religion.
4. Universal Religion and Future of Religion.

Book Recommended

YaqubMasih	Religious Philosophy
Dr. Harendra Prasad Sinha	Dharma Darshan Ki RoopRekha (M.L.B.D.)
John Hick	Philosophy Religion
H.N. Mishra	DharamDars.hanParichya

8. दर्शन शास्त्र

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक – 200
प्रथम प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक – 100
द्वितीय प्रश्न पत्र	समय : 3 घंटे	अंक – 100

प्रथम प्रश्नपत्र–पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

नोट–प्रश्न पत्र में पांच खंड हैं। प्रत्येक खंड अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। खंड स, द और य प्रत्येक में दो प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर 500 शब्दों में देने हैं।

खण्ड– अ

1. दार्शनिक सम्प्रत्यय (15 मेंसे 10) (प्रत्येक 25 शब्दों में) (1X10=10)

निरपेक्ष सत्ता, निरीश्वरवाद, विशेषण, मुख्य सद्गुण, सम्प्रत्यय समीक्षावाद, ईश्वरवाद, द्वन्द्वपद्वति, रूढिवाद द्वैतवाद अहंवाद, निस्सरणवाद अनुभववाद, ज्ञान मीमांसा आस्था, अन्तिम कारण आकार, मध्यममत, संवेदन जन्मजातप्रत्यय, बुद्धिवाद, क्रिया–प्रतिक्रियावाद पुद्गल, भौतिकवाद, चिंतबिन्दु, एकतत्ववाद द्रव्य, संशयवाद, मुख्यगतिदाता, वस्तुनिजरूप

प्रत्यय, शुभ, उपादान कारण, निमित्त कारण, उद्भव, सर्वेश्वरवाद, शाश्वत, सार्वभौमिकद्रव्य, अज्ञेयवाद, इंद्रिय–प्रतयक्ष।

2. प्रत्ययोंमेंभेद (8 मेंसे 5) (प्रत्येक 50 शब्दों में) (2X5=10)

मत एवं ज्ञान, प्रत्यय जगत एवंइन्द्रिय जगत, विशेष एवं सामान्य, आकार एवं पुदगल, आस्था एवं बुद्धि मनस एवं शरीर, क्रिया–प्रतिक्रियावाद एवं सामान्तवाद इंद्रियानुभववाद एवं बुद्धिवाद, एकतत्ववाद एवं बहुतत्ववाद, प्राथमिक एवं गौणगुणसरल प्रत्यय एवं जटिलप्रत्यय, विश्लेषाणात्मक निर्णय एवं संश्लेषणात्मक निर्णय प्रागानुभविक एवं आनुभविक, आभास एवं परमार्थ, द्रव्य एवं गुण, गुण एवं पर्याय, निरपेक्ष एवं सापेक्ष, कारण एवं कार्य, तत्व मीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा, निगमन एवं आगमन संस्कार एवं संवेदन, अनुभवातीत एवं अन्तर्ववर्तिता, वास्तविक एवं शाक्य, आपतिकसत्य एवं अनिवार्यसत्य

खण्ड– ब

संक्षिप्तटिप्पणियाँ (8 मेंसे 5) (प्रत्येक 150 शब्दों में) (5X 4=20)

खण्ड– स

1. सुकरात – दार्शनिकसमस्या, दार्शनिकप्रणाली, नीति, शास्त्र
2. प्लेटो – ज्ञानमीमांसा, ज्ञान एवंमत, प्रत्यय सिद्धान्त, आत्मा, शुभ
3. अरस्तु – प्लेटो के प्रत्ययसिद्धान्त की आलोचना, कारणताका सिद्धान्त, पुद्गल एवंआकार, संभाव्यता एवं वास्तविकता, आत्मा, ईश्वर
4. प्लोटिनस – उद्भवसिद्धान्त, आत्मा

खण्ड– द

1. सन्तटॉमस एक्विनास – तर्क एवं श्रद्धा, ईश्वर, नीतिशास्त्र
2. रेनेदेकार्त – दार्शनिक पद्धति एवंइसकीआवश्यकता, संदेह की पद्धति, कोजिटोइरगोसम, आत्मा एवं शरीर, आत्म–शरीरअनर्क्रियावाद, ईश्वर : स्वरूप सत्ता के प्रमाण, जन्मजातप्रत्ययोंकासिद्धान्त
3. बेनेडिक्ट स्पिनोजा – दार्शनिक विधि, द्रव्य : विशेषण एवं प्रकार ईश्वर का स्वरूप, सर्वेश्वरवाद, मन एवं शरीर का सम्बन्ध
4. गाटफ्रीड विल्हेल्मवॉन – चिद् बिन्दुओं का सिद्धान्त, पूर्वस्थापित सामंजस्य का सिद्धान्त, लाइब्निज शक्ति का सिद्धान्त, ईश्वर का स्वरूप और उसके अस्त्वित के प्रमाण।

खण्ड– य

1. जॉनलॉक – ज्ञान का उद्भव, जन्मजात प्रत्ययों का खंडन, प्रत्यय एव उसका वर्गीकरण ज्ञान का स्वरूप और प्रामाणिकता, ज्ञान की सीमाएं, प्राथमिक एवं गौण गुण
2. जार्जबर्कले – अमूर्तप्रत्ययों का खंडन, प्रथमिक गौणगुणों के माध्य अन्तरका खंडन, दृष्टि ही सृष्टिहै।

3. डेविडह्यूम – ज्ञान की उत्पत्ति, कारण–कार्य का संबंध, ज्ञान की प्रमाणिकता, बाह्य जगत का ज्ञान आत्मतत्व की अस्वीकृति, ईश्वर संशयवाद, प्रत्यय एवं प्रत्यक्षानुभव, तत्वमीमांसा का खंडन

4. इम्मैनु अलकांट – ज्ञान की समस्या, समीक्षावाद, निर्णयों का वर्गीकरण संश्लेषणात्मक, विश्लेषणात्मक, अनुभवपूर्व एवं अनुभव पश्चात, बुद्धि की श्रेणियाँ प्रपंचवाद, ज्ञान की प्रमाणिकता

द्वितीय प्रश्न पत्र –तर्कशास्त्र अथवा धर्म दर्शन

समय – 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

नोट–प्रश्न पत्र में पांच खण्ड है। सभी खण्ड करने अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान है। खण्ड स, द एवं य प्रत्येक में दो प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर 500 शब्दों में देना है।

खण्ड– अ

1. दार्शनिक सम्प्रत्यय (15 मेंसे 10) (प्रत्येक 25 शब्दों में) (1X10=10)

वाक्य–संयोजक, तर्कवाक्य, मध्यम–पद, तर्कदोष, परिभाषा, वेन–आरेख, पुनर्कथन, प्राक्कल्पना, भाषा, तर्कशास्त्र, वर्ग, वितरण, गुण, परिमाण, संवेगात्मक रूप सेतटस्थ शब्द, निरपेक्ष न्यायवाक्य, विरूद्ध, प्रतिपरिवर्तन, अवस्था, आकृति, कारण, विज्ञान, तथ्य, आगमन, निगमन, सत्यता, वैद्यता, सत्यता सारिणी, वैज्ञानिकव्याख्या, आधारवाक्य, निष्कर्ष–प्रतिवर्तन, पूरकवर्ग

2. प्रत्ययों में भेद (8 मेंसे 5) (प्रत्येक 50 शब्दों में) **(2X5=10)**

गुण एवंपरिमाण, निरूपाधिकतर्कवाक्य एवंसोपाधिकतर्कवाक्य, आधारवाक्य एवंनिष्कर्ष, आगमनात्मकतर्कवाक्य एवंनिगमनात्मक युक्तियाँ, सूचनात्मकभाषा एवंअभिव्यक्तात्मकभाषा, प्रासंगिकत्व एवंसंदिग्दार्थकता के दोष, आकारिकतर्कदोष एवंअनौपचारिकतर्कदोष, ऐच्छिक एवंकोशीय परिभाषा, वस्तुपूरकअर्थ, गुणात्मकअर्थ, आकृति एवंअवस्था, मुख्य पद एवंअमुख्य पद, अनुमान के नियम एवंप्रतिस्थापन के नियम, आत्म–व्याघाती एवं द्विनिषेध, सर्वव्यापी एवंअंशव्यापीतर्कवाक्य, कारण एवंकार्य, अन्वयविधि ा एवंव्यतिरेकविधि, अव्यवहितअनुमान एवंव्यवहितअनुमान, वैज्ञानिकव्याख्या एवंअवैज्ञानिकव्याख्या, व्याघ्ज्ञात एवंविपरीत, संहतिदोष एवंविग्रहदोष, चक्र के दोष एवंजटिलप्रश्न, युक्ति एवंन्याय वाक्य सत्यता एवंवैद्यता, परिवर्तन एवंप्रतिवर्तन

खण्ड– ब

संक्षिप्तटिप्पणियाँ (8 मेंसे 5) (प्रत्येक 150 शब्दों में) (अंक 5X4= 20)

खण्ड– स

परिचय (इन्ट्रोडक्शन), भाषा के प्रयोग, निरूपा धिकतर्क वाक्य, निरपेक्ष न्याय वाक्य अंक–20

खण्ड– द

अनौपचारिक तर्क दोष, परिभाषा, प्रतीकात्मक तर्क शास्त्र अंक–20

खण्ड– य

निगमन की पद्धति, कारणात्मकसम्बन्ध : प्रायोगिकअनुसंधान के लिये मिल की पद्धतियां, विज्ञान और प्राक्कल्पना अंक–20

पाठ्य पुस्तक

इरविंग एम. कोपी : तर्कशास्त्र कापरिचय (अध्याय 7, 10 तथा 14 के अतिरिक्तसम्पूर्ण पुस्तक)

द्वितीय प्रश्न पत्र – धर्मदर्शन

(केवल स्वयंपाठीविद्यार्थियों के लिये)

समय – 3 घंटे पूर्णांक– 100

नोट– प्रश्न पत्र मेंपांच खण्डहैं।प्रत्येक खण्डकरनाअनिवार्यहै।सभीप्रश्नों के अंकसमानहैं। खण्ड स, द एवं य प्रत्येकमेंदोप्रश्नोंमेंसेकिसी एक काउत्तर 500 शब्दोंमेंदेनाहै।

खण्ड– अ

1. दार्शनिकसम्प्रत्यय (15 मेंसे 10) (प्रत्येक 25 शब्दों में) (अंक 1X10=10)

धर्मदर्शन, एकेश्वरवाद, सृष्टिकर्ता, अनुभवातीत, तटस्थईश्वरवाद, अशुभभाव, टोटमवाद, ईश्वरसत्ता, अज्ञेयवाद, द्वैतवाद श्रद्धा, अनुभवपूर्व, दैववाद, संकल्प, स्वातंत्रय, अमरता, अनीश्वरवाद, ईश्वरवाद, अदृश्य, अधिनीति शास्त्र, अनासक्ति, अवर्णनीय, अनुपंथी, सादृश्य मानवतावाद, तादात्म्य, संप्रत्यय, मूल्य, उत्क्रमिक, ईश्वरवाद, निर्वैयक्तिक, सर्वेश्वरवाद, ईश्वर, धर्म, सर्वज्ञता, सर्वत्र, संश्लेषणात्मककथन, विश्लेषणात्मककथन, कालातीतता।

2. प्रत्ययोंमेंभेद(8 मेंसे 5) (प्रत्येक 50 शब्दों में) (अंक 2X5=10)

धर्म एवं नैतिकताआशा एवंनिराशाजादू एवं धर्म, तात्विकप्रमाण एव विश्वमूलक प्रमाण व्यैक्तिक एवंनिर्वेयक्तिक, अमरता, मूल्य एवंसद्गुण, ईश्वरवाद एवंअनीश्वरवादसर्वज्ञता एवंसर्वव्यापकता, एकतत्ववाद एवंसर्वेश्वरवाद, बौद्धिक एवंअबौद्धिक, धर्म एवंविज्ञान, धर्म एवं धर्मदर्शन, व्यक्तित्वपूर्वक एवंअपरिमितता, विश्लेषणात्मक एवंसंश्लेषणात्मककथन, कारण एवंकार्य, तटस्थईश्वरवाद एवंईश्वरवाद, शुभ एवंअशुभ, व्यावहारिक एवंपरमार्थिकसताऐं, धर्म एवं धर्मशास्त्र, आत्माभिपुष्टि एवंनिराकरण, अहंवाद एवं एकात्मवाद, मिथ्यापनीय एवंसत्यापनीय, स्थैतिक धर्म एवंगतिशील धर्म, मनोग्रंथिमनस्ताप एवं धार्मिककर्मकाण्ड

खण्ड– ब

संक्षिप्तटिप्पणियाँ (8 मेंसे 5) (प्रतयेक 150 शब्दों में) (अंक 5X4=20)

खण्ड– स

1. धर्मदर्शन की परिभाषा एवंस्वरूप, ईश्वरवाद
2. धर्म की परिभाषा, स्वरूप एवंमुख्य विशेषताएँ।
3. सर्वेश्वरवाद, तटस्थ–ईश्वरवाद, एकेश्वरवाद, एकेश्वरवाद, संश्लेषणात्मककथन, विश्लेषणात्मककथन।

खण्ड– य अंक 20

1. ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण

2. ईश्वर के गुण
3. अशुभ की समस्या

खण्ड– य अंक 20

1. आत्मा की अमरता
2. धार्मिकआस्था एवं श्रद्धा
3. धर्मसमन्वय
4. विश्व धर्म एवं धर्मों काभविष्य

पाठ्यपुस्तक

याकूबमसीह	समकालीन धर्मदर्शन
हरेन्द्रप्रसादसिन्हा	धर्मदर्शन की रूपरेखा
जॉनहिक	फिलॉसफी ऑफ रिलीजन (हिन्दी व अंग्रेजी) प्रिन्टिसहाल
एच.एन. मिश्रा	धर्मदर्शनपरिचय

9. PSYCHOLOGY

SCHEME :

Paper I	3 Hrs. Duration	Max. Marks 75	Min. Pass Marks 27
Paper II	3 Hrs. Duration	Max. Marks 75	Min. Pass Marks 27
Practical	3 Hrs. Duration	Max. Marks 50	Min. Pass Marks 18

General Instruction

1. There will be two theory papers of 75 marks each and practical of 50 marks. The Candidate will be required to pass in theory and practical separately.
2. Each theory paper will be require four teaching periods of 45 minutes or 6 teaching periods of 60 minutes for both the paper per week.
3. Practical Papers will require four periods of 45 minutes or three periods of 60 minutes per week for a batch of 20 students.
4. Each paper will contain ten questions having two questions from each unit. Candidates are required to attempt five questions in all. Selecting at least one question from each unit. Students are required to answer part (a) of the each question in approximately 500 words and part (b) of the each question in approximately 150 words.

PAPER-I STATISTICS IN PSYCHOLOGY

Unit I

Introduction: Nature and Importance of Statistics. Tabulation of Frequency Distribution, Measures of Central Tendency: Arithmetic Mean, Median & Mode

Unit II

Graphic representation of data: Frequency Histogram, Frequency Polygon, Cumulative Frequency Curve, Ogive (Smoothed), And Bar Diagram. Correlation: Spearman's Rank Order Correlation, Pearson's Product

Movement Methods of correlation (by Assumed mean and Actual Mean, only for ungrouped data).

Unit III

Measures of Variability: Average Deviation, Standard Deviation, Quartile Deviation, Hypothesis testing: Chi-square test; Equal Distribution method, Independent Distribution method, 2X2 contingency Table method.

Unit IV

Research Problem: Nature, Sources of origin of the problem. Criteria, selection & types of Research problem.

Hypothesis: Meaning of Hypothesis, Criteria of a Good Hypothesis, Functions of Hypothesis, Types of Hypothesis, Sources of Hypothesis. Variables: Meaning of Variables, Types of Variables, role of various types of Variables in an Experiment. Controlling methods of relevant variables in an experiment.

Unit V

Sampling: Population and Sample, Sampling Methods.

Techniques of Data collection: Observation, Questionnaire, Schedule, Interview, Case study.

Books Recommended:-

Garrett-Statistics in Psychology and Education (Vaki's, Feffar and siman)

PAPER & II ABNORMAL PSYCHOLOGY

Unit-I

Concept and Criteria of Abnormal behavior, Causes of abnormal Behavior.

Difference between normal & abnormal behavior.

Unit II

Psychoanalytic theory of Freud.

Psychoneuroses (symptoms & causes), Hysteria Neuroses (Conversion & Dissociative). Anxiety Neuroses, Phobia Neuroses, and obsession-compulsive Neurosis (symptoms and Causes)

Unit-III

Functional Psychosis (Symptoms & Causes), Schizophrenia, Manic-Depression, Paranoia, Mental Retardation.

Psychosomatic disorders: Meaning & Nature of Psychosomatic disorders, types of Psychosomatic Disorders

Unit IV

Alcoholism: Incidence and effects, clinical picture, Stages of alcoholic dependence, causes of alcoholism, Alcoholic Psychosis, Treatment of alcoholic Psychosis.

Epilepsy: Symptoms, Causes, Types and Treatment.

Personality disorders: Meaning & nature of personality disorders, Clinical Picture of Personality disorders, Types of Personality Dis-

orders, Meaning of antisocial personality. Etiology of Anti social personality.

Unit V

Contemporary approaches of therapy: Biological Therapy, Psychotherapy: Meaning & Goals of Psychotherapy. Freud's Psychoanalytic Therapy, Behavior Therapy, Cognitive behavior therapy, Client-Centered therapy, Gestalt Therapy, Couple Therapy.

Books Recommended:-

Page, Abnormal Psychology.(Tata McGrow Hill, Bombay)
Colemen. Abnormal Psychology in Modern Life (Taraporwala, Bombay)
Sarason, Abnormal Psychology (Prentice Hall, New Delhi)
Division Abnormal Psychology : Experimental Clinical Approach

Practical

Student have to complete at least seven Practical

1. Anxiety	2. Adjusment	3. Neuroticism
4. Frustraton	5. Ego Strength	6. Personality
7. Depression	8.Mental Stress	

NOTE:- Students have to conduct one Practical during examination. Evaluation scheme will as follows.

Conduction of Practical	25 Marks
Viva on Practical	15 Marks
Record File	10 Marks
Total	**50 marks**

मनोविज्ञान

योजनाः

प्रश्न पत्र प्रथम	3 घंटैं अवधि	पूर्णांक 75	न्यूनतम उतींर्णांक 27
प्रष्न पत्र द्वितीय	3 घंटैं अवधि	पूर्णांक 75	न्यूनतम उतींर्णांक 27
प्रायोगात्मक पत्र	3 घंटैं अवधि	पूर्णांक 75	न्यूनतम उतींर्णांक 27

सामान्य निर्देषः–

कुल दो सैद्वान्तिक पत्र प्रायोगिक पत्र होगें. प्रत्येक सैद्वान्तिक पत्र के 45 मिनट के चार शैक्षणिक कांलाश व प्रत्येक 20 विधार्थियों के समूह के लिए चार प्रायोगिक कांलाश प्रति सप्ताह होगें।

प्रत्सेक प्रश्न पत्र एवं प्रायोगात्मक पत्र में अलग अलग उतीर्ण होना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रश्न होगें व प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न देना अनिवार्य है। विधार्थियों को प्रत्येक इकाई से अनिवार्य रूप स एक प्रश्न का चुनाव करते हुए कुल पॉच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

विधार्थीयों को प्रत्येक प्रश्न के भाग अ का उत्तर लगभग पॉच सौ शब्दों में तथा भाग ब का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना है।

प्रथम प्रश्न पत्र : मनोविज्ञान में सांख्यकी

इकाई 1

परिचय : सांख्यिकी की प्रकृति एवं महत्व । आवर्ती वितरण । केन्द्रीय आवर्ती मापन : मध्यमान, मध्यांक एंवम् बहुलांक।

इकाई 2

प्रदत्तों का रेखिय चित्रण : आवर्ती स्तम्भाकृति, आवर्ती बहुभुज, संचित आवर्ती वक्र, ओजाईव (सरलीकरण) और वृत चित्र। सहस्मबध : स्थान क्रम विधि (रॉ), स्पीयरमेन की प्रोडक्ट मोमेन्ट सह सम्बन्ध विधि (कल्पित मध्यमान और वास्तविक मध्यमान द्वारा, केवल अव्यवस्थित आंकड़ो से)।

इकाई 3

विचलन के माप : मध्यमान विचलन, मानक विचलन, चतुर्थाषं।

उपकल्पना परीक्षण : काई स्क्वायर टेस्ट : इक्यूअल वितरण विधि, स्वतन्त्र वितरण विधि, 2X2 कोन्टिजेन्सी तालिका विधि।

इकाई 4

अनुसंधान समस्या : स्वरूप, समस्या उत्पति के स्त्रोत एवं समस्या की उपयुक्तता की कसौंटिया, समस्या का चयन एवं प्रकार। उपकल्पना : उपकल्पना का अर्थ, अच्छी उपकल्पना की कसौटी, उपकल्पना के कार्य, उपकल्पना के प्रकार, उपकल्पना के स्त्रोत। चरः का अर्थ, चरों के प्रकार, प्रयोग के अन्दर चरों के विधिक प्रकारों की भूमिका प्रयोग के अन्दर संगत चरोंके नियंत्रण की विधियां।

इकाई 5

प्रतिचयन : जनसंख्या एवं प्रतिदर्ष, प्रतिदर्ष पद्धतियां

आंकड़े संग्रहण प्रविधियां : अवलोकन, प्रष्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार, केस अध्ययन।

पठन सामग्री

मनोविज्ञान सांख्यकी : मिश्रा व त्रिपाठी (प्रकाषक हर प्रसाद भागर्व आगरा)

मनोविज्ञान व षिक्षा में सांख्यकी के मूल आधार : लाभ सिंह व द्वारिका प्रसाद, प्रकाशक : विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा

मनोविज्ञान व शिक्षा में सरल सांख्यकी : मखीजा एवं मखीजा प्रकाशक लक्ष्मी नारायन अग्रवाल, आगरा।

द्वितिय प्रश्न पत्र : असामान्य मनोविज्ञान

इकाई 1

असामान्य व्यवहार का सम्प्रतय, कसौटियां तथा असामान्य व्यवहार के कारण। सामान्य एवं असामान्य व्यवहार में अन्तर।

इकाई 2

फ्रायड का मनोविष्लेषनवाद का सिद्वान्त। मनःस्ताप (लक्षण तथा कारण), क्षोभोउन्माद मनःस्ताप (रूपान्तरित तथा वियोजनात्मक), चिन्ता मनःस्ताप, दुर्भिति मनःस्ताप मनःस्ताप, मनोग्रस्तता–बाध्यता मनःस्ताप (लक्षण तथा कारण)

इकाई 3

क्रियात्मक मनोविक्षिप्तता (लक्षण एवं कारण), मनोविदलता, उन्मांद–अवसाद मनोविक्षिप्तता,व्योमोह, मानसिक मन्दन। मनोदैहिक विकृतियांः मनोदैहिक विकृति का अर्थ व स्वरूप, मनोदैहिक के प्रकार (विस्तार से)

इकाई 4

मदपान के घटनाक्रम एवं प्रभाव, नैदानिक स्वरूप, मध्यमान निर्भरता के स्तर, मध यमान के कारण, मधपान मनोविक्षिप्तता एवं उपचार। मिर्गी : प्रकार, लक्षण, कारण और उपचार। व्यकितत्व विकृतियांः व्यक्तित्व विकृति का अर्थ एवं स्वरूप, व्यक्तित्व विकृति का नैदानिक स्वरूप, व्यक्तित्व विकृति के प्रकार। समाज विरोधी व्यक्तित्व का अर्थ एवं कारण।

इकाई 5

चिकित्सा कि समकालीन उपागम–जैविक चिकित्सा, मनोचिकित्सा : अर्थ एवं लक्ष्य। फ्रायड की मनोविष्लेशिक चिकित्सा, व्यवहार चिकित्सा, संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा, क्लांयट केन्द्रित चिकित्सा,

पठन सामग्री

आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान : अरूण कुमार सिँह, मोती लाल बनारसी दास, पटना।
असमान्य मनोविज्ञान : लालबचन त्रिपाठी (हर प्रसाद भार्गव आगराद्ध
असमान्य मनोविज्ञान : ओझा (हर प्रसाद भार्गव आगरा)
असमान्य मनोविज्ञान : कपिल (हर प्रसाद भार्गव आगरा)

प्रायोगिक प्रष्न–पत्र

विद्यार्थी को सभी आठ परीक्षण / प्रयोग करने हैं–

01. दुश्चिन्ता का मापन	02. समायोजन का मापन
03. न्यूरोसिटिजम का मापन	04. कुण्ठा का मापन
05. अहम षक्ति का मापन	06. व्यक्तित्व का मापन
07. अवसाद मापन	08. मानसिक तनाव

नोटः– विधार्थी को परीक्षा में एक प्रेक्टिकल करना है। मूल्यांकन इस प्रकार हैः–

कंडक्षन ऑफ प्रेक्टिकल	25 अंक
मौखिक परीक्षा	15 अंक
रिकॉर्ड फाइल	10 अंक
कुल	**50 अंक**

10. ECONOMICS

Scheme :

Two Papers	Min Pass Marks : 72	Max Marks : 200
Paper I	3 hrs duration	100 Marks
Paper II	3 hrs duration	100 Marks

PAPER I - MACRO ECONOMICS

Unit I - National Income and Social Account

Nature and importance of Macro Economics, Circular flow of income, concept and measurement of national income; National income identities with government and international trade;

Unit-II Output , Employment and consumption function

Say's law of market and the classical theory of employment, Keynes objection to the classical theory; Keynesian theory of output and employment-Aggregate demand and aggregate supply functions, the principles of effective demand. Consumption function, average and marginal propensity to consume; Factors influencing consumption spending.

Unit - III Investment and rate of interest

The investment multiplier and its effectiveness in LDC's Theory of investment. Autonomous and induced investment; Marginal efficiency of capital; Savings and investment- ex post and exante, equality and equilibrium; Classical, Neo-classical and Keynesian theories of interest.

Unit - IV Trade Cycles

Nature and characteristics of trade cycle; Hawtrey's monetary theory, Hayek's over-investment theory; Keynes view of trade cycle. The concept of accelerator, Samuelson and Hicks multiplier-accelerator interaction model. Control of trade cycle.

Unit - V Economic Growth

Sources of growth, Growth models- Harrod and Domar.Neo classical growth models-Solow.Economic growth and technical progress; Theory of balanced growth- Rosenstein.

BASIC READING LIST

* Ackley, G. (1976), Macroeconomics : Theory and Policy, Macmillan Publishing Company, New York
* Day, A.C.L. (1960), Outline of Monetary Economics, Oxford University Press, Oxford.
* Gupta, S.B. (1994), Monetary Economics, S. Chand and Co., Delhi.
* Hejidra, B.J. and F.V. Ploeg (2001), Foundations of Modern Macroeconomics, Oxford University Press, Oxford.
* Lewis, M.K. and P.D. Mizan (2000), Monetary Economics, Oxford University Press, New Delhi.
* Shapiro, E. (1996), Macroeconomics Analysis, Galgotia Publications, New Delhi.
* Vaish, M.C. Macro Economics.
* Dornbush and Fisher- Macroeconomics.

ADDITIONAL READING LIST

* Dillard, D. (1960), The Economics of John Maynary Keynes, Cross by Lockwood and Sons, London.

* Hanson, A.H. (1953), A Guide to Keynes, McGraw Hill, New York.
* Higgins, B. (1963), Economic Development : Principles, Problems and Policies, Central Book Depot, Allahabad.
* Keynes, J.M. (1936), The General Theory of Employment, Interest and Money, Macmillan, London
* Kindleberger, C.P. (1958), Economic Development McGraw Hill Book company, New York.
* Lacas, R. (1981) Studies in Business Cycle Theory, MIT Press, Cambridge, Massachusetts.
* Mier, G.M. and R.E. Baldwin (1975), Economic Development : Theory History and Policy, Wiley & Sons Inc., New York.
* Powelson, J.P.C. (1960), National Income and Flow of Funds Analysis, McGraw Hill, New

प्रश्न पत्र प्रथम : समष्टि अर्थशास्त्र

नोट : प्रत्येक प्रश्न पत्र में प्रत्येक इकाई के दो प्रश्न होंगे और इस प्रकार प्रश्नों की कुल संख्या दस होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल पांच प्रश्न करने होंगे।

इकाई–1 राश्ट्रीय आय एवं सामाजिक लेखे

समश्टि अर्थषास्त्र की प्रकषति एवं महत्व आय का चक्राकार प्रवाह। राश्ट्रीय आय की अवध ाारणा एवं मापः सरकार तथा अंतर्राश्ट्रीय व्यापार के साथ राश्ट्रीय आय समानतायें।

इकाई–2 उत्पादन, रोजगार एवं उपभोग फलन

'से' का बाजार नियम तथा रोजगार का क्लासिकल सिद्धांत एवं कींस की आपति। कींस का उत्पादन एवं रोजगार का सिद्धांत– समग्र मांग एवं पूर्ति फलन। प्रभावपूर्ण मांग का सिद्धांत । उपभोग फलन–औसत एवं सीमांत उपभोग प्रवषति। उपभोग व्यय को प्रभावित करने वाले कारक।

इकाई–3 विनियोग व ब्याज की दर

विनियोग गुणक तथा कम विकसित राश्ट्रों में इसकी प्रभावषीलता। विनियोग– स्वायत एवं प्रेरित विनियोग, पूंजी की सीमांत कार्यकुषलता, बचत एवं विनियोग– वास्तविक एवं प्रत्याषित, समानता एवं संतुलन ब्याज की दर।

क्लासिकल नव–क्लासिकल एवं कींस का ब्याज का सिद्धांत

इकाई–4 व्यापार चक्र

व्यापार चक्र की प्रकषति एवं लक्षण, हॉट्रे का मौद्रिक सिद्धांत, हेयक का अति–विनियोग सिद्धांत, कींस का व्यापार चक्र का विचार, त्वरक की अवधारणा, सेमुल्सन एवं हिक्स का गुणक–त्वरक अन्तक्रिया प्रारूप, व्यापार चक्र पर नियंत्रण।

इकाई–5 आर्थिक विकास

विकास का स्त्रोत, विकास प्रारूप– हैरड एवं डोमर, नवप्रतिश्ठित विकास प्रारूप–सोलो, आर्थिक विकास व तकनीकी प्रगति संतुलित विकास का सिद्धांत– रोजेस्टीन

PAPER II (A) : INDIAN ECONOMY

3 hrs duration Max Marks : 100

Note : The questions paper shall contain 10 questions in all, i.e. Two

questions from each unit. Each questions is divided into two parts - Part-A, Part-B having 16 and 4 marks, respectively. Candidate has to answer Part-A in about 5 pages, Part-B in about hundred words, about one page.

Unit - I

Pre-British Period

Indian economy in the Pre-British period- Structure and organization of villages, towns, industries and handicrafts.

Economic Consequences of the British Rule

General overall impact; colonial exploitation form and consequences; case of protection of Indian industries. The theory of drain-its pros and cons. Basic features; Natural resources, Land, water and forest resources;

Unit - II

Structure of Indian Economy

Broad demographic features, Population size and growth rates, sex composition, rural urban migration, occupational distribution, problem of over-population, population policy, infrastructure development.

Agriculture

Nature and importance, Trends, agricultural production and productivity, factors determining productivity; Land reforms; New agricultural strategy and green revolution, Rural credit, agricultural marketing, agriculture and WTO.

Unit-III

Industry

Industrial development during the planning period, industrial policy of 1991; industrial licensing policy MRTP ACT, FERA and FEMA; Growth and problems of small scale industries, Role of public sector enterprises in India's industrialization- recent policy towards public sector.

Unit- IV

Planning in India

Objectives; strategy; broad achievements and failures; Current Five Year Plan objectives, allocation and targets; New economic reforms liberalization, privatization and globalization; Rationale behind economic reforms; Progress of privatization and globalization.

Unit - V

External Sector

Role of foreign trade; Trends in exports and imports; Composition and direction of India's foreign trade; Balance of payment crisis and the New economic· reforms - Exports promotion measures and the new trade policies, Foreign capital - FDI, aid, Multinational corporations (MNCs) and their impact on Indian Economy. The relevance of SWADESHI.

Important Areas of Concern

Poverty and inequality; Unemployment, rising price; Industrial relations.

BASIC READING LIST

* Datt, R.K., P.M. Sundhram (2001), Indian Economy, S. chand &

Co. Ltd., New Delhi
* Kedia, Kusum and Sinha, Root of Under Development A Peep into Indian Colonial Post. Tara Printing Works, Varanasi.
* Dhingra, I.C. (2000), The Indian Economy : Environment and Policy Sultan Chand & Sons, New Delhi
* Dutt, R.C. (1950), The Economic History of India Under Early British Rule, Low Price Publications, Delhi.
* Kumar, D. (ed.) (1982), The Cambridge Economic History of India Volume II, 1757-1970, Orient Longman Ltd., Hyderabad.
* Misra, S.K. & V.K. Puri (2001), Indian Economy - Its Development Experience, Himalaya Publishing House, Mumbai.
* Directorate of Economics and Statistics, Government of Rajasthan, State Income of Rajasthan.
* Government of Rajasthan : Five Year Plan Documents.
* Government of Rajasthan : Budget studies.
* Government of Rajasthan : Statistical Abstract of Rajasthan.
* Govt. of Rajasthan : Report of Desert Development Commission.

ADDITIONAL READING LIST

* Gadgil, D.r. (1971), The Industrial Evolution in India in Recent Times, 1860-1939, Oxford University Press, Bombay
* Government of India, Economic Survey (Annual), Economic Division, Ministry of Finance, New Delhi.
* Naoroji, D. (1962), Poverty and Un-British Rule in India, Low Price Publishers Pvt. Ltd., Bombay
* Ahluwalia, I.J. and I.M.D. Little (eds) (1999), India's Economic Reforms and Development (Essays in honour of Manmohan Singh), Oxford University Press, New Delhi
* Jalan, B. (1992), The Indian Economy : Problems and Prospects, Viking, New Delhi.
* Jalan, B. (1996), India's Economic Policy - Preparing for the 21st Century, Viking, New Delhi.
* Parikh, K.S. (1999), India Development Report - 1999-2000, Oxford University Press, New Delhi.
* Datt, R. (ed.) (2001), Second Generation Economic Reforms in India, Deep & Deep Publications, New Delhi

पेपर– II (अ)

भारतीय अर्थव्यवस्था

अधिकतम अंक :– 100 **अवधिः 3 घण्टे**

इकाई–1

ब्रिटिष पूर्व काल

ब्रिटिष षासन से पूर्व भारतीय अर्थव्यवस्था, ग्राम, षहर, उद्योग और हस्तकला– संरचना एवं प्रबन्ध, ब्रिटिष षासन के आर्थिक प्रभाव–सामान्य समग्र प्रभाव, उपनिवेष षोशण के स्वरूप व परिणाम, भारतीय उद्योगों में संरक्षण, आर्थिक निकासी का सिद्धांत– पक्ष व

विपक्ष, भारतीय अर्थव्यवस्था की मौलिक विषेशतायेंः प्राकृतिक संसाधन–भूमि, जल एवं वन,

इकाई–2

भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना

प्रमुख जनांकिकी विषेशतायें– आकार एवं वषद्धि दर, लिंगानुपात, ग्रामीण षहरी प्रवजन, व्यवसायिक आवंटन, अतिजनसंख्या की समस्या, जनसंख्या नीति, संरचनात्मक विकास **कषशि** की प्रकषति व महत्व :– प्रवषतियां, कषशि उत्पादन व उत्पादकता, उत्पादकता निर्धारक तत्व, भूमि सुधार, नवीन कषशि नीति एवं हरित क्रांति, ग्रामीण साख, कषशि विपणन, कषशि एवं विष्व व्यापार संगठन

इकाई–3

उद्योग

योजना काल में औद्योगिक विकास, 1991 की औद्योगिक नीति, औद्योगिक लाइसेसिंग नीति– एकाधिकार व प्रतिबान्धात्मक षक्ति अधिनियम MRTP-Act, FERA , FEMA : लघु उद्योगों का विकास व समस्याएं, भारत के औद्योगिकीकरण में सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका–सार्वजनिक क्षेत्र की वर्तमान नीति

इकाई – 4

भारतीय नियोजन

भारतीय नियोजन के उद्देष्य, व्यूह रचना, उपलब्धियां एवं विफलतायें, वर्तमान पंचवर्शीय योजना– उद्देष्य, आवंटन एवं लक्ष्य, नवीन आर्थिक सुधार– उदारीकरण, निजीकरण एवं वैष्वीकरण, आर्थिक सुधारों का औचित्य, निजीकरण व वैष्वीकरण की प्रगति।

इकाई– 5

बाह्य क्षेत्र

विदेषी व्यापार की भूमिका, आयात व निर्यात प्रवतियॉ, भारतीय विदेषी व्यापार संरचना व दिषा, भुगतान संतुलन संकट व नवीन आर्थिक सुधार, निर्यात संवर्द्धन उपाय एवं नवीन व्यापार नीति, विदेषी पूंजी– विदेषी प्रत्यक्ष विनियोग, आर्थिक सहायता, बहुराश्ट्रीय निगम एवं इनका अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, स्वदेषी अवधारणा, गरीबी एवं विशमता, बेरोजगारी, कीमत वषद्धि औद्योगिक सम्बन्ध ।

OR

PAPER II (B) : APPLICATIONS OF MATHEMATICS TO ECONOMICS

3 hrs duration Max Marks : 100

Note : This paper will contain ten question having two questions from each unit. The candidates are required to attempt five questions in all selecting at least one question from each unit.

UNIT I

Concepts of differentiation and integration, Theory of consumer behaviour - Maximization of utility. Slutsky Equation for two commodities Derivation of demand curve, consumer surplus , elasticity of demand.

Unit - II

Theory of firm- A well behaved production function, Cobb-Douglas and CES production function - Linearally Homogenous Production function, Elasticity of substitution, Producer's surplus.

Unit - III

Application of difference and differential equation, Cobweb Model, Concept of multiplier and accelerator, trade cycle models of Hick and Samuelson.

Unit -IV

Linear programming - Graphical solution. Simplex method- Primal and dual. Game theory- The Zero sum two persons game, Maximin and Minimax, Saddle point.

Unit- V

Input output analysis - Open and closed Leontief Model. Components of Final Demand and Value added, Determination of capacity,output level and investment requirements.

BOOKS RECOMMENDED :

* R.G.D. Allen : Mathematical Analysis for Economics.
* Henderson & Quandt. : Micro Economic Theory, Mathematical Approach - III Edition, McGraw Hills, Tokyo (Latest)
* Chiang - alphy C : Fundamental Methods for Mathematical Economics.
* W.J. Baumal : Economics Theory and Operations Analysis.
* G.C. Archiblad & R.G.K. Lipsey : An Introduction to a Mathematical Treatment of Economics.

द्वितीय प्रश्न पत्र (ब) – अर्थशास्त्र में गणित में प्रयोग

अधिकतम अंक : 100 3 घंटे की अवधि

इकाई– 1

अवकलन एवं समाकलन की अवधारणा के प्रयोग– उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धान्त, उपयोगिता, अधिकतमकरण, दो वस्तुओं के लिए स्लटस्की समीकरण, मांग वक्र की व्युत्पत्ति, उपभोक्ता की बचत, मांग की लोच।

इकाई – 2

फर्म का सिद्धान्त– एक सुव्यवहारिक उत्पादन फलन।

कॉब डगलस तथा स्थिर प्रतिस्थापन की लोच उत्पादन फलन– रैखीय सजातीय उत्पादन फलन। प्रतिस्थापन की लोच, उत्पादक की बचत।

इकाई – 3

अवकलन समीकरण तथा अंतर समीकरण का प्रयोग, मकड़जाल मॉडल, गुणक व त्वरक की अवधारणा, व्यापार चक्र मॉडल हिक्स तथा सेम्युलसन ।

इकाई – 4

रैखिक प्रोग्रामिंग– ग्राफीय हल, सिम्पलेक्स विधि, प्राइमर व ड्युअल। खेल सिद्धान्त षून्य योग– दो व्यक्ति खेल, मैक्समिन– मिनीमेक्स, सैंडल बिन्दु।

इकाई–5

आदा–प्रदा विष्लेशण, खुला व बंद लिओनटिफ मॉडल, अंतिम मांग तथा जोड़ के मूल तत्व। उत्पादन क्षमता स्तर तथा विनियोग आवष्यकताओं की निर्धारण।

11. HISTORY

Scheme:

Two papers	Min.pass Marks 72	Max.Marks 200
Paper I	3 hrs. Duration	Marks: 100
Paper II	3 hrs. Duration	Marks: 100

Note: The question paper will contain 10 questions in all, i.e., two questions from each unit. Each question is divided into two Parts –Part A and Part B having 16 and 4 Marks, respectively. Candidate has to answer Part A in about 5 pages and part B in about one page selecting one question from each unit.

Paper- I: History of Medieval India (1206-1740 A.D.)

Unit I

Sources of Medieval Indian History; Establishment of Turkish rule in India-Qutubuddin Aibak; Iltutmish, Razia and Balban; Khalji imperialism; Expansion in Rajputana and Deccan, Administrative and economic regulations and their impact on the state and people.

Unit II

Innovations under Muhammad Tughlaq; Religious policy and public works of Firuz Tughlaq, Timur's invasion, Sikandar Lodi, Formation of vijaynagar Empire and Bahamani Kingdom and causes of their decline . Social and Economic condition during Sultanate period.

Unit III

Political Condition of India on the eve of Babur's invasion, his role in the establishment of the Mughal Empire, Humayun-early difficulties and causes of his failure. Shershah-Expansion of his empire and administration, Political unification, Expansion and consolidation of the Mughal Empire under Akbar.

Unit IV

Nurjahan's role in the Mughal Court. Shahjahan-Golden Period, Aurangzeb's Policy towards Rajputs and Deccan. Religious policy of the Mughal Emperors. Shivaji and his conquests. Causes of down fall of the Mughal Empire.

Unit V

Nature of Mughal State, Agrarian system, Mansabadari system, Foreign Trade and Commerce, Social classes-ulema; nobility; zamindars; peasantary; artisans; agricultural labour and slaves, Status of women.

Books Recommended:

1. Irfan Habib : Agrarian System of Mughal India, 1526-1707.
2. J.N.Sarkar : Mughal Administration
3. K.M.Ashraf : Life and Condition of the People of Hindustan (1200-1550AD)
4. R.P.Tripathi : Rise and fall of the Mughal Empire.

5.S.R.Sharma : Religious Policy of Mughal Emperor.
6.S.R.Sharma : Mugal Administration
7.U.N.Dey : Administrative System of Delhi Sultanate (1206-1413), Kitab Mahal, Allahbad, 1959.
8. आर्शीवादीलाल श्री वास्तव : मध्यकालीन भारत
9. आशा मिस्त्र,राधेश्याम : मुगल सम्राट बाबर,हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ।
10 उर्मिला प्रकाश मिश्र : भारत का इतिहास, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
11. के.आर. कानूनगो : शेरशाह और उसका समय, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
12. बनारसी प्रसाद सक्सेना : मुगल सम्राट शाहंजहां, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर।
13. राधेश्याम :सल्तनत कालीन सामाजिक व आर्थिक इतिहास, बौहरा पब्लिकेशन एंड डस्ट्रीब्यूटर्स, इलाहाबाद।
14. विपिन बिहारी सिन्हा : भारत का सामाजिक आर्थिक व सांस्कृतिक इतिहास (1200–1900),ज्ञानदा प्रकाशन, नई दिल्ली।
15 हरीश चन्द्र वर्मा : मध्यकालीन भारत, हिन्दी माध्यम कार्यान्वन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।
16. बी.एल.गुप्ता एवं पेमाराम : मध्यकालीन भारत का इतिहास, जयपुर पब्लिशिंग हाउस, जयपुर

Paper- II : SURVEY OF RAJASTHAN HISTORY FROM THE EARLIEST TIMES TO 1956 A.D.

Unit I

Main Sources of History of Rajasthan. An outline of Proto-Historic Rajasthan with special reference to Kalibanga. Ahar and Bairath. Outline of Matsya Janapad. Origin of Rajputs and Prithvi Raj Chauhan-III

Unit II

Features of Feudalism in Rajput States: Changes in the position of the Rajput Nobility under British Paramountcy: Maldeo, rise of Marwar. Fort Architecture With special reference to Chittor, Ranthambore and Amber.

Unit III

The Policy of Collaboration and Resistance of the Rajput States with special reference to Man Singh of Amer, Rai Singh of Bikaner, Jaswant Singh and Durgadas of Marwar. Maharana Sanga, Maharana Pratap and Sawai Jai Singh -II

Unit IV

Causes and Results of Maratha penetration in Rajputana : Circumstances and consequences of the treaties of 1818 with special reference to Mewar,Marwar and Kota. Uprising of 1857 in Rajasthan -Causes and result, Causes of political awakening in Rajasthan.

Unit V

Peasant Movement in Bijolia and Tribal Movement under Govindgiri and Motilal Tejawat. Contribution of Prajamandals in the Freedom Movement with special reference to Bharatpur, Jaipur and Marwar. Formation of Rajasthan in 1948-1956.

Books Recommended :

D.C.Shukla : Early History of Rajasthan

Dashrath Sharma	:	Rajasthan Through the Ages. Voi.I, Rajasthan State Archives,Bikaner.
S.S. Saxena and	:	Bijolia Kissan Andolan Ka Ithihas.
Padmaja Sharma	:	Rajasthan State Archieves Bikaner 1972.
V.P.Menon	:	Integration of the Indian State.
आर.पी.व्यास	:	राजस्थान का वृहत इतिहास भाग प्रथम तथा द्वितीय राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी,जयपुर।
के.एम.सक्सेना	:	राजस्थान में राजनैतिक जनजागरण, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
डॉ. जी.एन.शर्मा	:	राजस्थान का इतिहास
डॉ. एम.एस.जैन	:	आधुनिक राजस्थान का इतिहास

12. POLITICAL SCIENCE

Scheme :

Two Papers	Min. Pass Marks - 72	Max. Marks – 200
Paper - I	3 Hours duration	100 Marks
Paper - II	3 Hours duration	100 Marks

PAPER I : SELECTED POLITICAL SYSTEM

Duration : 3 hrs Max. Marks : 100

(Student will be expected to study the salient aspects of the political system of the following countries with analytical and comparative perspective)

Note : The question Paper shall contain 10 questions in all, i.e. two questions from each unit. Each question is divided into two parts - Part A and Part B having 16 and 4 marks respectively. Candidate has to answer part A in about 5 pages and part B in about one page.

Unit-I

Salient Features and nature of British Constitution, Conventions, King and Crown, Prime Minister and Cabinet, Parliament, Relationship of House of Commons with House of Lords, Office of the Speaker, Rule of Law, Bureaucracy and Party System in U.K.

Unit-II

Salient features of the American Constitution, President - Election Process and Functions, Separation of Powers and Checks and Balance, Federalism: The Federal Judiciary and Judicial Review, Congress - Its Structure and Function, Importance of Senate in U.S. Political System and Party System, Comparison between the British and American Party System.

Unit-III

Salient features of the Swiss Constitution, Federal Assembly and Federal Council, Direct Democracy.

Unit-IV

Characteristics of the Constitution of the Democratic Republic of China, Fundamental Rights, Legislature, Executive, Judiciary,

Democratic centralism, Organization and role of Communist Party of China.

Unit-V

Salient Feature of Constitution of the Fifth Republic of France, Fundamental Rights, French Executive. The President, Prime Minister and the Council of Ministers, the French Parliament, the Judiciary, Party system, Bureaucracy and Administrative law.

OR

Constitution of Pakistan - Salient Features of the Constitution, The Office of the President, Prime Minister, National Assembly and Supreme Court.

OR

Constitution of Sri Lanka - Salient Features of the Constitution, The Office of the President, Prime Minister, Legislature and Supreme Court.

PAPER II : INDIAN POLITICAL SYSTEM

Duration : 3 hrs Max. Marks 100

Note : The question Paper shall contain 10 questions in all, i.e. two questions from each unit. Each question is divided into two parts - Part A and Part B having 16 and 4 marks respectively. Candidate has to answer part A in about 5 pages and part B in about one page.

Unit-I

Major Landmarks in the Constitutional Development of India, Framing of the Indian Constitution-Major Issues, Trends and Approaches of the Constituent Assembly; Preamble of the Constitution; Salient features of the Indian Constitution.

Unit-II

Nature of the Feederal System, Human Rights Philosophy, Indian Constitution, Fundamental Rights and Directive Principles of State Policy, Methods of Amendment of Constitution; Nature of the Federal System, Union-State Relationship and recent trends.

Unit-III

The Union Executive; The Union Parliament, Working of Parliamentary System, The Supreme Court; The Judicial Review; Emergency Provisions.

Unit-IV

Office of the Governor, Chief Minister and High Courts, Role of Leadership, Coalition Govt., Party System, Election Commission, Electoral Politics and Electoral Reforms.

Unit-V

National Integration : Major problems facing Indian Political System - Terrorism, Linguism, Regionalism, Communalism, Politics of Reservation; Role of Caste in Indian Politics.

राजनीति विज्ञान

योजना	दो प्रश्न–पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक 200
प्रथम प्रश्न पत्र		अवधि 3 घंटे	अधिक अंक 100

द्वितीय प्रश्न पत्र अवधि 3 घंटे अधिक अंक 100

प्रथम प्रश्न–पत्र : प्रमुख राजनीतिक व्यवस्थाएं

अवधि : 3 घंटे पूर्णांक : 100

(छात्रों के अग्रांकित देशों की राजनीति, व्यवस्थाओं के प्रमुख पक्षों के विश्लेषणात्मक और तुलनात्मक दृष्टिकोण से अध्ययन की अपेक्षा की जायेगी।)

नोट : प्रत्येक प्रश्न–पत्र में कुल 10 प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चयन करते हुए परीक्षार्थी को कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा, अ एवं ब जो क्रमशः 16 व 4 अंकों के होंगे। परीक्षार्थी को भाग अ का उत्तर लगभग 5 पृष्ठों में व भाग ब का उत्तर लगभग 1 पृष्ठ में देना होगा।

इकाई–1

ब्रिटिष संविधान की प्रमुख विषेशताएँ और प्रकषति, अभिसमय, सम्राट और मुकुट, प्रधानमंत्री एवं केबिनेट, संसद – कॉमन सभा के लॉर्ड सभा से सम्बन्ध, स्पीकर का पद, विधि का षासन, ब्रिटेन में नौकरषाही और दल व्यवस्था।

इकाई–2

संयुक्त राज्य अमरीका के संविधान की प्रमुख विषेशताएँ, राश्ट्रपति–निर्वाचन प्रक्रिया और कार्य, षक्ति पृथक्करण और अवरोध एवं संतुलन, संघवाद, संघीय कार्यपालिका और न्यायिक पुनरावलोकन, कांग्रेस–संरचना एवं कृत्य, संयुक्त राज्य अमरीका की राजनीतिक व्यवस्था में सीनेट का महत्त्व व दल व्यवस्था, ब्रिटिष तथा अमरीकन दल व्यवस्था की तुलना।

इकाई–3

स्विट्जरलैण्ड के संविधान की प्रमुख विषेशताएँ, संघीय सभा और संघीय परिशद, प्रत्यक्ष प्रजातंत्र।

इकाई–4

चीन जनवादी गणराज्य के संविधान की विषेशताएँ – मौलिक अधिकार, व्यवस्थापिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, लोकतांत्रिक केन्द्रीयकरण, चीन में साम्यवादी दल का संगठन तथा भूमिका।

इकाई–5

फ्रांस–पांचवें गणराज्य के संविधान की विषेशताएँ, मूल अधिकार, फ्रांस की कार्यपालिका, राश्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिमण्डल, फ्रांस की संसद, न्यायपालिका, दल व्यवस्था, नौकरषाही एवं प्रषासनिक विधि।

अथवा

पाकिस्तान का संविधान – संविधान की प्रमुख विषेशताएँ, राश्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नेषनल असेम्बली एवं सर्वोच्च न्यायालय।

अथवा

श्रीलंका का संविधान – संविधान की विषेशताएँ, राश्ट्रपति, प्रधानमंत्री, व्यवस्थापिका एवं सर्वोच्च न्यायालय।

पाठ्यपुस्तकें :

1.विश्व के प्रमुख संविधान : बी.एल. फड़िया

2.प्रमुख राजनीतिक व्यवस्थाएं : प्रभुदत्त शर्मा
3.Major Contemporary World Constitutions : K.R. Bombwall
4.Comparative Government : S.E. Finer
5.Modern Democracies : James Bryce

प्रश्न–पत्र द्वितीय : भारतीय राजनीतिक व्यवस्था

अवधि : 3 घंटे पूर्णांक : 100

नोट : प्रत्येक प्रश्न–पत्र में कुल 10 प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चयन करते हुए परीक्षार्थी को कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा, अ एवं ब जो क्रमशः 16 व 4 अंकों के होंगे। परीक्षार्थी को भाग अ का उत्तर लगभग 5 पृष्ठों में व भाग ब का उत्तर लगभग 1 पृष्ठ में देना होगा।

इकाई–1

भारत के संवैधानिक विकास में प्रमुख सीमाचिह्न, भारत के संविधान का निर्माण, संविधान सभा में मुख्य मुद्दे, प्रवर्षत्तियां और दर्षश्टिकोण, संविधान की उद्देषिका, भारत के संविधान की प्रमुख विषेशताएं।

इकाई–2

संघीय व्यवस्था की प्रकृति, संघ राज्य सम्बन्ध एवं नूतन प्रवृत्तियां, भारत के संविधान में मानवाधिकार दर्शन, मूल अधिकार एवं राज्य के नीति निदेशक तत्व, संविध ाान में संशोधन में संशोधन की प्रक्रिया, संघीय व्यवस्था की प्रकृति, संघ राज्य सम्बन्ध एवं नूतन प्रवृत्तियां, मूल अधिकार एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्व, संविधान में संशोधन की प्रक्रिया।

इकाई–3

संघीय कार्यपालिका; संघीय संसद, संसदीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली; उच्चतम न्यायालय, न्यायिक पुनरावलोकन; आपातकालीन प्रावधान।

इकाई–4

राज्यपाल का पद, मुख्यमंत्री एवं उच्च न्यायालय; नेतष्त्व की भूमिका; गठबंध ान सरकार; दलीय व्यवस्था; निर्वाचन आयोग, निर्वाचन की राजनीति एवं निर्वाचकीय सुधार।

इकाई–5

राश्ट्रीय एकीकरण : भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के सम्मुख प्रमुख समस्याएं – आतंकवाद, भाशावाद, क्षेत्रीयवाद, साम्प्रदायिकता; आरक्षण की राजनीति; भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका।

पाठ्यपुस्तकें :

1. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था : पुखराज जैन
2. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था : एस.एम.सईद
3. भारतीय संविधान : ब्रजकिषोर षर्मा
4. हमारा संविधान : सुभाश कष्यप
5. सामाजिक मुद्दे : जी.एल. षर्मा

6. Working a Democratic Constitution : Granville Austin
A History of the Indian Experience
7. An Introduction to the Constitution of India : M.V. Pylee
8. An Introduction to the Constitution of India : D.D. Basu
9. Indian Politics & Society Since Independence : Bidyut
Chakraborty Events, Processes and Ideology
10. Indian Government and Politics in a : R.Hardgrave and
S. Kochanek Developing Nation
11. The Indian Political System : Noman D. Palmer

13. GEOGRAPHY

Scheme :

Two papers	Min. Pass Marks : 54	Max. Marks : 150	
Paper I	3 hours duration	75 marks	
Paper II	3 hours duration	75 marks]	Arts & Science
Practical :			
6 hours duration	Arts : Min Pass Marks : 18	Max. Marks : 50	
	Science : Min Pass Marks : 27	Max. Marks : 75	

PAPER I : HUMAN GEOGRAPHY

Note: The question paper will contain 10 questions in all, i.e. two questions from each unit. Each question is divided into two parts- Part A and Part B having 12 and 3 marks respectively. Candidates have to answer Part A in about 5 pages and Part B in about 1 page selected one question from each unit.

UNIT-I

Nature and scope of human geography; Branches of human geography; Principles of human geography; Approaches of human geography; Concepts of man-environment relationship-determinism, possibilism, and neo-determinism; Dichotomy in physical and human geography.

UNIT- II

Division of mankind: spatial distribution, physical and social profile of racial groups, ethnic groups, tribal groups in the world and in India; early economic activities of mankind- food gathering, hunting, fishing and shifting cultivation.

UNIT-III

Human adaptation to environment (i) Cold region Eskimos, (ii) Hot region Bushman & Pigmy, (iii) Plateau region Gonds & Masai, (iv) Mountain region Gujjar & Naga, (v) Plain region Bhils & Santhal, their social and economic activities.

UNIT-IV

Distribution of population: World distribution pattern; physical, economic and social factors influencing spatial distribution; Concept of over population, under population, and optimum population. Zero population growth; Migration- internal and international.

UNIT-V

Population regions of India; dynamic, prospective, depressed; Problem of over population of India and remedial measures. Population programmes and policy of India.

Books recommended:

1. Bergwan Edward E: Human Geography: Culture, Connection and Landscape, Prentice Hall, New Jersey, 1995.
2. Carr,M: Patterns, Process and Change in Human Geography, MacMillan,London, 1987.
3. Fellman, J L: Human Geography- Landscape of human activities, Brown & Benchman, USA, 1997.
4. Blij HJ: Human Geography, Culture, Society and space; John Willey, New York, 1996.
5. Kaushik: Manav Bhoogol ke saral sidhant, Rastogi, Meerut.
6. Dvivedi and Kannojia: Manav Bhoogol ke Sidhant, Kitab Mahal, Allahbad.
7. Gujjar and Jat: Manav Bhoogol, Panchshee Prakashanl, Jaipur.

PAPER II: GEOGRAPHY OF RAJSTHAN

3hrs duration Maximum marks:75

Note: The question paper will contain 10 questions in all, i.e. two questions from each unit. Each question is divided into two parts- Part A and Part B having 12 and 3 marks respectively. Candidates have to answer Part A in about 5 pages and Part B in about 1 page selected one question from each unit.

UNIT-I

Introduction: Formation and administrative setting of the state, Geological structure, Relief, Physiographic regions, Drainage, Climate, Soils, Natural vegetation.

UNIT-II

Agricultural and economic aspects of the state: Food and commercial crops, Main irrigation sources, types and their intensity, waste land and desert land development programmes, Livestock and dairy development.

UNIT- III

Power and energy resources: Hydro based, Thermal, Atomic, Solar, Biogas; Mineral resources and industries.

UNIT-IV

Demographic structure: growth, distribution, density, urban- rural, occupational structure, literacy and cultural heritage; Tribes of Rajasthn: Bhil and Grasia; Factors affecting the development of transportation and trade in the state.

UNIT-V

Geographical regions of Rajasthan, Detailed study of Marusthali,

Aravalli, Hadoti and Eastern Plain.

Books Recommended:

1. Mishra, V C: Geography Rajasthan, National Book Trust, New Delhi, 1967.
2. Sharmas H.S. & M.L.: Geographical Facts of Rajasthan.
3. Bhalla L R: Rajasthan ka Bhoogol, Kuldip Prakashan, Ajmer.
4. Sharm & Sharma: Rajasthan ka Bhoogol, Pancheel Prakashan, Jaipur.
5. Saxena, H M: Rajasthan ka Bhoogol, Rajsthn Hindi Granth Academy, Jaipur.
6. Sharma Dinesh Chandra & Puspa Sharma: Rajasthan Aaj Tak.

PRACTICAL

Scheme: 6 periods per week per batch of 20 students.

6 hours duration Arts: Minimum pass marks: 18 Maximum marks: 50

Science: Mini. pass marks: 27 Maximum marks: 75

Distribution of marks:	Arts	Science
1. Lab work 2 hrs duration	18	27
2. Field survey & viva-voce 2 hrs duration	8+4=12	12+6=18
3. Record work & viva- voce 2 hrs duration	8+4=12	12+6=18
4. Project report & viva- voce	6+2=08	9+3=12
Total	**50**	**75**

Note: Three exercises to be attempted out of five exercises and 20 candidates be examined in one batch.

CONTENTS:

Types of cartographic symbols and their uses- point, line and area symbols, Classification of distribution maps, Representation of population data, Distribution (dot), density (choropleth), growth (ring), sex composition (pyramid), urban- rural population (dot, circle & sphere), Agriculture data- Land use(divided circle), distribution (dot and symbols), Irrigated area as percentage to total cropped area (choropleth), Industrial data- production (Block pile, bar), Transport data (traffic flow diagram); Spearman's rank correlation and regression; Plane Table Survey- radiation, intersection, resection: two & three point problems- Llano's method, Bassel's method, Trial & error method, Mechanical method. Survey Report- Socio-economic survey of a village, Report should be prepared by the students separately.

Books recommended:

1. Lawrence, G R P: Cartographic Methods, Methuen, London.
2. Mishra R P: Fundamentals of Cartography, McMilan, New Delhi.
3. Monkhouse, F J & Wilkinson, H R : Maps and Diagrams, Methuen, London,
4. Singh, R L: Elements of Practical Geography, Kalyani Publishers, New Delhi.
5. J.P. Sharma: Prayogatmak Bhoogol ki Rooprekha, Rastogi, Meerut.
6. Mamoria C B & Jain S M : Prayogatmak Bhoogol, Sahitya Bhavan Agra.
7. S.M. Jain: Prayogatmak Bhoogol, Sahitya Bhavan, Agra.

भूगोल

प्रथम प्रश्न पत्र : मानव भूगोल

अवधि : 3 घंटे पूर्णांक : 75

नोट :– प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए परीक्षार्थी को 5 प्रश्न हल करने होगें । प्रत्येक प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा – अ एंव ब जो क्रमशः 12 व 3 अकों के होगें । परीक्षार्थी को भाग अ का उत्तर लगभग 5 पृष्ठों में एवं भाग ब का उत्तर लगभग 1 पृष्ठ में देना होगा ।

इकाई –1

मानव भूगोल की प्रकृति और विषयवस्तु, मानव भूगोल की शाखाऐं, मानव भूगोल के सिद्धांत, मानव भूगोल के उपागम : मानव– पर्यावरण सम्बन्ध की अवधाराणा– निश्चयवाद, सम्भववाद और नव–निश्चयवाद, द्वैतवाद – भौतिक बनाम मानव भूगोल ।

इकाई –2

मावन प्रजातियों का विभाजन : स्थानिक वितरण, विभिन्न जातिय समूहों के भौतिक एवं सामाजिक प्रारूप, जातीय समूह, विश्व और भारत में जनजातीय समूह, मानव की प्रारंभिक आर्थिक गतिविधियां : भोजन एकत्रीकरण, शिकार, मत्स्य एवं स्थानातरित कृषि ।

इकाई –3

पर्यावरण के प्रति मानवीय अनुकूलन : (प) ठण्डे प्रदेश – एस्किमो (पप) गर्म प्रदेश– बुशमैन, पिग्मी (पपप) पठारी प्रदेश – गौड, मसाई (पअ) पर्वतीय प्रदेश – गूजर घुमक्कड़ एवं नागा (अ) मैदानी प्रदेश – भील, स्ंथाल, इनकी सामाजिक और आर्थिक गतिविधियां ।

इकाई –4

जनंसख्या का वितरणः विश्व वितरण प्रारूप– स्थानिक वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक, आर्थिक तथा समाजिक कारक, जनधिक्य, जनाभाव और आदर्श जनसंख्या की अवधारणा, शून्य जनसंख्या वृद्धि, जनसंख्या का आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय स्थानांतरण ।

इकाई –5

भारत के जनसंख्या प्रदेश : गत्यात्मक, विकासोन्मुख तथा विकासविमुख क्षेत्र, भारत में जनधिक्य की समस्या तथा उपाय । भारत के जनंसख्या कार्यक्रम और नीतियां ।

द्वितीय प्रश्न पत्र : राजस्थान का भूगोल

अवधि : 3 घंटे पूर्णांक : 75

नोट :– प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए परीक्षार्थी को 5 प्रश्न हल करने होगें। प्रत्येक प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा – अ एंव ब जो क्रमशः 12 व 3 अकों के होगें । परीक्षार्थी को भाग अ का उत्तर लगभग 5 पृष्ठों में एवं भाग ब का उत्तर लगभग 1 पृष्ठ में देना होगा ।

इकाई –1

प्रस्तावना – राज्य का निर्माण और प्रशासकीय ढांचा, भूगर्भिक संरचना, धरातल, भूआकृतिक प्रदेश, जल प्रवाह, जलवायु, मिट्टियां, प्राकृतिक वनस्पति।

इकाई –2

राज्य का कृषिगत एंव आर्थिक स्वरूप : खाद्यान्न एवं व्यापारिक फसलें, सिंचाई के मुख्य स्त्रोत – प्रकार, उनकी गहनता, व्यर्थ भूमि और मरूस्थल विकास कार्यक्रम, पशुधन तथा डेयरी विकास।

इकाई –3

शक्ति व ऊर्जा के संसाधन : जल आधारित, तापीय, आणविक, सौर्य ऊर्जा, बायो गैस, खनिज संसाधन और उधोग ।

इकाई –4

जनांकीय सरंचना – जनंसख्या वृद्धि, वितरण, घनत्व, नगरीय–ग्रामीण जनसंख्या, व्यावसायिक सरंचना, साक्षरता, सांस्कृतिक विरासत, राजस्थान की जनजातियां भील और गरासिया तथा राज्य में यातायात और व्यापार के विकास को प्रभावित करने वाले कारक ।

इकाई –5

राजस्थान के भौगोलिक प्रदेश – मरूस्थल, अरावली, हाड़ौती, पूर्वी मैदान का विस्तृत अध्ययन।

प्रायोगिक

योजना : प्रति बैच 20 विद्यार्थियों का प्रति सप्ताह 6 कालांश अध्ययन

पूर्णांक	कला 50	अवधि 6 घंटे	न्यूनतम उत्तीर्ण कला : 18
	विज्ञान 75	अवधि 6 घंटे	विज्ञानः 27

अंको का विभाजन	कला	विज्ञान
1. प्रयोगशालीय कार्य : अवधि 2 घंटे	18	27
2. क्षेत्र सर्वेक्षण और मौखिक – अवधि 2 घंटे	8+4=12	12+6=18
3. रिकार्ड कार्य और मौखिक – अवधि 2 घंटे	8+4=12	12+6=18

4. सर्वेक्षण रिपोर्ट और मौखिक		6+2=8	9+3=12
	कुल	50	75

नौट :– कूल पांच प्रश्नों में से तीन प्रश्न हल करने होगें । प्रति बैच 20 परीक्षार्थियों का मूल्यांकन किया जायेगा ।

पाठ्यक्रम

1. कार्टोग्राफिक चिह्नों के प्रकार व उनके उपयोग– बिन्दु, रेखीय व क्षेत्रफलक चिह्न, 2. वितरण मानचित्रों का वर्गीकरण, जनसंख्या सम्बन्धी आंकड़ो का चित्रणः वितरण (बिन्दु विधि), घनत्व (वर्णमात्री), वृद्धि (वृत आरेख), लिंग–सरंचना, (पिरैमिड आरेख) नगरीय– ग्रामीण जनसंख्या, (बिन्दु, वृत, गोलीय आरेख) 3. कृषि सम्बन्धी आंकड़ों का चित्रण : भूमि उपयोग (विभाजित वृत आरेख) फसलों का वितरण (बिन्दु तथा चिह्न विधि) कुल फसल क्षेत्र में सिंचित क्षेत्र का प्रतिशत (वर्णमात्री), 4.औद्योगिक आंकड़ो का चित्रण– उत्पादन (इष्टिका पुंज, दण्ड आरेख) यातायात सम्बन्धी आंकड़ो का चित्रण–यातायात प्रवाह आरेख। 5.स्पीयरमैन का सहसम्बन्ध गुणांक एवं रिग्रेसन। 6. समपटल सर्वेक्षण–विकीरण प्रतिच्छेदन, पुनस्थिति निर्धारण : दो एवं तीन बिन्दु समस्या–लानो विधि, बसेल विधि, भूल एवं जांच विध्शि, यान्त्रिक विधि। 7. सर्वेक्षण रिपोर्ट : किसी एक गांव का सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण, विद्यार्थियों द्वारा रिपोर्ट अलग से तैयार करना है।

14. MATHEMATICS

Papers	Nomenclature	Pds/Week	Duration	Max. Marks Sc	Arts
I	Higher Calculus	3	3 Hrs.	75	66
II	Differential Equations	3	3 Hrs.	75	66
III	Mechanics	3	3 Hrs.	75	68
		Max. Marks		225	200
		Min. Pass Marks		81	72

Paper - I (Higher Calculus)

Note :

1. The paper is divided into **Five** indepndent units. **Two** questions will be set from each unit. The candidates are required to answer **one** question from each unit.

2. Common paper will be set for both the faculties of Social sciences and Science. However, the marks obtained by the candidates in faculty of Social science will be converted according to the ratio of the maximum marks of the paper in two faculties.

Unit - I

Limit, ε-ä definition of the limit of a function , Limit of functions of one and two variables, Continuity, classification of discontinuties, Se-

quential continuity, Properties of continuous functions, Uniform continuity, Continuity of functions of two variables.

Unit - II

Differentiability, Chain rule of differentiability, Differentiability of functions of two variables, Darboux's intermediate value theorem for derivatives, Mean Value Theorems and their geometrical interpretations, Taylor's theorem with various forms of remainders, Taylor's theorem for functions of two variables.

Unit - III

Riemann integral, Partition, Darboux sums, Lower and Upper integrals, Integrability of continuous and monotonic functions,The fundamental theorem of Integral Calculus, Mean value theorems of Integral Calculus.

Unit - IV

Real sequence, definition**,** Theorems on limits of sequences, Bounded and monotonic sequences, Cauchys convergence criterian,

Infinite Series of non negative terms, Comparison tests, Cauchy's integral test , Ratio tests, Raabe's , logarithmic, De Morgan and Bertrand's tests Alternating series, Leibnit'z theorem, Absolute and conditional convergence.

Unit - V

Uniform convergence of series of functions, Weirestrass M-test, Abel's and Dirichlets' test for uniform convergence. **Improper integrals** and their convergence, Comparison tests, Able's and Dirichlet's tests, **Fourier Series**, Fourier expansion of piecewise monotonic functions

Books recommended :

1. Real Analysis : Shanti Narayan
2. Real Analysis : G.N. Purohit
3. Real Analysis : Bhargava & Goyal
4. Advanced Calculus : Gokhroo et.al. (English / Hindi Ed.)
5. Theory of Convergence : Gokhroo et.al. (English / Hindi Ed.), Navkar Prakashan, AJMER

PAPER II (DIFFERENTIAL EQUATIONS)

Note:

1. The paper is divided into **five** independuent units. **Two** questions will be set from each unit The candidates are required to answer **one** question from each unit.

2. Common paper will be set for both the faculties of Social sciences and Science. However. the marks obtained by the candidates in faculty of Social science will be converted according to the ratio of the maximum marks of the papers in **two** faculties.

Unit - I

Degree and order of a differential equations, Equations of first order and first degree, Equations in which the variables are separable, Homogeneous equations, Linear equations and equations reducible to the linear form, Exact differential equations, Integrating Factors, First order and higher degree equations solvable for *x, y, p* ,Clairaut's form and Singular solutions,

Geometrical meaning of a differential equation, Orthogonal trajectories.

Unit - II

Linear differential equations with constant coefficients, Homogeneous Linear ordinary differential equations, Ordinary simultaneous differential equations, Total differential equations.

Unit - III

Linear differential equations of Second order , Transformation of the equation by changing dependent variable/ the independent variable. Methods of variation of parameters

Series solution of differential equations , Power series method, Bessel, Legendre and Hypergeometric equations, Bessel, Legendre and Hypergeometric functions and their properties.

Unit - IV

Partial diffrential equations of the first order, Lagrange's solution, Some special type of equations which can be solved easily by methods other than the general method, Charpit's general method of solution.

Unit - V

Partial Differential equations of second order and higher orders, Classification of linear Partial diffrential equations of second order , Homogeneous and non homogeneous equations with constant coefficients, Partial differential equations reducible to equations with constant coefficients, Monge's methods.

Books Recommended:

1.	Differential Equations	:	Ray and Chaturvedi
2.	Differential Equations	:	Sharma and Gupta
3.	Differential Equations	:	Bansal and others
4.	Ordinary Differential Equations	:	Gokhroo et.al. (English / Hindi Ed.)
5.	Pertial Differential Equations	:	Gokhroo et.al. (English / Hindi Ed.) Navkar Prakashan, Ajmer

PAPER - III (MECHANICS)

Note:

1. The paper is divided into **five** independuent units. **Two** questions will be set from each unit The candidates are required to answer **one** question from each unit.

2. Common paper will be set for both the faculties of Social sciences and Science. However. the marks obtained by the candidates in faculty of Social science will be converted according to the ratio of the maximum marks of the papers in **two** faculties.

Unit - I

Analytical conditions of equilibrium of coplanar forces, Catenary.

Unit - II

Virtual Work, Stable and unstable equilibrium,Forces in three dimensions, Poinsot's central axis, Wrenches, Null lines and planes

Unit - III

Velocities and accelerations along radial and transverse directions, and along tangential and normal directions, Simple Harmonic Motion, Rectilinear motion under variable laws.

Unit - IV

Hook's law, related problems on horizontal and vertical elastic strings. Constrained motion, Circular and Cycloidal motion.

Unit - V

Motion in resisting medium, Central forces, Central orbits, *p-r* equation, Apses, Time in an orbit, Kepler's laws of planetary motion.

Books Recommended :

1.	Statics	:	R.S. Verma
2.	Statics (English / Hindi Ed.)	:	Gokhroo et.al.
3.	Statics	:	S.M. Mathur
4.	Text book of Dynamics	:	M. Ray
5.	Dynamics	:	Gupta and Juneja
6.	Dynamics (English / Hindi Ed.)	:	Gokhroo et.al., Navkar Prakashan, AJMER

14. गणित

योजना :

प्रश्न पत्र शीर्षक	कालांश / सप्ताह	विज्ञान	अवधि	पूर्णांक कला
I अग्रगत कलन	3	3 घण्टे	75	66
II अवकल समीकरण	3	3 घण्टे	75	66
III यांत्रिकी	3	3 घण्टे	75	68
		कुल अंक	225	200
न्युनतम उत्तीर्णांक			81	72

नोट : प्रश्न पत्र पाँच स्वतन्त्र इकाईयों में बांटा गया है। प्रत्येक इकाई में दो प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करना होगा।

प्रश्न पत्र–I – (उच्चतर कलन)

इकाई – 1

सीमा, सीमा की ०–क्त परिभाषा, एक तथा दो चरों के फलनों की सीमा, सांतत्यता, असंगतता का वर्गीकरण, अनुक्रमीय सांतत्यता, संतत फलनों के प्रगुण, एकसमान सांतत्यता, दो चरों वाले फलनों की सांतत्यता।

इकाई – 2

अवकलनीयता, अवकलनीयता का श्रृंखला नियम, दो चरों वाले फलनों की अवकलनीयता, अवकलज के डॉबू मध्यवर्ती मान प्रमेय, मध्यमान प्रमेय तथा उनका ज्यामितिय अर्थ, विभिन्न प्रकार के श्शेषफल वाला टेलर प्रमेय, दो चरों वाले फलनों का टेलर प्रमेय।

इकाई – 3

रीमान समाकलन, विभाजन, डॉर्बू योग, निचला तथा ऊपरी समाकल, सतत तथा एकदिष्ट फलनों की समाकलनीयता, समाकल गणित का मूल प्रमेय, समाकल गणित के मध्यमान प्रमेय।

इकाई – 4

वास्तविक अनुक्रम, परिभाषा, वास्तविक अनुक्रम की सीमा संबंधी प्रमेय, परिबद्व तथा

एकदिष्ठ अनुक्रम, कोशी अभिसरण कसौटी, अ)णात्मक पदों वाली अनन्त श्रेणियाँ, तुलना परीक्षण, कोशी समाकल परीक्षण, अनुपात परीक्षण, रेबी, लघुगुणक तथा डिमार्गन परीक्षण, एकान्तर श्रेणी, लेबनीज प्रमेय, निरपेक्ष तथा सशर्त अभिसरण।

इकाई – 5

फलनों की श्रेणी का एकसमान अभिसरण, एकसमान अभिसरण के लिए वाईस्ट्रास एम परीक्षण, ऐबल तथा डिरिचलिट परीक्षण, अनन्त समाकल तथा उनका अभिसरण, तुलना परीक्षण, ऐबल तथा डिरिचलिट परीक्षण, फूलिए श्रेणी, एकदिष्ट फलनों के फूरिऐ प्रसार।

प्रश्न पत्र–ॅ ;अवकल समीकरणद्ध

इकाई – 1

अवकल समीकरण का क्रम तथा घात, प्रथम श्रेणी तथा प्रथम घात के अवकल समीकरण, चर प्रथककरण, समघात समीकरण, रैखिक समीकरण तथा रैखिक समीकरण में समानीत समीकरण, यथातथ अवकल समीकरण, समाकल खण्ड गएलएच के लिए हल वाले प्रथम क्रम तथा उच्च घात के समीकरण, क्लारेट रूप, विचित्र हल, अवकल समीकरण का ज्यामिति अर्थ, लम्बकोणीय संछेदी।

इकाई – 2

अचर गुणांक वाल रैखिक समीकरण, रैखिक समघात समीकरण, साधारण युगपथ अवकल समीकरण, पूर्ण अवकल समीकरण।

इकाई – 3

द्वितीय क्रम के रैखिक अवकल समीकरण, आश्रित चर, स्वतंत्र चर को बदल कर समीकरण का रूपांतरण, प्राचल वितरण विधि, अवकल समीकरण का श्रेणी हल, घात श्रेणी विधि, बेसल, लेजान्ड्रे तथा हायपरज्यामितिय समीकरण, बेसल, लेजान्ड्रे तथा हायपरज्यामितिय फलन हल तथा प्रगुण।

इकाई – 4

प्रथम क्रम के आंशिक अवकल समीकरण लेजान्ड्रे हल, व्यापक विधि के अतिरिक्त अन्य विधियों से हल होने वाली विशेष प्रकार की समीकरण, हल हेतु चारपीट व्यापक विधि।

इकाई – 5

द्वितीय तथा उच्च क्रम के आंशिक अवकल समीकरण, द्वितीय क्रम के रैखिक आंशिक अवकल समीकरणों का वर्गीकरण, अचर गुणाकों वाले समघात तथा असमघात समीकरण, अचर समीकरण वाले आंशिक अवकल समीकरणों में समानीत समीकरण, मोंगे विधि।

प्रश्न पत्र – III (यांत्रिकी)

इकाई – 1

समतलीय बलों के संतुलन हेतु विशलेषित प्रतिबंध, सामान्य कैटिनरी।

इकाई – 2

कल्पित कार्य, स्थायी तथा अस्थायी संतुलन, तीन विमाओं में बल, केन्द्रीय अक्ष, रेंच, नल रेखा तथा समतल।

इकाई – 3

वेग तथा त्वरण, अरीय तथा अनुप्रस्थ वेग, स्पर्श रेखीय तथा अभिलाम्बिक वेग एवं त्वरण, सरल आवर्त गति, चर बल नियमों के अधीन गति।

इकाई – 4

हुक का नियम, उर्ध्वाधर तथ क्षैतिज प्रत्यास्थ डोरियाँ, समतलीय वक्रों पर प्रतिबंधित गति, वश्तीय तथा चक्रजीय गति।

इकाई – 5

प्रतिरोधी माध्यम में गति, केन्द्रीय बल, केन्द्रीय कक्षा, च–त समीकरण, स्तब्धिका, कक्षीय समय, ग्रहीय गति हेतु केप्लर नियम।

15. PUBLIC ADMINISTRATION

Scheme :

Two Papers	Min. Pass Marks – 72	Max. Marks – 200
Paper - I	3 Hours duration	100 Marks
Paper - II	3 Hours duration	100 Marks

PAPER I : ADMINISTRATIVE INSTITUTIONS IN INDIA

3 hrs. duration **Max. Marks 100**

Note : The question paper shall contain 10 questions in all, i.e. Two questions from each unit. Each question is divided into two parts - Part-A and Part-B having 16 and 4 marks respectively. Candidate has to answer Part-A in about 5 pages and Part-B in about one page.

Unit I

Administrative Institutions in a Democratic and Socialistic Society. The concept of Laissez faire state, Welfare state and Administrative state.

Unit II

Organization of Government : Legislature - its role and decline in modern times, Executive - types and relationship with legislature, Judiciary - functions and role with special reference to the power of Judicial Review.

Unit III

Democracy and Administration : Features of Democratic Administration. Role of Bureaucracy in a Democratic country, Political parties and Pressure Groups and their interaction with each other.

Unit IV

Organisation and working of : Finance Commission, Planning Commission of India and National Development Council, University Grants Commission, Union Public Service Commission.

Unit V

Election Commission and the administration of elections in India. Organization and working of:

(I) Central Social Welfare Board. (ii) Railway Board

(iii) Reserve Bank of India (iv) National Human Rights Commission

Books Recommended

1. Waldo : Administrative State
2. Field : Government in Modern Society
3. Paranjape : Planning Commission
4. I.I.P.A. : Organization of the Government of India
5. H.C. Sharma : Prashasnik Sansthayen (in Hindi)
6. M.G. Gupta : Modern Government
7. Ashok Sharma : Bharat Mein Prashasnik Sansthayen (in Hindi)
8. Ziauddin Khan & Anter Singh : Prashasnik Sansthayen (in Hindi)
9. B.L. Fadia : Prashasnik Sansthayen (in Hindi)
10. J.C. Johari : Bhartiya Shashan Avam Rajniti (in Hindi)

PAPER II State Administration In India

3 hrs. duration Max. Marks 100

Note : The question paper shall contain 10 questions in all, i.e. Two questions from each unit. Each question is divided into two parts - Part-A and Part-B having 16 and 4 marks respectively. Candidate has to answer Part-A in about 5 pages and Part-B in about one page.

Unit I

State Administration in India : Its growing importance, General back ground of State Administration in India with special reference to the State of Rajasthan. The office of Governor - Powers, Functions and role in State Administration, relationship with Council of Ministers.

Unit II

The office of the Chief Minister : Powers, Functions, Role and importance of the office, Relationship with council of Ministers, Organization and role of the State Secretariat, Chief Secretary - Role and significance in the State Administration.

Unit III

Administrative organization of a Department: Organization and working of the Department of Home, Finance and Agriculture in Rajasthan. Organization and working of the following Boards and Directorates in the State of Rajasthan :

(a) Revenue Board
(b) New System of Electricity Administration in Rajasthan
(c) Directorate of Agriculture
(d) Directorate of College Education

Unit IV

Personnel Administration: Role of the State Civil Services in Rajasthan. Organization and working of the Rajasthan Public Service Commission. Recruitment and Training of State Civil Services. Organization and function of State Training Institutions in Rajasthan. Institution of Lokayukta.

Unit V

District Administration : Organization of District Administration, Collector - his functions and position. Powers and position of Divisional Commissioner, Revenue administration at the district level S.D.O., Tehsildar and Patwari.

Books Recommended

1. S.R. Maheshwari : State Government in India
2. S.S. Khera : District Administration in India
3. M.V. Pylee : Indian Constitution (in Hindi)
4. A.R.C. : Report on State Administration
5. H.C. Sharma : Bharat main Rajya Prashashan (in Hindi)
6. Surendra Kataria : Rajya Prashashan (in Hindi)
7. Ravindra Sharma : Rajya Prashashan (in Hindi)
8. Ramesh K. Arora & Geeta Chaturvedi : Bharat main Rajya Prashashan (In Hindi)

लोक प्रशासन

परीक्षा योजना दो प्रश्न पत्र न्यूनतम उत्तीर्णांक 72 अधिकतम – 200

प्रथम प्रश्न पत्र समय 3 घंटे अंक 100

द्वितीय प्रश्न पत्र समय 3 घंटे अंक 100

प्रथम प्रश्न पत्र – भारत में प्रशासनिक संस्थाएं

समय 3 घंटे अंक 100

नोट : प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चयन करते हुए परीक्षार्थी को कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा अ एवं ब जो क्रमशः 16 व 4 अंकों के होंगे। परीक्षार्थी को भाग अ का उत्तर लगभग 5 पृष्ठों में व भाग ब का उत्तर लगभग 1 पृष्ठ में देना होगा।

इकाई 1

प्रजातांत्रिक एवं समाजवादी समाज में प्रशासनिक संस्थाएं, अहस्तक्षेपवादी, लोककल्याणकारी एवं प्रशासकीय राज्य की अवधारणा।

इकाई 2

सरकार का संगठनः व्यवस्थापिका– उसकी भूमिका और आधुनिक युग में इसका पतन, कार्यपालिका के प्रकार व व्यवस्थापिका से सम्बन्ध। न्यायपालिका–कार्य व न्यायिक पुनरावलोकन के विशेष संदर्भ में भूमिका।

इकाई 3

लोकतंत्र व प्रशासनः लोकतांत्रिक प्रशासन के लक्षण, प्रजांत्रिक देशों में नौकरशाही की भूमिका, राजनीतिक दल व दबाव समूह तथा उसके बीच पारस्परिक अन्तःक्रिया।

इकाई 4

वित्त आयोग का संगठन व प्रशासनिक कार्यप्रणाली, भारत का योजना आयोग व राष्ट्रीय विकास परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, संघ लोक सेवा आयोग।

इकाई 5

निर्वाचन आयोग में चुनावों का प्रशासन, निम्नाकिंत का संगठन व कार्यकरणः

1. केन्द्रीय समाज कल्याण मण्डल
2. रेल्वे बोर्ड
3. भारत का रिजर्व बैंक
4. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

नोटः पुस्तकों के नाम अंग्रेजी में छपे पाठ्यक्रम के साथ संलग्न।

द्वितीय प्रश्न पत्र – भारत में राज्य प्रशासन

अवधि 3 घंटे अंक 100

नोट : प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चयन करते हुए परीक्षार्थी को कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा अ एवं ब जो क्रमशः 16 व 4 अंकों के होंगे। परीक्षार्थी को भाग अ का उत्तर लगभग 5 पृष्ठों में व भाग ब का उत्तर लगभग 1 पृष्ठ में देना होगा।

इकाई 1

भारत में राज्य प्रशासन– इसका बढ़ता हुआ महत्व, राज्य प्रशासन की सामान्य पृष्ठभूमि राजस्थान राज्य के विशेष संदर्भ में। राज्यपाल का पद– शक्तियां, कार्य व राज्य प्रशासन में भूमिका तथा मंत्रिपरिषद के साथ सम्बन्ध।

इकाई 2

मुख्यमंत्री का पद– शक्तियां, कार्य व राज्य प्रशासन में भूमिका तथा मंत्रिपरिषद के साथ सम्बन्ध। राज्य सचिवालय का संगठन व भूमिका, मुख्य सचिवः राज्य प्रशासन में उसकी भूमिका व महत्व।

इकाई 3

विभागीय प्रशासनिक संगठन– राजस्थान में गृह विभाग, वित्त विभाग व कृषि विभाग का संगठन व कार्यकरण। राजस्थान में निम्नांकित मण्डलों व निदेशालयों का संगठन व कार्यकरणः

(अ) राजस्व मण्डल (ब) राजस्थान में विद्युत प्रशासन की नवीन प्रणाली
(स) कृषि निदेशालय (द) कॉलेज शिक्षा निदेशालय

इकाई 4

कार्मिक प्रशासनः राज्य लोकसेवाओं की भूमिका, राजस्थान लोक सेवा आयोग का संगठन व कार्यकारण, राज्य लोक सेवाओं में भर्ती तथा प्रशिक्षण, राजस्थान में राज्य प्रशिक्षण संस्थानों का संगठन एवं कार्यप्रणाली, लोकायुक्त संस्था।

इकाई 5

जिला प्रशासनः जिला प्रशासन की संरचना, जिलाधीश, उसके कार्य, शक्तियां व स्थिति, संभागीय आयुक्त की शक्तियां एवं स्थिति, जिला स्तर पर राजस्व प्रशासन, उपखण्ड अधिकरी, तहसीलदार व पटवारी।

नोटः पुस्तकों के नाम अंग्रेजी में छपे पाठ्यक्रम के साथ संलग्न।

16. SOCIOLOGY

Scheme :

Two Papers	Min. Pass Marks — 72	Max. Marks – 200
Paper - I	3 Hours duration	100 Marks
Paper - II	3 Hours duration	100 Marks

Paper I- SURVEY METHODS IN SOCIAL INVESTIGATION

Unit – I

Social Research and Social Survey- Meaning, Nature, Stages and types.

Unit – II

Data, Forms and Sources. Hypothesis, Concept, type and Sources.

Unit – III

Techniques of Data Collection : Observation, Interview, Schedule & Questionnaire. Questionnaire Construction

Unit – IV

Sampling - Concept, type , importance and limitations. Case Study Method.

Unit – V

Tabular presentation of Data, Bivariate and Multivariate. Average : Mean, Mode, Medium.

Essential reading :

1. Elehance D.N.: Principles of Statistics (Hindi & English Ed.)
2. Goode & Hatt: Methods in Social Research.
3. Jahoda & Others: Research Method in Social Relation.
4. Moser, C.A.: Survey Method in Social Investigation (English & Hindi Ed.)
5. P.V. Young. : Scientific Social Survey and Research (English & Hindi Ed.)

PAPER II- SOCIAL PROBLEMS IN CONTEMPORARY INDIA

3 hrs. Duration **Max Marks : 100**

Note : The question paper shall contain 10 questions in all, i.e.

two questions from each unit, Each questions is divided into two parts- Part A and Part B having 16 and 4 marks respectively. Candidate has to answer part A in about one page.

Unit – I

Social Problem: meaning, concept and types. Crime and Delinquency: meaning, causes, types, theories and remedies.

Unit – II

Population Problem, Population Education and programmes of control. Population Control -measures, causes for success and failure.

Unit – III

Problem of Youth, Drug Abuse and AIDS, Problems of Women in India. Women Empowerment, Infanticides.

Unit – IV

Poverty, Unemployment and Illiteracy :causes forms and remedies. Human rights and Social Problems.

Unit – V

Social Problems of special groups in India-The Scheduled castes, Scheduled Tribes and Other Backward classes. Problems of Minorities and Communalism.

Essential Readings:

Ahuja Ram. : Social Problems in India, Jaipur, Rawat.

Beteille, Andre. 1974. : Social Inequality, New Delhi, Oxford University Press.

Beteille, Andre. 1992. : Backward Classes in Contemporary India, New Delhi,
Oxford University press.

Berreman, G.D.1979. : Caste and other Inequalities: Essay in Inequality.
Meerut, Folklore Institute.

Guha, Ranjit, 1991. : Subaltern Studies, New York: Oxford University Press.

Kothari, Rajni (Ed)1973. : Caste in Indian Politics

Madan, G.R. : Social Problems in India.

Madan, T.N. 1991. : Religion in India, New Delhi, Oxford University Press.

16. समाज शास्त्र

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72		अधिकतम–200
प्रथम प्रश्नपत्र	समय 3 घण्टे	अंक 100	
द्वितीय प्रश्नपत्र	समय 3 घण्टे	अंक 100	
समय 3 घण्टे	अंक		

प्रथम प्रश्नपत्र–सामाजिक अन्वेन्षण में सर्वेक्षण पद्धतियाँ

नोटः– प्रश्नपत्र में कुल 10 प्रश्न होगें, प्रत्येक ईकाई से 2 प्रश्न पूछे जायेगें। प्रत्येक ईकाई से एक प्रश्न चयन करते हुए परीक्षार्थी को कुल 5 प्रश्न हल करने होगें। प्रत्येक प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा 'अ' व 'ब' जो क्रमशः 16 व 4 अंको के होगें । परीक्षार्थी को भाग 'अ' का उत्तर लगभग 5 पृष्ठों में व भाग 'ब' का उत्तर लगभग 1 पृष्ठ में देना होगा।

ईकाई–I

सामाजिक अनुसंधान तथा सामाजिक सर्वेक्षण : अर्थ, प्रकृति, चरण एवं प्रकार।

इकाई – II

तथ्य : प्रकार एवं स्त्रोत । प्राक्कल्पना – अवधारणाए प्रकार एवं स्त्रोत।

इकाई – III

तथ्य संकलन की प्रविधियां : अवलोकन, साक्षात्कार, अनुसूची तथा प्रश्नावली। प्रश्नावली निर्माण।

इकाई – IV

निदर्शन – अवधारणाएं, प्रकार एवं महत्व एवं सीमाएं। वैयक्तिक अध्ययन पद्धति।

इकाई – V

तथ्यों का सारणीमय प्रदर्शन : द्विविमा तथा बहुविमा । औसत : माध्य, बहुलक, माध्यिका।

द्वितीय प्रश्नपत्र–समकालीन भारत में सामाजिक समस्याऐं

समय – 3 घण्टे **अधिकतम अंक 100**

नोटः प्रश्नपत्र में कुल 10 प्रश्न होगें, प्रत्येक ईकाई से 2 प्रश्न पूछे जायेगें । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चयन करते हुए परीक्षार्थी को कुल 5 प्रश्न हल करने होगें । प्रत्येक प्रश्न दो भागों में विभाजित होगा 'अ' एवं 'ब' जो क्रमशः 16 व 4 अंको के होगें। परीक्षार्थी को भाग 'अ' का उत्तर लगभग 5 पृष्ठों में व भाग 'ब' का उत्तर लगभग 1 पृष्ठ में देना होगा।

ईकाई–I

सामाजिक समस्याएं : अर्थ, अवधारणा तथा प्रकार। अपराध तथा बाल अपराध : अर्थ, कारक, प्रकारए सिद्धान्त तथा उपाय।

इकाई – II

जनसंख्या समस्याए जनसंख्या शिक्षा तथा नियन्त्रण के कार्यक्रम। जनसंख्या नियन्त्रण उपाय की सफलता तथा विफलता के कारण ।

इकाई – III

युवावर्ग की समस्याएं, मादक द्रव्यों का दुरूपयोग तथा एड्स । भारत में महिलाओं की समस्याएं, महिला सशक्तिकरण तथा भ्रूण हत्या।

इकाई – IV

गरीबी, बेरोजगारी तथा अशिक्षा : कारक, प्रकार तथा उपाय। मानव अधिकार तथा सामाजिक समस्याएं

इकाई – V

भारत में विशिष्ट समूहों की सामाजिक समस्यायें– अनुसूचित जातियां, अनुसूचित जनजातियां एवं अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों तथा सम्प्रदायवाद की समस्या ।

17. HOME SCIENCE

Scheme	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks	Period Per Week
Theory Paper I	3 hrs.	75	27	3
Theory Paper II	3 hrs.	75	27	3
Practical batch	3 hrs.	25+25=50	9+9=18	2period/week/pratical/

Paper I : Foods and Nutrition

Duration : 3 hrs. Max.Marks: 75

UNIT - I

1. Proteins, Carbohydrates and fat : elementary knowledge of their composition, classification, functions, daily allowances, sources and effect of deficiency.

2. Energy Metabolism : Basal metabolic Rate, Factors affecting energy requirement for different categories according to work, physiological state etc.
3. Water Balance.

UNIT - II

4. Minerals - Functions, daily allowances, effect of deficiency and excess and food sources of Calcium, Phosphorus, Iron, Iodine. Flourine and Sodium.
5. Vitamins- Functions, daily allowances, food sources, effect of deficiency and excess of fat soluble vitamin A & D and water soluble vitamin B1. B2 niacin, folic acid and Vitamin C.

UNIT - III

6. Meal Planning.

(i) Recommended dietary allowances of nutrients for various age groups.

(ii) Advantages of meal planning and factors to be considered while planning meals.

(iii) Meal planing for different age groups and vulnerable groups.

UNIT - IV

7. Therapeutic Nutrition :

(i) Purpose of diet therapy.

(ii) Causes, Symptoms and dietary modification in -

a. Constipation and diarrhoea.

b. Overweight and underweight. c. Acute fevers

d. Peptic ulcer e. Diabetes

f. Hypertension g. Hepatitis

UNIT - V

8. Food Preservation, factors contributing to food spoilage and principles and technique used in various methods of preservation used at home level.
9. Food adulteration:

Definition, common adulterants present in foods and methods of detection at home level.

10. Food hygine and Sanitation.

प्रथम पत्र – खाद्य एवं पोषण (सैद्धान्तिक)

समय 3 घण्टे पूर्णांक –75

नोटः– प्रत्येक प्रश्न पत्र में प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न लेते हुए कुल दस प्रश्न होंगे। विधार्थी को प्रत्येक इकाई में से कम से कम एक प्रश्न करते हुए कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – 1

1. प्रोटीन्स, कार्बोहाइड्रेटस और वसा – इनका संगठन, वर्गीकरण, कार्य, दैनिक आवश्यकता, प्राप्ति साधन और कमी के प्रभाव का सामान्य अध्ययन ।
2. ऊर्जा चयापचय – आधारीय चयापचय दर, ऊर्जा की आवश्यकता को प्रभावित करने वाले कारक, शारीरिक स्थिति एवं कार्य के अनुसार आवश्यकता में विभिन्नता।
3. जल संतुलन

इकाई – 2

4. खनिज लवण–कार्य, दैनिक आवश्यकता, कमी व अधिकता का प्रभाव, कैल्शियम, फास्फोरस, लोहा, आयोडीन, लोरीन और सोडियम के स्त्रोत ।
5. विटामिन – कार्य, दैनिक आवश्यकता, प्राप्ति साधन, कमी और अधिकता का प्रभाव, वसा में घुलनशील विटामिन ए तथा डी और जल में घुलनशील विटामिन बी1 बी2 नियासिन, फोलिक अम्ल और विटामीन सी।

इकाई – 3

6. आहार नियोजन

   i. विभिन्न आयु वर्ग के लिए प्रस्तावित पोषक तत्वों की आहारीय मात्राएं ।

   ii.आहार आयोजन के लाभ और आहार आयोजन करते समय ध्यान रखने वाले कारक।

   iii. विभिन्न आयु वर्ग और भेद्य वर्ग के लिए आहार आयोजन।

इकाई – 4

7. उपाचारात्म्क आहार

   i. आहारीय उपचार के उद्देश्य

   ii.निम्न के कारण, लक्षण और आहारीय परिवर्तन

   अ. कब्ज और अतिसार ब. अतिभार और अल्पभार स. बुखार

   द. पेप्टिक व्रण (घाव) य. मधुमेह फ. उच्च रक्तचाप ग. हेपेटाईटिस

इकाई – 5

8. खाद्य परिरक्षण, भोजन खराब होने में सहायक कारक, खाद्य परिरक्षण के सिद्धान्त और तकनीक, घरेलू स्तर पर खाद्य परिरक्षण की विधियाँ।

9. भोजन में उपस्थित सामान्य मिलावट और घरेलू स्तर पर जांचने की विभिन्न विधियां
10. खाद्य आरोग्य एंव स्वच्छता

PAPER II - TEXTILE AND LAUNDRY

Duration: 3 hrs. Max. Marks. : 75

UNIT - I

1. Textile Fibers:
   (a) Classification of Textile Fibers.
   (b) General properties of Textile Fibers.
2. Natural Fibers - Origin, manufacture, properties, their importance to consumer and storage of Cotton, Linen, Silk Wool.
3. Man-made fibers: Properties, their importance to consumer and storage of Rayon, Nylon, Polyester, Orlon.

UNIT - II

Construction of Yarn and Fabric :

4. Meaning of - Weaving, Knitting, Felting, Warp, Weft selvedge, and count of cloth.
5. Yarn construction -
   (a) Different methods of spinning (b) Different types of yarns.
6. Weaving -
   (a) Loom and its parts.
   (b) Different types of weaving - Plain, Twill, Satin and Sateen, Pile and Jacqquard.

UNIT - III

7. Finishing Meaning
   (a) Objectives of Finishing
   (b) Different methods of finishing : Bleaching, sizing, tentering, mercerising, calendering, embossing, napping, shrikage-control, water proofing, fire resistent, moth proofing and permanent press.
8. Dyeing
   (i) Different types of dyes
   (ii) Different types of dyeing process
   (iii) Method of dyeing.
9. Printing : Different methods of printing : Block, Screen Roller, Resist, Discharge and Stencil.
10. Elementary knowledge of traditional weaving and embroderies of India- Brocades, Kashmiri Embroideries, Phulkari of Punjab, Kantha of Bengal, Patola of Gujrat, Chickankari of U.P.

UNIT - IV

11. Selection of fabrics for various uses in the Home. Garments (For children, women and man).

Household linen, furnishing : bedsheets, curtains, carpets, towels etc. by keeping view of the following factors : Climate, comfort, utility, occassion, personality, buget, fashion, fibre weave, finish, colour and design activity, age & sex.

UNIT - V

Laundry -

(i) Laundry - Principles and methods.
(ii) Laundry equipment - washing, drying finishing and storing.
(iii) Water - soft and hard water, methods of making water soft for Laundry purpose.
(iv) Soap - manufacturing process of soap, qualities of good soap, detergents- Importance and use- other agents used for washing.
(v) Stifening agent, blueing agents, bleaches, greases solvents, absorbants and softness.
(vi) Stain removal - Meaning, classification and methods.

प्रश्न पत्र द्वितीय : वस्त्र विज्ञान एवं धुलाई

समय 3 घण्टे पूर्णांक –75

नोटः– प्रत्येक प्रश्न पत्र में प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न लेते हुए कुल दस प्रश्न होंगे। विधार्थी को प्रत्येक इकाई में से कम से कम एक प्रश्न करते हुए कुल पांच प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – 1

1. वस्त्रोपयोगी रेशे
   अ. वस्त्रोपयोगी रेशों का वर्गीकरण ब. वस्त्रोपयोगी रेशों के सामान्य गुण
2. प्राकृतिक रेशे– कपास, लिनन, रेशम एवं ऊन के उद्गम, निर्माण–प्रक्रिया, विशेषताएं एवं उपभोक्ता के लिए इनका महत्व एवं सरंक्षण।
3. मानवकृत रेशे – रेयान, नायलॉन, पोलिस्टर, आरलॉन की विशेषताए, उपभोक्ता के लिए इनका महत्व एवं संरक्षण।

इकाई – 2

1. धागे एवं कपड़े का निर्माण – रेशे की बुनाई (विंविंग) निटिंग, फेल्टिंग, नमदा ताना, बाना, किनारी (सेलवेज) कपडे की गणना।
2. धागे का निर्माण – (अ) कताई के विभिन्न तरीके (ब) धागों के विभिन्न प्रकार
3. बुनाई (अ) करघा एवं उसके भाग (ब) विभिन्न प्रकार की बुनाई– सादी, ट्विल, साटिन, सैटिन, पाइल, जेकार्ड।

इकाई – 3

1. परिसज्जा– अर्थ

(अ) परिसज्जा के उद्देश्य (ब) परिसज्जा की विभिन्न विधियां– विरंजन, कड़ा करना, टेन्टरिंग मर्सराइजिंग कैलेडरिंग, नक्काशी करना, रोऐ उठाना, सिकुडन–रोधी परिसज्जा, जलमेद्य, अज्जवलशील परिसज्जा, कीटरोधी, स्थायी इस्त्री ।

2. रंगाई – (अ) विभिन्न प्रकार के रंग
   (ब) रंगाई की विधियाँ (स) रंगाई की प्रक्रिया
3. छपाई– छपाई के विभिन्न प्रकार, ब्लाक, स्क्रीन, रोलर द्वारा, अवरोधी, डिस्चार्ज एवं

स्टेन्सिल ।

4. भारत की परम्परागत कढ़ाई और बुनाई का प्रारम्भिक ज्ञान– ब्रोकेड, कश्मीरी कढ़ाई, पंजाब की फुलकारी, बंगाल का कांथा, गुजरात का पटोला, उत्तर प्रदेश की चिकनकारी।

इकाई – 4

घर के प्रयोग में आने वाले विभिन्न वस्त्रों का चयन, परिधान (बच्चों, महिला, पुरुष), घरेलू लिनन एवं साज सज्जा हेतु चादरें, पर्दे, कालीन, तौलिये इत्यादि प्रयुक्त वस्त्रों हेतु आवश्यक कारक : जलवायु आरामदायक उपयोगिता, अवसरानुसार, व्यक्तिनुसार, उम्र, लिंग, कार्य, बजट, फैशन, बनावट, रंग, डिजाइन आदि ।

इकाई – 5

1. धुलाई–सिद्धान्त एवं विधियां
2. धुलाई उपकरण – धुलाई, सुखाने, परिसज्जा, एवं संग्रहण सम्बन्धी ।
3. जल – मृदु एंव कठोर जल, कठोर जल को धुलाई कार्य के लिए मृदु बनाना ।
4. साबुन–साबुन बनाने की विधियां, अच्छे साबुन के गुण, अपमार्जक–महत्व एवं उपयोगिता।
5. कडापन देने वाले पदार्थ, नील, विरंजन, चिकनाई विलायक एवं अवशोषक एवं वस्त्रों को मृदुकारक करने वाले प्रमिकर्मक ।
6. धब्बे छुडाना – अभिप्राय, वर्गीकरण एवं विधियां ।

Reference:

1. M. Swaminathan : Principles of nutrition and dietetics
2. I.C.M.R. : Nutritive value of Indian Foods.
3. I.C. M.R. : Nutritive requirements for Indians
4. C.H. Robinson : Normal and Therapeutic nutrition
5. Narayan Sudha : "Aahar Vigyan" research publication Jaipur.
6. Dantyagi, Sushila : Fundamentals of Textiles and their care orient Longmans, Bombay.
7. Daulkar, Durga : A guide to household textile and laundry work, Atma Ram & Sons, New Delhi.
8. Isabel B. Wingtage : Textile fibres and their selection Prentice Hall Inc. Englewood, Chiff, N. Jersy.
9. Hess, Katherine : Textile fibres and their uses - Oxford & IBH Publishing House, New Delhi.
10. Mathews, Mary : Practical clothing construction - Part I cosmic press, Madras.

PRACTICALS

Total No. of periods per week - 2/batch/practical

Practical I - MEAL MANAGEMENT

Duration - 3 hrs. Max. Marks - 25 Min.Marks - 09

1. Planning, Preparation and serving of meals Breakfast, Lunch Tea and Dinner for sedentary, moderate and heavy worker.
2. Planning, preparation and serving of all the meals for pregnant and

lactating mother.
3. Planning, preparation and serving of all the meals for preschool child, adolescent and old age person.
4. Planning, preparation and serving of meals at low cost, moderate cost and liberal (high) cost.
5. Planning, preparation and serving of meals for special occassion-
   (a) Birthday party (b) Festival (c) Jounney
   (d) Tea, Lunch and dinner parties of other Occasions.
6. Planning, preparation and serving of meals requiring Special diets in:
   (a) Fever (b) Constipation (c) Diarrhoea
   (d) Peptic Ulcer (e) Obesity (f) Diabetes

गृह विज्ञान – प्रायोगिक (प्रथम)

आहार नियोजन

समय 3 घंटे पूर्णांक– 25

1. हल्का, साधारण एवं भारी कार्य करने वालों का सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन, शाम की चाय एवं रात्रि का भोजन के लिए आयोजन, तैयारी एवं परोसना।
2. गर्भवती एवं धात्री माता के लिए सभी आहारों का आयोजन, तैयारी एवं परोसना
3. पूर्व–विद्यालय बालक, किशोर एवं वृद्ध व्यक्तियों हेतु सभी आहारों का आयोजन, तैयारी एवं परोसना।
4. कम लागत, मध्यम लागत, अत्यधिक लागत के आहारों का आयोजन, तैयार करना एवं परोसना।
5. विशेष अवसरों हेतु आहार, आयोजन, तैयारी एवं परोसना
   अ. जन्म दिवस समारोह ब. त्यौहार स. यात्रा
   द. अन्य अवसरों पर चाय, दोपहर एवं रात्रि भोजन समारोह
6. विशेष आहार की आवश्यकता हेतु भोजन, आयोजन, तैयारी, एवं परोसना
   अ. बुखार (तापमान) ब. मलबद्धता (कब्ज) स. अतिसार
   द. पेप्टिक व्रण (घाव) य. मोटापे में र. मधुमेह

टिप्पणी :– आहार आयोजन के समय, समय योजना, बाजार आदेश, लागत एवं परोसने के समय मात्रा पर अधिक जोर दिया जाना चाहिये ।

Practical II - TEXTILE AND CLOTHING

Duration - 3 hrs. Max. Marks - 25 Min.Marks - 09

(A)

1. Simple hand stitches 2. Seams, Darts, Pleats and Gathers
3. Fasteners 4. Basic weaves- simple, twill, satin, sateen

(B) Drafting, Cutting, Stitching and Finishing of following garments: Jhabla, Baby frock, A Line frock and Gathered frock

(C) To make one Embroidered household article showing different stitches (atleast 4)

(D) To make one decorative article of Block/ Stencil/ Spray Printing and Tie & Dye

वस्त्र विज्ञान एवं सिलाई कला

प्रायोगिक द्वितीय समयः 3 घंटे पूर्णांक : 25

अ. (1) हाथ के साधारण टांके (2) सींवन, डार्ट, प्लीट, चुन्नटें
(3) बंधक (4) साधारण बुनाइयां (साधारण, टविल, साटिन, सेटिन)

ब. निम्नलिखित परिधानों की आरेखन, कटाई, सिलाई एवं फिनिषिंग–झबला, बेबीफ्राक, ए लाइन फ्राक एवं चुन्नट दार फ्राक

स. कोई एक कषीदाकारी का नमूना (किन्हीं चार टांको को दर्षाते हुए)

द. कोई एक सजावटी छपाई का नमूना –ब्लाक छपाई/स्टेन्सिल/स्प्रे छपाई एंव बंधेज

Distribution of Marks:

PRACTICAL - I

Meal Management:

1. Sessional and file	10 (5+5)
2. Meal planning (1 Hour)	02
3. Prepare Two dishes,	10 (5+5)
4. Table management, service & cleaning	03
Total	25

Note: While planning the stress should be laid on the time plan, market order, cost and number and size of serving.

PRACTICAL - II

Textile and Clothing:

1. Sessional and file	10
2. Drafting, cutting, stitching and finishing of one garment	10
3. Embroidery / Printing pattern/ Tie & Dye	05
Total	25
Grand Total (Practical I & II) (25+25) =	50

18. DRAWING & PAINTING

Scheme:

Paper	Duration	Max. Marks	Min Marks
Paper I (Theory) History of Indian Painting	3 hrs.	80	29
PaperII (Practical) Portrait Painting (Bust)	3 hrs.	50	18
PaperIII(Practical) Rendering of Portrait	5 hrs.	50	18
Submission of Practical works	20	07	

Paper I (Theory) History of Indian Painting

Unit-I

Pre-Historic Indian Art, Ajanta, Jain style.

Unit-II

Rajasthani Painting (Mewar, Marwar, Hadoti, Dhundhar),Mughal Style Painting, Pahari School- Kangra and Basohli.

Unit-III

Patna School, Raja Ravi Verma, Renaissance Period of Bengal School-Abanindra Nath Thakur, Nandlal Bose, Gagnendra Nath Thakur, Rabindra Nath Tagore, Amrita Sher Gill.

Unit-IV

M.F. Hussain, N.S. Bendre, K.K. Habber, Ramgopal Vijayvargia, Goverdhan Lal Joshi, Devki Nandan Sharma, Bharat Singh Shekhawat.

Unit-V

B.C.Gue, R.V. Sakhalkar, Kirpal Singh Shekhawat, P.N. Choyal, Mohan Sharma, Ram Jaiswal. Shuresh Sharma.

Books Recommended:

1. Trends in Indian Painting — M.Kaul
2. भारतीय चित्रकला — डॉ. अविनाश बहादुर वर्मा
3. कला विकास — डॉ. आर.ए. अग्रवाल
4. History of Indian Painting — Percy Brown
5. आभार — राजस्थान ललित कला अकादमी
6. जीवन वृत प्रकाशन केन्द्रीय एवं राजस्थान ललित कला अकादमी
7. भारतीय चित्रकला का इतिहास — डॉ. प्रेमचन्द गोस्वामी
8. भारतीय चित्रकला एवं मूर्तिकला का इतिहास — डॉ. रीटा प्रताप

PaperII (Practical) Portrait Painting

Duration: 5hrs. Max.Marks: 50 MinPass Marks: 18

The examination shall have two sessions of 2½ hours each with a break of 30 minutes in between.

size: ½ imp

Medium: Water Colour, Tempera or Oil.

A model (Male or Female- age 20 to 50 years) should be arranged against drapery background with simple folds, study should represent an impressionistic image of the model with proper handling of medium, colour and technique with correct drawing and effect of light and shade.

PaperIII (Practical) RENDERING OF PORTRAIT

Duration: 5hrs. Max.Marks: 50 MinPass Marks: 18

Note:- The examination shall have two sessions of 2½ hours each with

a break of 30 minutes in between.
size: ½ imp
Medium: Water colour ,tempera or oil colour

Distortion (Rendering) Should be depend on Portrait Painting Practical Paper-II

Submission of Practical works

Every Candidate will have to submit the following work one month before the commencement of the annual examination.

Ten Plates of the work (5 plates of portrait painting-Practical paper II and 5 plates of ' rendering of portrait'-practical paper III) done during the session.

A sketches Book of not less 100 Sketches size ¼ Imperial of human figure, animals, landscapes etc. in pencil, ink and water colour.

Note: Submission work will be submitted to the head of Department of Drawing & Painting of the College one month before the commencement of Examination.

The Marks of the submission work will be awarded internally by the Head of the Department. Submission Work will be returned after the Practical Examination to the candidates from the department thereafter, if no claim is made with in one month of the practical Examination the' submission' will be destroyed.

Candidate should pass in theory as well as in practical paper separately

There should be minimum 12 periods for the regular study in a week.(4 periods for the theory and 8 period for practical) including 2 periods for Sketching. (1 period = 1hrs.)

Practical Examination will be conducted at the department. An External examiner will examine the answer sheets in consultation with an internal examiner who is the subject teacher of the department of Drawing & Painting.

Practical Paper II & III will be evaluated separately. It is compulsory to pass in every paper separately including submission of work.

The Department should also arrange for an educational tour to ancient art centers like. Ajanta, Ellora, Elephanta, Khajuraho, National Gallery of Modern Art New Delhi and to fine art institution in other cities of the country.

18. चित्रकला

योजना

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक) भारतीय चित्रकला का इतिहास

समयः 3 घण्टे अधिकतम अंकः 80 न्यूनतम उतीर्णांकः 29

द्वितीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) पोट्रेट पेन्टिग (जीवन अध्ययन)

समयः 5 घण्टे अधिकतम अंकः 50 न्यूनतम उतीर्णांकः 18

तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) प्रायोगिक अनुअंकन

समयः 5 घण्टे अधिकतम अंकः 50 न्यूनतम उतीर्णांकः 18
सत्रीय प्रायोगिक कार्यः अधिकतम अंकः 20 न्यूनतम उतीर्णांकः 07

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धान्तिक) भारतीय चित्रकला का इतिहास

इकाई प्रथम

प्रागैतिहासिक भारतीय चित्रकला, अजंता की चित्रकला, जैन शैली।

इकाई द्वितीय

राजस्थानी चित्रकला (मेवाड़, मारवाड़, हाड़ौती, ढुंढ़ाड़), मुगल चित्रकला, पहाड़ी चित्रकला–कांगड़ा, बसौली।

इकाई तृतीय

पटना स्कूल, राजा रवि वर्मा, पुनरुत्थान काल (बंगाल स्कूल) अवनिन्द्र नाथ ठाकुर, नन्दलाल बसु, गगनेन्द्र नाथ ठाकुर, रविन्द्र नाथ टैगोर, अमृता शेरगिल।

इकाई चतुर्थ

एम.एफ. हुसैन, एन.एस. बैन्द्रे, कै.के. हैबर, श्री रामगोपाल विजयवर्गीय, भूरसिंह शेखावत, गोवर्धन लाल जोशी, देवकीनन्दन शर्मा।

इकाई पंचम

बी.सी. गुई, कृपाल सिंह शेखावत, र.वि. साखलकर, पी.एन.चोयल, मोहन शर्मा, राम जैसवाल, सुरेश शर्मा।

पठनीय पुस्तकें

1. Trends in Indian Painting — M.Kaul
2. भारतीय चित्रकला — डॉ. अविनाश बहादुर वर्मा
3. कला विकास — डॉ. आर.ए. अग्रवाल
4. History of Indian Painting — Percy Brown
5. आभार — राजस्थान ललित कला अकादमी
6. जीवन वृत प्रकाशन केन्द्रीय एवं राजस्थान ललित कला अकादमी
7. भारतीय चित्रकला का इतिहास — डॉ.प्रेमचन्द गोस्वामी
8. भारतीय चित्रकला एवं मूर्तिकला का इतिहास — डॉ. रीटा प्रताप

द्वितीय प्रश्न पत्रः (प्रायोगिक) पोट्रेट पेन्टिंग (व्यक्ति चित्रण)

अवधिः 5 घण्टे अधिकतम अंकः 50 न्यूनतम उतीर्णांक : 18

परीक्षा दो सत्रों में सम्पन्न होगी। प्रत्येक सत्र 2½ घण्टे का होगा तथा दोनों सत्रों के मध्य 30 मिनट का मध्यान्तर रहेगा।

आकार : ½ इम्पीरियल

माध्यमः– जल रंग–तैल रंग अथवा टेम्परा

बाह्य परीक्षक की सहमति के आधार पर मॉडल (स्त्री / पुरुष 20 से 50 वर्ष) पृष्ठभूमि में बाह्य परीक्षक एवं आन्तरिक परीक्षक की सहमति से अनुकूल रंग का पर्दा साधारण सलवटों के साथ टांगेंगे तथा अग्रभूमि में अध्ययन हेतु मॉडल स्थित करेंगे। अध्ययन सही आकार रंग, माध्यम के अनुकूल प्रयुक्ति करण के साथ प्रभाववादी यथार्थ प्रस्तुतीकरण हो।

तृतीय प्रश्न पत्रः (प्रायोगिक) अनुअंकन

परीक्षा दो सत्रों में सम्पन्न होगी। प्रत्येक सत्र 2½ घण्टे का होगा तथा दोनों सत्रों के मध्य 30 मिनट का मध्यान्तर रहेगा।

पूर्णांकः 50 न्यूनतम उतीर्णांक : 18 समयः 5 घण्टे

आकार : ½ इम्पीरियल

माध्यमः– जल रंग–टेम्परा अथवा तैल रंग

यह अनअंकन प्रश्न पत्र द्वितीय में प्रस्तुत पेटिंग की सृजनात्मक पुनराभिव्यक्ति होगी, अभिव्यक्ति में आकार पुनर्संरचना (डिस्टॉर्शन) रंग योजना, माध्यम चरित्र, रेखा, टेक्शचर इत्यादि का अनुकूल प्रयोग वांछित होगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुति अधिकतम अंकः 20 न्यूनतम अंकः 08 अंक

आकार : ¼ इम्पीरियल की 100 पृष्ठों की एक अभ्यास पुस्तिका

सत्रीय कार्यः प्रत्येक परीक्षार्थी को वार्षिक परीक्षा दिनांक घोषित होने के एक माह पूर्व प्रस्तुत करना होगा। विभागाध्यक्ष सत्रीय कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन करेगा। सत्र में किये गये अभ्यास कार्य के दस चित्र (पांच चित्र प्रश्न पत्र– II एवं पांच चित्र प्रश्न पत्र– III के एवं एक सौ पृष्ठों की) इम्पी.आकार पशु, मानव मुख, गली दृश्यांकन इत्यादि के अध्ययन एवं सृजनात्मक '' रेखांकन'' (पेंसिल इंक मोनोकोम) प्रस्तुत करेगा। पोट्रेट पेंटिंग के सत्रीय कार्य में पेंसिल में एक मोनो क्रोम में व शेष सम्पूर्ण रंग में हो।

सत्रीय कार्य प्रस्तुति प्रायोगिक परीक्षा समापन होने के बाद परीक्षार्थी को वापस लौटा दी जायेगी। सत्रीय कार्य प्रस्तुत ना करने वाले परीक्षार्थी को प्रायोगिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जायेगा। यदि निश्चित समय तक छात्र उसे वापस लेने नहीं आता तो प्रायोगिक परीक्षा आयोजन के एक माह बाद सत्रीय कार्य को नष्ट कर दिया जायेगा। परीक्षार्थी को तीनों प्रश्न पत्रों एवं सत्रीय कार्य में पृथक–पृथक उत्तीर्णांक लाना अनिवार्य है। सभी प्रायोगिक परीक्षाओं में बाह्य परीक्षक,आन्तरिक परीक्षक की सहमति से मूल्यांकन करेगा। प्राचार्य आन्तरिक परीक्षक की नियुक्ति विभागाध्यक्ष द्वारा नाम की प्रस्तुति पर आधार पर करेगा। प्रत्येक विभाग सत्र में कम से कम एक बार किसी कला केन्द्रों पर यथा अजन्ता, एलोरा, ऐलीफेन्टा, खुजराहो, राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा पर शैक्षणिक यात्रा पर ले जाना चाहिये।

19. INDIAN MUSIC
(Vocal and Instrumental)

Scheme	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks	Period Per Week
Theory Paper	3 Hrs.	80	29	3 Hrs.
Practical Paper - I	25 Min.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper - II	45 Min.	80	29	6 Hrs.

THEORY PAPER-I

Note : Theory paper will contain 10 questions having two questions from each unit. The candidates are required to attempt 5 questions in all, selecting one question from each unit.

UNIT – I

1. Study of the theoretical details of following ragas and their comperative study.
(i) Bihag (ii) Des (iii) Bageshwari (iv) Rageshwari (v) Ahir – Bhairav (vi) Jounpuri (vii) Hamir (viii) Kedar (ix) Malkonsh (x) Bhimpalasi
2. Writing of notations of Songs (Bandish), Gat

UNIT – II

1. Writing of following Talas in notation with Dugun and Chaugun.
(i) Ada- Choutal (ii) Panjabi Treetal (iii) Jhaptal (iv) Roopak (V) Dhamar
2. Definition of the following :
(i) Margi and Deshi Sangeet, (ii) Gandharva and Geeti gan (iii) Avartan and Vibhag (iv) Sah – Shabd and Nih- Shabad Kriya.

UNIT – III

1. Definition and marits and demerits of Gayak, Vadak and Vaggayakar.
2. Detailed study of Gram – Moorchhana.

UNIT – IV

1. General Knowledge of "Ravindra Sangeet".
2. Knowledge of popular Music composition of Karnatika Music.
(i) Varnam (ii) Kriti (iii) Jawali (iv) Padam (v) Tillana.

UNIT – V

1. Brief Knowledge of following folk dances: Kalbelia, Ghoomar, Bhawai, Garba, Dandia, Bhangra, Gidda,Lawani, Bihu, Baul.
2. Detail Study of "Staff Notation System.".

THEORY PAPER-II

Note : Theory paper will contain 10 questions having two questions from each unit. The candidates are required to attempt 5 questions in all, selecting one question from each unit.

Unit – I

1. Introduction and Contribution of the following Granths and Granthkaras.
(i) Bharat – Natya Shastara
(ii) Sharangdav – Sangeet Ratnakar.
(iii) Matang – Brihadeshi
(iv) Ahabal – Sangeet- Parijat.
2. Classification of instruments.
Tatvadya, Sushirvadya, Ghanvadya, Avnadhvadya

Unit – II

1. General Knowledge of Rag- Lakshan, Swasthan- niyam , Avirbhav-Tirobhav, Alpatv- Bahutva, Ragalap- Roopkalap.
2. Description of Indian Taal Saystem with Ten Pranas.

Unit- III

1. Place of Music in fine arts.
2. Life scetches of following musicians: Lalmani Mishra, Pt. Bhatkhande, Acharya Brihaspati, Ali Akbar Khan, Alla – Rakha- Khan.

Unit- IV

1. Origin and development of Natation system (In the context of Indian Music)
2. Detail study of Vrinda- Gan of Vadya- Vrinda in Indian Music.

Unit V

1. Stage performance in Indian Music.
2. Impact of folk music on Classical Music.
3. Religion and Music.
4. Role of Music in National integration.

PRACTICAL PAPER – I

1. Study of the following Rages :-
(1) Bihag (2) Desh (3) Bageshree (4) Bhimpalasi
(5) Malkouns (6) Rageshree (7) Hameer (8) Kedar (9) Ahirbhairav
(10) Jounpuri. 20
(a) Intensive Study of any one Raga as choice Ragas covering Vilambit and Drutkhayals / Gats in any of above Ragas. 5
2. (b) Laxana geets, Sargam Geets in all above mentioned Ragas. 5
3. Five Alankaras in the notes of That Bhairav, Marva and Kafi.Study of the following Talas :-
(1) Adachoutal (2) Dhamar (3) Punjabi Trital (4) Roopak
(5) Jhaptal 5
4. Ability to sing/play any written notation on the black board.

PRACTICAL PAPER – II

1.Study of the following Rages :-
(1) Bihag (2) Desh (3) Bageshree (4) Bhimpalasi
(5) Malkouns (6) Rageshree (7) Hameer (8) Kedar (9) Ahirbhairav
(10) Jounpuri
(a). Three Vikambit Khayals / Maseet khani Gats in any of the above mentioned Ragas. 30
(b) Madhyalaya Khayals /Rajakhani Gats with Aalap, Tana/ Toras in any four Ragas. (not covered in clause -a) 15
2. Study of one Dhrupad or Dhamar with Dwigun, Tigun and Chougun / Study of one Madhyalaya gats in Talas other then trital. (for instrumental music) 10
3. Study of Trivat/ Tarana/ Bhajan/ Gazal/ Folk song/ patriotic song (one from each.)/ Dhun (for Instrumental Music) 10
4. Ability to Demonstrate (Orally by giving Tali and Khali on hand) in following Talas.
(1) Adachoutal (2) Dhamar (3) Punjabi Trital (4) Roopak
(5) Jhaptal 5

भारतीय संगीत (कंठ और वाद्य)

योजना अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक		कालांश प्रति सप्ताह
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र	3 घंटे	80	29	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम	25 मिनिट	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय	45 मिनिट	80	29	6 घंटे

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम :

नोट – इस प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न होंगे। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुये कुल 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

ईकाई – 1

1.निम्नलिखित रागों का षास्त्रीय एवं तुलनात्मक अध्ययन –

1. बिहाग 2. देस 3. बागेश्वरी 4. रागेश्वरी 5. अहीर भैरव 6. जौनपुरी 7. हमीर 8. केदार 9. मालकौंस

2. पाठ्यक्रम की बंदिषो/गतों को स्वरलिपि सहित लिखना।

ईकाई –2

1. निम्नलिखित तालों का ठेका, दुगुन एवं चौगुन सहित लिखना –

1. आड़ा चौताल 2. पंजाबी त्रिताल 3. झपताल 4. रूपक 5. धमार।

2. निम्नलिखित की परिभाशाएँ –

1. मार्गी एवं देशी संगीत 2. गंधर्व एवं गीतिगान 3. आवर्तन एवं विभाग 4. सः शब्द एवं निःशब्द क्रिया

ईकाई – 3

1. गायक, वादक एवं वाग्गेयकार की परिभाषा तथा गुण–दोष।

2. ग्राम – मूर्च्छना की विस्तष्त जानकारी

इकाई –4

1. रवीन्द्र संगीत की सामान्य जानकारी।

2. कर्नाटक संगीत में प्रचलित गायनशैलियों की जानकारी वर्णम, कृति, जावलि, पदम्, तिल्लाना।

ईकाई –5

1. निम्नलिखित लोकनृत्यों की संक्षिप्त जानकारी – कालबेलिया, घूमर, भवाई, गरबा, डांडिया, भंगड़ा, गिद्दा, लावणी, बिहू, बाऊल।

2. पाश्चात्य स्वरलिपि– पद्धति की विस्तृत जानकारी।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय

नोट – इस प्रष्न पत्र में कुल 10 प्रष्न होंगे। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रष्न का चयन करते हुये कुल 5 प्रष्नों के उत्तर देने हैं।

इकाई –1

1. निम्नलिखित ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों का परिचय एवं योगदान –

1. भरत – नाट्यशास्त्र
2. शारंगदेव – संगीत रत्नाकर
3. मतंग – वृहदेशी
4. पं. अहोबल – संगीत पारिजात

2. वाद्यों का वर्गीकरण –तत्, सुषिर, घन, अवनद्ध।

इकाई – 2

1. राग–लक्षण , स्वस्थान– नियम, आविर्भावि–तिरोभाव, अल्पत्व–बहुत्व, रागालाप–रूपकालाप की सामान्य जानकारी।

2. भारतीय ताल – पद्धति का वर्णन (दस प्राणों सहित)

इकाई –3

1. ललित कलाओं में संगीत का स्थान।

2. निम्नलिखित संगीतकारों का जीवन परिचय – लालमणि मिश्र, पं. भातखण्डे, आचार्य बृहस्पति, अली–अकबर, अल्लारखा खां।

इकाई – 4

स्वरलिपि – पद्धति का उद्‌गम एवं विकास (भारतीय संगीत के संदर्भ में)

1. भारतीय संगीत में वृन्दगान एवं वाद्यवृन्द का विस्तृत अध्ययन।

इकाई – 5

1. भारतीय संगीत में मंच – प्रदर्शन।
2. शास्त्रीय संगीत पर लोक–संगीत का प्रभाव।
3. धर्म और संगीत।
4. राष्ट्रीय एकता में संगीत की भूमिका।

प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम

1. निम्नलिखित रागों का अध्ययन :–
   (1) विहाग (2) देस (3) बागेश्वरी (4) रागेश्वरी (5) भीमपलासी (6) अहीरभैरव (7) जौनपुरी (8) हमीर (9) केदार (10) मालकौंस 20
2. (अ) परीक्षार्थी की इच्छानुसार किसी एक राग में विलम्बित एवं मध्यलय ख्याल / गत को पूर्ण गायकी एवं वादन क्षमता के अनुसार प्रस्तुत करना। 5
3. (ब) सभी रागों में लक्षण गीत, सरगम गीत 5
4. निम्नलिखित तालों का अध्ययन 5
   (1) आड़ा चौताल (2) पंजाबी त्रिताल (3) रूपक (4) झपताल (5) धमार
5. थाट भैरव, मारवा एवं काफी के स्वरों में 5–5 अलंकार 5
   श्याम पट्‌ट पर लिखी हुयी कोई स्वरलिपि गाने अथवा बजाने का अभ्यास

प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय

1. निम्नलिखित रागों का अध्ययन –
   (1) बिहाग (2) देस (3) बागेश्वरी (4) रागेश्वरी (5) भीमपलासी (6) अहीर भैरव (7) जौनपुरी (8) हमीर (9) केदार (10) मालकौंस 30

(अ) उपरोक्त रागों में से तीन विलंबित ख्याल / मसीतखानी गत तान अलाप सहित 15
(ब) कोई चार रागों में मध्यलय ख्याल / रजाखानीगत तान अलाप सहित (बिन्दु अ के अतिरिक्त) 15

2. एक ध्रुपद अथवा एक धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन की लयकारी के साथ / तीनताल के अतिरिक्त किन्हीं अन्य तालों में एक मध्य लय गत। (वाद्‌य संगीत के लिए) 15
3. त्रिवट / तराना / भजन / गजल / लोकगीत / देश भक्ति गीत / कोई एक धुन (वाद्‌य यंत्र के विद्यार्थियों के लिए) 10
4. पाठ्‌यक्रम की निम्न तालों का ठेका हाथ पर ताली एवं खाली सहित दुगुन, तिगुन, चौगुन में प्रदर्शित करने का अभ्यास 10
   (1) आड़ा चौताल (2) पंजाबी त्रिताल (3) रूपक (4) झपताल (5) धमार

संदर्भ ग्रन्थ

1 क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1, 2, 3 और 4 – पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे

2 संगीतांजली भाग 1, 2, 3 4, 5, और 6 – पडित ओमकार नाथ ठाकुर
3 राग विज्ञान भाग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 – पंडित वी.एन. पटवर्धन
4 रागबोध भाग 1, 2, और 3 – डा. बी.आर. देवधर
5 तंत्रिनाद भाग 1, 2 और भारतीया संगीत वाद्य – डा. लालमणी मिश्रा
6 सितार मालिका (संगीत कार्यालय हाथरस)
7 सितार वादन – एस.जी. व्यास
8 संगीत विशारद (संगीत कार्यालय हाथरस)
9 सितार मार्ग भाग 1 और 2 – एस.पी. बेनर्जी
10 संगीत बोध – डा. शरत चन्द्र परांजपे
11 ध्वनि और संगीत – प्रो. एल.के. सिंह
12 संगीत दर्शिका भाग 1 और 2 – श्री नानीगोपाल बैनर्जी
13 Hindustan Music- An outline of its physics and aesthetics by G.H. Rande.
14 संगीत शास्त्र भाग 1 और 2 – एम.एन. सक्सैना
15 तान संग्रह भाग 1, 2 और 3 – पंडित एस.एन. रातनजनकर
16 तान मलिका – राजा भैया पूंछवाले
17 हमारे संगीत रत्न – लक्ष्मी नारायण गर्ग
18 विष्णु दिगम्बर पलुस्कर – पडिंत विनय चन्द्र मौद्गल्य
19 विष्णु नारायण भातखण्डे – एस.एन. रातनजनकर
20 वागेयकार ओमकार नाथ ठाकुर – डा. प्रदीप कुमार दिक्षित
21 घराना – वमन राव एच. दशपाण्डे
22 संगीत परिभाषा – पडिंत रातनजनकर
23 रस मंजरी शतक पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग
24 राग और रूप – स्वामी प्रज्ञानन्द
25 संगीत और संस्कृति – स्वामी प्रज्ञानन्द
26 भारतीय संगीत का इतिहास – ठाकुर जयदेव सिंह
27 संगीत चिंतामणी – आचार्य ब्रहस्पति
28 Sitar and its Nibaddha forms by Stefan Slavek
29 ध्रुपद लखेक इन्दुरामा श्रीवास्तव
30 राग परिचय भाग 1, 2, 3 और 4 – हरीश चन्द्र श्रीवास्तव
31 अभिनव संगीताजंली – प्रो. रामाक्षय झा 'रामरंग'
32 स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती
33 संगीत मंजुषा – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती
34 Music- its methods and technique of teaching in Higher Education by Prof Indrani Chakravarti
35 Sitar and its teaching by Prof Debu Chaudhury
36 Senia Gharana and its contribution to Indian Music by Dr. Saroj Ghosh
37 संगीत रत्नाकर भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल, शर्मा और डा. आर.के सिंघी
38 वृहद्देशी भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल. शर्मा

39 Musical forms in Sangita Ratnakar by Prof. N. Ramanathan
40 राग दर्शन भाग 1 और 2 – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास
41 संगीत सुषमा भाग 1 से 4 पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास
42 ख्याल दर्शन – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास
43 All journals / Magazines of Music

20. GARMENT PRODUCTION AND EXPORT MANAGEMENT

(To be offered by The Women Candidates in Girl's Colleges only)

Scheme	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks	Period Per Week
Theory Paper I	3 hrs.	60	22	3
Theory Paper II	3 hrs.	60	22	3
Practical	4 hrs.	80	29	4

PAPER I : PATTERN MAKING AND DRESS DESIGNING

Unit-I

Fashion- Meaning, Terminology of fashion, sources of fashion, factors influencing fashion.
Fashion cycle and forecasting.
Indian and International fashion designer's.
Readymade garments- Importance, scope and Quality problems in readymade garments.

Unit-2

Principles and advantages of eight head theory.
Ideal proportions at different ages from one year child to an adult.
Types of human Figures\Postures.
Taking body measurements.
Techniques in pattern making :-
a. Drafting b. Draping c. Flat Pattern

Unit-3

Fitting- Principles of fitting, Factors to be considered while Fitting, Common fitting problems, remedying fitting defects of bodice, Sleeve & Skirt.
Grading- Definition, Principles of grading.

Unit-4

Dress Designs- Structural, Functional and Decorative.
Layout of fabric such as Print, Stripes, Plaids and checks.
Color- Definition, Importance, Role of color in dress designing.
Use of color and shading in designing.

Unit-5

Clothing- Origin, Functions and scope.
Sociological, Psychological significance of clothing.
Factor affecting selection of clothing for different age group and occasions.
Costume designing for different occasions including accessories.

Paper - II (Elements of Marketing and Finance)

Duration: 3 Hrs Max.Marks: 60

Unit-1

Meaning of marketing - Types of Markets, Factors determin- ing size of market, Consumer Behavior.

Unit-2

Product- concept of product, consumer and industrial products, product life cycle.

Product- Planning and Developing.

Unit-3

Advertising- advertising media.

Channels of Distribution- Whole sellers, Retailers.

Unit-4

Cost profit analysis with special reference to marginal costing- Profit Volume Ratio, Margin of safety and B.E.P. Analysis.

Unit-5

Procurement of Researches- Finance- Procurement of working and fixed capital factors affecting size of working capital.

Procurement of Inputs for Garment Production units- (Except Finance)

Practical- Pattern Making & Dress- Designing

Duration: 4 hrs Max. Marks: 80

Sessional- 40+40- Final Practical

1. Introduction of eight head theory of stick figure- 9"-10"
2. Drawing of different Posses.
3. Samples of construction process-
   I. Basic hand stitches. II. Seam and seam finishers.
   III. Darts, Pleats, Tucks, gathers. IV. Plackets & Fasteners.
   V. Piping and Facing.
   VI.Collars variation- Flat Peter Pan collar, Raised Peter Pan collar, Convertible collar.
   VII. Sleeves Variations-
   -Slash and Spread method, Puff and Bishop Sleeve.
   -Sleeve Bodice combination- Magyar, Raglan sleeve.
4. Assignment- Sample collection:-
   a) Pattern of fabric & dress for children
   b) Types of fabric texture.
5. Project- Designing and preparing party wear dress for Child (age of 6-11 yrs.) ith accessories.

Suggested Readings -

1. Erwin,Kinchen'clothing for moderns'-Macmillan Publishing,NEW York.
2. Latze,Alpha & Heicn,'The wide work of clothing'The Ronald Press Company,New Yok.
3. Mathews Mary'Practcal Clothing Construction' 1&2.Cosmic Press Madras.
4. Doongaji,S. and Deshpande R. -'Basic Process of Clothing Construction'.
5. G.J.Sumanthi.'Elements of fashion and Apparel design'.
6. Agarwal,Kothari: 'vipnan-prabandh'.
7. Kindley,Burger : 'International Economics'.
8. Davar,R.S.: 'Salesmanship and Publicity'.
9. Srivastava & Agarwal:' Vipnan -prabandh'.
10. Manaria,Joshi: 'Salesmanship and Practice of marketing in India'.

प्रथम प्रश्न पत्र – पैटर्न निर्माण एवं परिधान अलंकरण

अवधि– 3 घण्टें अधिकतम अंक – 60

इकाई – 1

फैशन– अर्थ, फैशन शब्दावली, स्त्रोत, फैशन को प्रभावित करने वाले कारक एंव फैशन चक्र।

भारतीय एंव अन्तराष्ट्रीय फैशन डिजाइनर।

रेडीमेड परिधान – महत्व, क्षेत्र एवं गुणवत्ता सम्बन्धी समस्याएं।

ईकाई – 2

आठ मस्तकीय प्रणाली के सिद्धान्त एवं लाभ एक वर्श से व्यस्क व्यक्ति तक विभिन्न आयु वर्ग के आर्दश शरीरानुपात।

मानव शरीर के प्रकार। आकृति शरीर का माप लेना

पैर्टन निर्माण के तरीके – (अ) ड्राटिंग (ब) ड्रेपिंग (स) लैअ पैर्टन

ईकाई – 3

फिटिंग – सिद्धान्त, फिटिंग सम्बन्धी कारक, सामान्य फिटिंग समस्याएं – स्कर्ट, बाजू व बॉडीज की फिटिंग समस्याओं का समाधान करना। ग्रेडिंग – अर्थ एवं सिद्धान्त।

ईकाई – 4

ड्रेस डिजाईन – संरचनात्मक, कार्यात्मक एंव सजावटी।

प्रिन्ट, धारीदार, चौखाने वाले वस्त्रों का लेआउट तैयार करना।

रंग– परिभाशा, महत्व, परिधान डिजाइन में रंग की भूमिका।

ईकाई – 5

वस्त्र – उद्भव, कार्य एवं क्षेत्र ।

वस्त्रों के सामाजिक एवं मनौवैज्ञानिक प्रभाव, विभिन्न आयु वर्ग व अवसरों हेतु वस्त्र चयन को प्रभावित करने वाले कारक।

अवसर विषेश के लिये सम्पूर्ण अंलकरणों सहित परिधान डिजाइन करना।

द्वितीय प्रश्न पत्र – विपणन के तत्व एवं वित्त

अवधि– 3 घण्टें अधिकतम अंक – 60

ईकाई – 1

विपणन का अर्थ – बाजार के प्रकार, बाजार के आकार को प्रभावित करने वाले घटक। उपभोक्ता व्यवहार।

ईकाई – 2

उत्पाद – उत्पाद की अवधारणा, उपभोक्ता एवं औधोगिक उत्पाद, उत्पाद जीवन– चक्र। उत्पाद नियोजन एवं उत्पाद विकास।

ईकाई – 3

विज्ञापन– विज्ञापन के माध्यम।

वितरण के माध्यम – थोक विक्रेता एवं खुदरा विक्रेता।

ईकाई – 4

लागत लाभ विश्लेषण – सीमान्त लागत के विशेष संदर्भ में।

लाभ – मात्रा अनुपात, सुरक्षा क्षेत्र और सम विच्छेद विश्लेषण।

ईकाई–5

संसाधनों की अधिप्राप्ति – वित्त, कार्यशील पूंजी एवं स्थायी पूंजी की अधिप्राप्ति।

कार्यशील पूंजी के आकार को प्रभावित करने वाले घटक।

परिधान निर्माण इकाई के लिये इनपुट की प्राप्ति (वित्त को छोड़कर)

प्रायोगिक–पैटर्न निर्माण एवं परिधान अलंकरण

समय – 4 घण्टें पूर्णांक – 80 न्यूनतम उत्तीर्णांक –29

(सत्रांक – 40+40 प्रायोगिक परीक्षा)

1. आठ मस्तकीय प्रणाली एंव स्टिक आकृति (9"– 10") का परिचय।
2. विभिन्न शरीर मुद्राओं का चित्रण।
3. निम्नलिखित नमूने बनानाः–
   1.हाथ के टांके। 2. सिलाई व सिलाई परिसज्जा।
   3.डार्ट, प्लीट, टक्स, चुन्नट। 4. बटन– पट्टियां एवं बन्धक।
   5.पाइपिंग व फेसिंग। 6. कॉलर प्रकार–लेट पीटर पैन, उठा हुआ पीटर पैन, कनवर्टिवल पीटर पैन कालर।
   7. स्लीव प्रकार–स्लैश एवं स्प्रेड विधि, पफ एवं बिशप बाजू, मेगयर, रेगलॉन स्लीव।
4. एसाइनमेंट –
   अ. बच्चों के वस्त्र व परिधान के पैर्टन।
   ब. वस्त्र टेक्सचर के प्रकार।
5. प्रोजेक्ट – 6–11 वर्शीय बालक/बालिका के लिए पार्टी में पहनने हेतु परिधान का सहायक अलंकरणों सहित डिजाइन करना एवं तैयार करना।

21. JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN & YOGA

Scheme of Examination				Periods
Two Question Papers	Duration	M.M.	Min. M.	Pe Week
First Question Paper	3 hours	75		
Second Question Paper	3 hours	75	54	6
Practical	5 hours	50	18	4
				(20 student per batch)

General Instruction

1. There will be two theoretical papers (each of 75 Marks) and one practical paper (50 Marks) student has to pass both theoretical and practical papers.
2. 6 periods per week for two theoretical and 4 periods per week for practical classes of 20 students per batch is essential.
3. This syllabus will be equally applicable to regular, private and ex-student.
4. Question Paper will be prepared in both Hindi and English language.

PAPER - I
METAPHYSICS AND ETHICS

TIME : 3 HRS M.M. : 75

Note : There will be two questions from each unit. Every question will consist of Part A- Descriptive type (12 Marks) and Part B short notes type (3 Marks), making total number of 10 questions. Student

has to attempt one question form each unit.

Unit- 1 : Jain Metaphysics

A Nature of Reality (Sat), Substance (Dravya), Attributes (Guna), Modes (Paryaya)

B. Six Substance, Atom(Parmaanu), Cosmology (Lokavad)

Unit- 2 : Jain Metaphysics

A.Nature of soul, Classification of soul, Prove of the existence of soul,

B. Size of Soul, Soul-body relationship, Rebirth.

Unit- 3 : Jain Ethics

A .Foundation and Nature of Jain Ethics.,Nine Categories of Truth (Navtatva),Three Jewels (Ratnatraya)

B. Stages of spiritual development (Gunasthan), Six essentials (Sadavashyak), Ten Righteousness (Dharma)

Unit- 4 : Jain Ethics

A. Ascetic's code of conduct (Shramanachara), Laymen's code of conduct (Shravakachara), Laymen's renunciation eleven stages (Shravak ki Pratima)

B. Jain Life Style, Limit to Possession, Fasting unto death (Santhara)

Unit- 5 : Jain Ethics

A. Nature of Non-violence, cruelty towards animals verses feeling of equanimity. Non-violence training

B. Anuvrata Movement, Anuvrata code of conduct, Anuvrata: Foundation of a Healthy Society, Field of Anuvrata.

Recommended Books:-

1. जैन तत्त्व मीमांसा और आचार मीमांसा, समणी डॉ. ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ।
2. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा, आचार्य महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चुरू।
3. श्रावक सम्बोध, आचार्य तुलसी, आदर्श साहित्य संघ, चुरू।
4. जैन आगम में दर्शन, समणी डॉ. मंगलप्रज्ञा, जैन विश्वभारती, लाडनूँ।
5. जैन दर्शन, महेन्द्रकुमार न्यायाचार्य, गणेशवर्णी संस्थान, नरिया, वाराणसी।
6. जैन तत्त्व मीमांसा –डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, बी. जैन पब्लिशर्स, नई दिल्ली ।
7. जीव–अजीव आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती लाडनूं ।
8. जैन तत्व विद्या आचार्य तुलसी, जैन विश्वभारती, लाडनूँ।

PAPER- II
JEEVAN VIGYAN AND HEALTH

Time : 3 Hrs M.M. : 75

Note : There will be two questions from each unit. Every question will consist Part 'A' Descriptive type (12 Marks) and short Notes type (3 Marks), Making total number of 10 question. Students has to attempt one question from each unit.

Unit- 1 : Jeevan Vigyan : Origination and development

A. Ancient education system, Problems of present education system, Science of Living: Orignation and development,

B. Science of Living : Nature and Aim, Science of Living : A new dimention of education, Indian culture and advantage of Science of Living, Relevance of Science of Living in different fields.

Unit-2 : Main Components of Jeevan Vigayan

A. Body and tools of its purification, Breathing and tools of its purification, Vital energy and tools of its purification

B. Mind and tools of its purification, Emotion and tools of its purification , Karma and tools of karma-purificaion, Psyche and tools of its purification

Unit-3 : Jeevan Vigyan and Value development

A. Value : meaning and definition, Process of value acceptance, Role of family and society in development of values

B. Values in Science of Living --Social, intellectual, mental, moral and spiritual.

Anupreksha : A process of values development

Unit-4 : Technique of Jeevan Vigyan and Training

A. Anekant and its practical application, Non-violence and non-violent life style, Anuvrat : code of conduct, Preksha Dhyan and its componets

B. Training of brain, Process of controlling senses (samveda), Concept of salvation in education

Unit-5 : Jeevan Vigyan and Health

A. Concept of health, Determining factors of health, Concept of balanced diet and health

B. Physical health, Mental health, Emotional health

Recommended Books:-

1. जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य, डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा, समणी श्रेयस प्रज्ञा, जैन विश्व भारती, लाडनूं।

2. जीवन विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
3. जीवन विज्ञान : शिक्षा का नया आयाम, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
4. जीवन विज्ञान : स्वस्थ समाज संरचना का संकल्प, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
5. जीवन विज्ञान की रूपरेखा, मुनि धर्मेश कुमार, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
6. अहिंसा और अणुव्रत, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
7. प्रेक्षाध्यान : आधार और स्वरूप, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
8. अमूर्त्त चिन्तन, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
9. प्रेक्षाध्यान– स्वास्थ्य विज्ञान, भाग– 1, 2, मुनि महेन्द्र कुमार, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
10. विज्ञान की कसौटी पर योग, स्वामी रामदेव, दिव्य योग मन्दिर, कनखल, हरिद्वार

B.A. PART - II
PRACTICAL : JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN & YOGA

Time : 5 Hours M.M. : 50

Minimum Passing Marks : 18

Division of Marks

1. Practical work (written Part of 1.30 Hrs.)
   Three questions are to attempt out of 5 question 21 Marks
2. Viva-voce 20 Marks
3. File work 9 Marks

Exercise : 1

(a) Preliminary preparation to four phases of the Preksha Meditation, Yogic Kriyayen : from head to toe and ten exercises of stomach and breathing, Longterm Kayotsarga

Note : All these exercise are only for learn & oral exam.

(b) Special Exercises : Sharir Preksha, Chaitnya Kendra Preksha

Exercise : 2

Asan - Meaning, Nature and Importance

Lying posture : (i) Pawanmuktasana (ii) Bhujangasan (iii) Shalbhasana
Sitting posture : (i) Vajrasana (ii) Shashankasana (iii) Paschimottanasana
Standing Posture : (i) Trikonasana (ii) Padahastasana (iii) Konasana.

Exercise : 3

Pranayam - Meaning, Nature and Importance - (i) Ujjai (ii) Shitali (iii) Bhastrika

Exercise : 4

Anupreksha : (i) Abhaya (Fearless) (ii) Maitri (Friendlyness) (iii) Karuna

(Compassion) (iv) Saha-Astitva (co-existence) (v) Ahimsa (Non-violence).

Exercise : 5

Eight Exercises of Spinal for Changness of Nature.

Recommended Books :

1. प्रेक्षाध्यान : प्रयोग पद्धति, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूँ।
2. आसन और प्राणायाम, मुनि किशनलाल, जैन विश्व भारती, लाडनूँ।
3. यौगिक क्रियाएं, मुनि किशनलाल, बी. जैन पब्लिशर्स (प्रा. लि.), दिल्ली।
4. आसन, प्राणायाम, मुद्रा और बन्ध, स्वामी सत्यानन्द, बिहार योग विद्यालय, गंगादर्शन, मुंगेर (बिहार)।
5. आसन और प्राणायाम, स्वामी रामदेव, दिव्य योग मन्दिर, कनखल, हरिद्वार।
6. योगासन एवं स्वास्थ्य, मुनि किशनलाल, बी. जैन पब्लिशर्स (प्रा. लि.), दिल्ली।

21. जैनविद्या, जीवन विज्ञान एवं योग।

परीक्षा योजना :

सैद्धान्तिक	अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	कालांश प्रति सप्ताह
प्रथम पत्र	3 घण्टे	75		
द्वितीय पत्र	3 घण्टे	75	54	6
प्रयोगिक	5 घण्टे	50	18	4

(प्रत्येक बैच 20 विद्यार्थी)

सामान्य निर्देशः

1. कुल दो सैद्धान्तिक पत्र (प्रत्येक पत्र 75 अंकों का) व एक प्रायोगिक पत्र (50 अंकों का) होगा। विद्यार्थी को सैद्धान्तिक व प्रायोगिक पत्र में पृथक्–पृथक् उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. दोनों सैद्धान्तिक पत्रों के लिये प्रति सप्ताह 6 कालांश एवं प्रायोगिक पत्र में 20 विद्यार्थियों के प्रत्येक बैच के लिये प्रति सप्ताह 4 कालांश होना आवश्यक है।
3. यह पाठ्यक्रम नियमित, स्वयंपाठी एवं पूर्व विद्यार्थी (Ex. Student) के लिए समान रूप से लागू होगा।
4. प्रश्न पत्र हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगा।

प्रथम प्रश्न पत्र – तत्त्व एवं आचार मीमांसा

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

नोट : इस प्रश्न पत्र में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का भाग 'अ' निबन्धात्मक 12 अंक एवं भाग 'ब' लघु उत्तरीय 3 अंक का होगा। इस प्रकार प्रश्नों की कुल संख्या 10 होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल पांच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई–1

जैन तत्त्व–मीमांसा :–

अ. सत् का स्वरूप, द्रव्य–गुण–पर्याय।

आ. षड् द्रव्य, परमाणु, लोकवाद।

इकाई–2

जैन तत्त्व–मीमांसा :–

अ. आत्मा का स्वरूप, आत्मा के भेद–प्रभेद, आत्मा के अस्तित्व की सिद्धि

आ. आत्मा का परिमाण, आत्मा–शरीर संबंध, पुनर्जन्मवाद

इकाई–3

जैन आचार–मीमांसा :–

अ. आचार का आधार और स्वरूप, नव तत्त्व, रत्नत्रय

आ. गुणस्थान, षडावश्यक, दस धर्म

इकाई– 4

जैन आचार–मीमांसा :–

अ. श्रमणाचार, श्रावकाचार, ग्यारह प्रतिमा

आ. जैन जीवन शैली, अपरिग्रह, इच्छा परिमाण, संलेखना–संथारा

इकाई–5

जैन आचार–मीमांसा :–

अ. अहिंसा का स्वरूप, पशु–पक्षियों के प्रति क्रूरता बनाम आत्मौपम्यता, अहिंसा–प्रशिक्षण

आ. अणुव्रत आन्दोलन, अणुव्रत आचार संहिता, अणुव्रत : स्वस्थ समाज संरचना का आधार, अणुव्रत का कार्य क्षेत्र।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. जैन तत्त्व मीमांसा और आचार मीमांसा, डॉ,समणी ऋजुप्रज्ञा, जैन विश्वभारती विश्विद्यालय, लाडनूँ।
2. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा, आचार्यश्री महाप्रज्ञ, आदर्श साहित्य संघ, चुरू।
3. श्रावक सम्बोध, आचार्य तुलसी, आदर्श साहित्य संघ, चुरू।
4. जैन आगम में दर्शन, डॉ,समणी मंगलप्रज्ञा, जैन विश्वभारती विश्विद्यालय, लाडनूँ।
5. जैन दर्शन, महेन्द्रकुमार न्यायाचार्य, गणेशवर्णी संस्थान, नरिया, वाराणसी।
6. जैन तत्त्व मीमांसा –डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, बी. जैन पब्लिषर्स, नई दिल्ली।
7. जीव–अजीव आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्वभारती लाडनूं ।
8. जैन तत्व विद्या आचार्य तुलसी, जैन विश्वभारती, लाडनूँ।

द्वितीय प्रश्न पत्र – जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य

समय 3 घंटे **पूर्णांक : 75**

नोट : इस प्रश्न पत्र में प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न का भाग 'अ' निबन्धात्मक 12 अंक एवं भाग 'ब' लघु उत्तरीय 3 अंक का होगा। इस प्रकार प्रश्नों की कुल संख्या 10 होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल पांच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे।

इकाई – 1

जीवन विज्ञान : उद्‌भव और विकास :–

अ. प्राचीन शिक्षा प्रणाली, वर्तमान शिक्षा प्रणाली की समस्याएं, जीवन विज्ञान : उद्‌भव और विकास

आ. जीवन विज्ञान : अर्थ, स्वरूप, उद्देश्य, शिक्षा का नया आयाम– जीवन विज्ञान, भारतीय संस्कृति और जीवन विज्ञान की उपयोगिता, विविध क्षेत्रों में जीवन विज्ञान की प्रासंगिकता

इकाई–2

जीवन विज्ञान के मुख्य अंग :–

अ. शरीर और शरीर–शुद्धि के उपाय, श्वास और श्वास–शुद्धि के उपाय, प्राण और प्राण–शुद्धि के उपाय।

आ. मन और मन–शुद्धि के उपाय, भाव और भाव–शुद्धि के उपाय, कर्म और कर्म–शुद्धि के उपाय, चित्त और चित्त–शुद्धि के उपाय

इकाई–3

जीवन विज्ञान और मूल्य विकास :–

अ. मूल्य अर्थ और परिभाषा, मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया, मूल्य विकास में परिवार और समाज की भूमिका

आ. जीवन विज्ञान में निर्धारित मूल्य–सामाजिक, बौध्दिक, मानसिक, नैतिक व आध्यात्मिक, मूल्य विकास की प्रक्रिया : अनुप्रेक्षा

इकाई–4

जीवन विज्ञान की प्रविधियां और प्रशिक्षण :–

अ. अनेकान्त और उसके व्यावहारिक प्रयोग, अहिंसा का स्वरूप और जीवन शैली में अहिंसा, अणुव्रत की आचार संहिता, प्रेक्षाध्यान और उसके अंग

आ. जीवन विज्ञान और मस्तिष्क प्रशिक्षण, जीवन विज्ञान और संवेद प्रशिक्षण, जीवन विज्ञान और मुक्ति की अवधारणा,

इकाई–5

जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य :–

अ. स्वास्थ्य की अवधारणा एवं परिभाषाएं, निर्धारक तत्व, संतुलित आहार और स्वास्थ्य

आ. शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और भावात्मक स्वास्थ्य

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य, डॉ. समणी ऋजु प्रज्ञा, समणी श्रेयस प्रज्ञा, जैन विश्व भारती विष्वविद्यालय, लाडनूं।
2. जीवन विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
3. जीवन विज्ञान : शिक्षा का नया आयाम, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
4. जीवन विज्ञान : स्वस्थ समाज संरचना का संकल्प, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
5. जीवन विज्ञान की रूपरेखा, मुनि धर्मेश कुमार, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
6. अहिंसा और अणुव्रत, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
7. प्रेक्षाध्यान : आधार और स्वरूप, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।

8. अमूर्त्त चिन्तन, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
9. प्रेक्षाध्यान–स्वास्थ्य विज्ञान, भाग–1, 2, मुनि महेन्द्र कुमार, जैन विश्व भारती, लाडनूं।
10. विज्ञान की कसौटी पर योग, स्वामी रामदेव, दिव्य योग मन्दिर, कनखल, हरिद्वार

प्रायोगिक : जैनविद्या जीवन विज्ञान एवं योग

अवधि : 5 घण्टे पूर्णांक : 50

न्यूनतम उत्तीर्णांक– 18

1. प्रयोगशाला कार्य (लिखित प्रश्न 1.30 घण्टे अवधि), पांच प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना आवश्यक है। अंक : 21
2. मौखिक– समग्र अभ्यास से परीक्षार्थी प्रयोगों को करके एवं कराकर के करेंगे। (दो परीक्षार्थी एक साथ।) अंक : 20
3. अभिलेख कार्य (फाईल रिकॉर्ड)। अंक : 9

कालांश– 20 विद्यार्थियों के प्रत्येक बैच के लिए 4 कालांश होंगे।

(अ) प्रेक्षाध्यान– पूर्व तैयारी एवं ध्यान के चारों चरण, यौगिक क्रियाएं मस्तक से पंजे तक तथा पेट और श्वास की दस क्रियाएं, दीर्घकालीन कायोत्सर्ग।

नोट :– उपर्युक्त प्रयोग केवल अभ्यास एवं मौखिक परीक्षा के लिए है। प्रायोगिक परीक्षा के लिखित में उससे प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे।

(ब) विशेष अभ्यास– शरीर प्रेक्षा, चैतन्य केन्द्र प्रेक्षा।

अभ्यास 2 आसन :

शयन स्थान– 1. पवनमुक्तासन, 2. भुजंगासन, 3. शलभासन।

निषीदन स्थान– 1. वज्रासन, 2. शशांकासन, 3. पश्चिमोत्तानासन।

ऊर्ध्व स्थान– 1. त्रिकोणासन, 2. पादहस्तासन, 3. कोणासन।

अभ्यास 3 प्राणायाम– अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व।

1. उज्जायी, 2. शीतली, 3. भस्त्रिका।

अभ्यास 4 अनुप्रेक्षा– 1. अभय, 2. मैत्री, 3. करुणा, 4. सह–अस्तित्त्व, 5 अहिंसानुप्रेक्षा।

अभ्यास 5 स्वभाव परिवर्तन हेतु मेरुदण्ड की आठ क्रियाएं।

अनुशंसित पुस्तकें :–

1. प्रेक्षाध्यान : प्रयोग पद्धति, आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भारती, लाडनूँ।
2. आसन और प्राणायाम, मुनि किशनलाल, जैन विश्व भारती, लाडनूँ।
3. यौगिक क्रियाएं, मुनि किशनलाल, बी. जैन पब्लिशर्स (प्रा. लि.), दिल्ली।
4. आसन, प्राणायाम, मुद्रा और बन्ध, स्वामी सत्यानन्द, बिहार योग विद्यालय, गंगादर्शन, मुंगेर (बिहार)।
5. आसन और प्राणायाम, स्वामी रामदेव, दिव्य योग मन्दिर, कनखल, हरिद्वार।
6. योगासन एवं स्वास्थ्य, मुनि किशनलाल, बी. जैन पब्लिशर्स (प्रा. लि.), दिल्ली।

22. COMPUTER APPLICATIONS

Paper Name(Theory)		Exam Hours	Max Marks
Paper I	Programming with C	3	65
Paper II	Internet & Web Programming	3	65
	Total of Theory		**130**
Paper Name (Practical)			
Practical		3	70
Total of Practical			**70**
Grand Total(Theory + Practical)			**200**

Note:

1. Ten questions will be set in all papers taking two questions from each unit. Students will have to attempt one question from each unit.
2. At least 3 classes of theory and 3 classes for practical should be assigned to the students
3. Each practical exam is to be conducted by two examiners one External and one Internal Examiner. External examiner should be senior lecturer from jurisdiction of other universities. Question paper of Practical Examination will be prepared by External; Students have to perform exercise on computer. Exercise must be written in answer books in proper documentation. Marks distribution for Practical of 75 marks is as under
   a) Four Exercise of 10 marks each (Logic 04, Execution 03, Documentation 03) — 40 Marks
   b) Viva-Voce — 20 Marks
   c) Laboratory Exercise File — 10 marks

PAPER I - PROGRAMMING WITH C

Unit – I

Basic concepts of programming: Characteristic & Implementation of Algorithm, Flow Chart Symbols, Benefit and Limitations; Decision Table, Pseudo Code. Programming Techniques: Top down, Bottom up, Modular, Structured, Features, Merits, Demerits and their Comparative study.

Unit-II

Structure of C Program; Character Set, Tokens, Variable, Constant; Data Types; Operator, Expressions, Type Conversions; Console Input-Output functions; Control Flow Statements and Blocks, Branching statements and Labels.

Unit-III

Loop Structure: While, Do while, For, Modular programming: Basic types of function, Declaration and definition, Function call, Parameter passing, Recursion, Scope of variables, Storage classes.

Unit-IV

Arrays: Declaration and use of Array, Array manipulation; Searching, Insertion, Deletion of an element, Strings as array of characters, Standard library string functions. Pointer: Declaring & Initializing pointers, Accessing a variable and address of a variable, Pointer expressions, Pointers and Function Arguments, Pointers and Arrays,

Unit-V

Structure, Union: Declaration and use. Programs to show the use of structure, union; Concept of Files, Basic Functions for File Handling, Basic Input/Output operations on files.

Reference Books:-

1. Programming In C By Gottfried (Tata McGraw Hill)
2. C Programming Language By Kernighan (Prentice Hall Of India)
3. C Programming By R.B. Patel, Khanna Publication.
4. Let Us C By Yashwant Kanetkar (BPB Publication)

Paper II Internet and Web Programming

Unit I

Data communication, Transmission Media- Coaxial, UTP, Optical-Fiber, Wireless, Components of Computer Networks, Transmission Mode-Simplex, Half Duplex, Full Duplex, LAN, MAN, WAN, the OSI Model, TCP/IP and others main protocols used on the Web;Types of wireless communication (Mobile, WiFi, WiMAX, Bluetooth, Infrared - concept and definition only). Software Piracy, Firewall, Threats, Hacking and Cracking (basic concepts only for these topics)

Unit II

Evolution of Internet, Introduction to the terms LAN, WAN, MAN, Basic internet terms (Client, Server, MODEM, Web page, Web site, Home page, Browser, URL, ISP, Web server, Download & Upload, Online & Offline etc), Internet applications (Remote login, VoIP, Video Conferencing, Audio-Video streaming, Chatting etc). Identify and solve basic problems related to connecting to networks and the Internet. E-Mail, Advantages, How it's Works? Anatomy of an e-mail Message, basic of sending and receiving, E-mail Protocol.

Unit III

Introduction to World Wide Web: History, Working of Web Browsers, Its functions, Search engine category, Concept of Hyper Text Transfer Protocol (HTTP), Web Servers, Web Browser's-Working of Browser, Internet Explorer, Web publishing Document Interchange Standard, Component of Web Publishing, Site and Domain Name, Overview of Intranet and its applications.

Unit IV

HTML, Designed Tools, HTML Editors, Issue in Web Site Creations and Maintenance, FTP S/W for Upload Website, Elements of HTML & Syntax, Building HTML Documents, Use of Font Size and Attributes, Backgrounds, Formatting tags, Images, Hyperlinks, div tag, List Type and its Tags, Table Layout, , Use of Frames and Forms in Web Pages. Working with Style sheet: Elements and different Type of style sheet; Introduction to Java Script: Identifier & operator, control structure, functions, Predefined functions, numbers & string functions, Array in Java scripts.

Unit V

Basic of Cyber Security and Cyber Crime: Computer Ethics and Application Programs, Cyber Law, Introduction to IT laws & Cyber Crimes - Internet, Hacking, Cracking, Viruses, Virus Attacks, Software Piracy, Intellectual property, Legal System of Information Technology, Social Engineering, Mail Bombs, Bug Exploits

References:

1. Internet and Web Page Designing By V.K Jain (BPB)
2. Internet & Web Design By A. Mansoor, Pragya Publications.
3. Web Enabled Commercial Application Development Using HTML, DHTML , java script, Perl CGI By Ivan Bayross (BPB)
4. Cyber Security by Nina Godbole & Sunit Belapure
5. Computer Forensics by Marie- Helen Maras

23. DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES

SCHEME OF EXAMINATION:

General Instructions:

1. There shall be two theory papers of 75 Marks each and Practical of 50 marks. The candidate will be required to pass in theory and practical separately.
2. Each theory paper will require four teaching periods of 60 minutes or six teaching period of 45 minutes for both papers per week.
3. Practical papers will require 4 period of 45 minutes or 3 periods of sixty minutes per week for a batch of 20 students.
4. Each paper will contain ten questions having two questions from each unit. Each question is divided into two parts - Part A & Part B, having 12 & 3 marks respectively. Candidates are required to attempt five questions in all, selecting at least one question from each unit. Candidate has to answer Part A in about 5 pages and Part B in about one page.

Scheme:

Paper I	3 Hrs	Max. Marks. 75	Min. Pass Marks 27
Paper II	3 Hrs	Max. Marks. 75	Min. Pass Marks 27
Practicals	3 Hrs	Max. Marks. 50	Min. Pass Marks 18

PAPER-I STUDY OF WAR

Max. Marks: 75 Time: 3 hours

UNIT-1

a) War: Definition concept, scope, advantages and disadvantages
b) Modern warfare: Concept. Definition and features
c) Nuclear war, chemical and biological war

UNIT - II

a) Cold war: Definition, principles and its instrument as psychological, economical and diplomatic war
b) Guerilla war: Definition, principles and main factors for successful Guerrilla warfare
c) War as an instrument of policy

UNIT - III

a) Principles of war: Concept and its importance.
b) Selection and maintenance of Aim, Offencive action, concentration, surprise and co-operation
c) Economy of force, security, mobility, administration and moral

UNIT - IV

a) Strategy, definition, concept and importance
b) Strategy of indirect approach
c) Types of strategy
d) Difference between strategy and grand strategy

UNIT - 5

a) Tactics: Definition, concept and importance
b) Distinction between strategy and tactics
c) Tactics during 20th century
d) Importance of Science and Technology in war

Books Recommended:

1. The Art of war on land: Arthor Birni
2. Military Science: Col. Bhupender Singh
3. युद्ध के सिद्धांत एवं सामरिकीः एम. पी. वर्मा
4. युद्ध व शान्ति की समस्याएंः मिश्र व पाण्डेय
5. स्थल युद्ध कलाः श्याम लाल व मुकर्जी
6. युद्ध की प्रकृति और उत्तरी अफ्रीका का संग्रामः डॉ. लल्लन सिंह
7. भारतीय सैन्य इतिहासः डॉ. बाबूराम पाण्डेय
8. भारतीय सैन्य इतिहासः डॉ. लल्लन सिंह
9. युद्ध का अध्ययनः डॉ. एस. के. मिश्रः मार्डन प्रकाशन, जालंधर
10. सम्पूर्ण सैन्य विज्ञानः श्रीमती पुष्पा जैन
23. रक्षा एवं रणनीति अध्ययन

परीक्षा योजनाः सामान्य निर्देश

1. कुल दो सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्र 75–75 अंक के होंगे, जबकि एक प्रायोगिक पत्र 50 अंक का होगा। विद्यार्थी को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पत्र में अलग–अलग उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
2. प्रत्येक सैद्धान्तिक पत्र के लिए 45 मिनट के 6 कालांश होंगे अथवा 60 मिनट के 4 कालांश प्रति सप्ताह दोनों पत्रों के लिए निर्धारित होंगे।
3. प्रायोगिक पत्र हेतु 45 मिनट के चार कालांश अथवा 60 मिनट के तीन कालांश प्रत्येक सप्ताह 20 विद्यार्थियों के दल ;ळतवनचद्ध के लिए होंगे।
4. प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 10 प्रश्न तथा प्रत्येक इकाई में 2 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न दो भागो में विभाजित होगा– भाग अ और भाग ब जो क्रमशः 12 व 3 अंको के होगें। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से कम से कम एक प्रश्न का अनिवार्य रूप से उत्तर देना होगा तथा कुल पांच प्रश्न हल करने होंगे। विद्यार्थी को भाग अ का उत्तर लगभग पांच पृष्ठों में व भाग ब का उत्तर लगभग एक पृष्ठ में देना होगा।

योजनाः

प्रथम प्रश्न–पत्र	अवधि 3 घंटे	पूर्णांक 75 न्यूनतम	उत्तीर्णांक 27
द्वितीय प्रश्न–पत्र	अवधि 3 घंटे	पूर्णांक 75 न्यूनतम	उत्तीर्णांक 27
प्रायोगिक पत्र	अवधि 3 घंटे	पूर्णांक 50 न्यूनतम	उत्तीर्णांक 18

प्रथम पत्र – युद्ध का अध्ययन

कुल अंकः 75 समयः 3 घंटे

इकाई – 1

(अ) युद्ध की परिभाषा, अवधारणा, गुण एवं दोष

(ब) आधुनिक युद्धकलाः परिभाषा, अवधारणा एवं स्वरूप

(स) परमाणु युद्ध, रासायनिक तथा जैविक युद्ध

इकाई – 2

(अ) शीत युद्ध की परिभाषा, सिद्धांत एवं इसके साधन जैसे – मनोवैज्ञानिक, आर्थिक तथा राजनयिक युद्ध

(ब) छापामार युद्धः परिभाषा, सिद्धान्त तथा सफल छापामार युद्ध के प्रमुख तत्व

(स) युद्ध राज्य की नीति का एक साधन

इकाई – 3

(अ) युद्ध के सिद्धान्तः अवधारणा एवं महत्व

(ब) लक्ष्य का चयन एवं निर्वहन, आक्रमणात्मक कार्यवाही, केन्द्रीयकरण, चकित करना तथा सहयोग का सिद्धान्त

(स) शक्ति की मितव्ययता, सुरक्षा, गतिशीलता, प्रशासन तथा मनोबल

इकाई – 4

(अ) कूटयोजनाः परिभाषा, अवधारणा एवं महत्व

(ब) अप्रत्यक्ष उपायों की कूटयोजना

(स) कूटयोजना के विभिन्न प्रकार

(द) कूटयोजना एवं महान कूटयोजना में अन्तर

इकाई – 5

(अ) समरतन्त्रः परिभाषा, अवधारणा एवं महत्व

(ब) कूटयोजना एवं समरतन्त्र में अंतर

(स) 20वीं शताब्दी का समरतन्त्र

(द) विज्ञान एवं तकनीकी का युद्ध में प्रभाव

अनुशंसित पुस्तकें –

1. The Art of war on land: Arthor Birni
2. Military Science: Col. Bhupender Singh
3. युद्ध के सिद्धांत एवं सामरिकीः एम. पी. वर्मा
4. युद्ध व शान्ति की समस्याएंः मिश्र व पाण्डेय
5. स्थल युद्ध कलाः श्याम लाल व मुकर्जी
6. युद्ध की प्रकृति और उत्तरी अफ्रीका का संग्रामः डॉ. लल्लन सिंह
7. भारतीय सैन्य इतिहासः डॉ. बाबूराम पाण्डेय
8. भारतीय सैन्य इतिहासः डॉ. लल्लन सिंह
9. युद्ध का अध्ययनः डॉ. एस. के. मिश्रः मार्डन प्रकाशन, जालंधर
10. सम्पूर्ण सैन्य विज्ञानः श्रीमती पुष्पा जैन

PAPER - II NATIONAL DEFENCE & SECURITY

Max. Marks:75 Time: 3 Hours

UNIT - 1

Military geography of India

a) Geo-strategic location of India
b) Geo-politics and Geo-Strategy
c) India's Boundary and frontier
d) India's transport and communication system

UNIT - II

Economic position of India

a) Economic factors for India's Security: Natural and Energy Resource
b) India's Main Defence Industries.
c) War Finance
d) India's Economic Factor: Scientific, Technological and industrial development

India's security and Politics

a) Indian Ocean and Naval Policy of India
b) India's Defence and Foreign policy
c) India's internal Security problems
d) Internal political condition

UNIT - IV

War and international relation

a) Features of modern warfare
b) Total war
c) War and diplomacy
d) Prevention of global war

UNIT - IV

Civil defence

a) Civil defence: Meaning, aim, organisation and need
b) Role of civil defence before and after war
c) Collective security
d) Pillars of peace

Books Recommended:

1. People, State and Fear: Barry Buzam
2. National Security: K. Subramanyam
3. India's Foreign Policy: J. N. Dixit
4. ASEAN Security: Air Comdr. Jasjit Singh
5. India's Foreign Policy: J. Bandopadhya
6. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिः वी. एल. फाड़िया
7. राष्ट्रीय प्रतिरक्षाः डॉ. हरवीर शर्मा, जयप्रकाश नाथ कंपनी, मेरठ
8. राष्ट्रीय सुरक्षाः डॉ. लल्लन सिंह, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
9. राष्ट्रीय सुरक्षाः डॉ. नरेन्द्र सिंह, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
10. राष्ट्रीय सुरक्षाः डॉ. पाण्डेय व पाण्डेय, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
11. राष्ट्रीय रक्षा व सुरक्षाः डॉ. एस. के. मिश्र, मार्डन पब्लिशर्स, जालंधर

द्वितीय पत्र – राष्ट्रीय रक्षा व सुरक्षा

कुल अंकः 75 समयः 3 घंटे

इकाई – 1

भारत का सैन्य भूगोलः

(अ) भारत की भू–कौशलात्मक स्थिति

(ब) भू–राजनीति (Goepolitics) o Hkw&;q) dkS'ky (Geo-strategy)

(स) भारत की सीमा एवं सीमान्त

(द) भारतीय परिवहन एवं संचार–व्यवस्था

इकाई – 2

भारत की आर्थिक स्थिति

(अ) भारत की सुरक्षा के आर्थिक तत्वः प्राकृतिक व उर्जा संसाधन

(ब) भारत के प्रमुख रक्षा उद्योग

(स) युद्धकालीन वित्त व्यवस्था

(द) भारत की आर्थिक क्षमता – वैज्ञानिक, तकनीकी व औद्योगिक विकास

इकाई – 3

भारतीय रक्षा व राजनीति

(अ) हिन्द महासागर एवं भारत की सामुद्रिक रक्षा नीति

(ब) भारतीय रक्षा व विदेश नीति

(स) भारतीय सुरक्षा के आन्तरिक खतरे

(द) आन्तरिक राजनीतिक परिस्थितियां

इकाई – 4

युद्ध एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

(अ) आधुनिक युद्ध का स्वरूप

(ब) सम्पूर्ण युद्ध (Total war)

(स) युद्ध एवं राजनय (War and Diplomacy)

(द) विश्वव्यापी युद्ध की रोकथाम

इकाई – 5

नागरिक सुरक्षा

(अ) नागरिक सुरक्षा का अर्थ, उद्देश्य, संगठन एवं आवश्यकता

(ब) युद्ध के पूर्व व युद्ध के बाद अपनाए जाने वाले सुरक्षा कार्य

(स) सामुहिक सुरक्षा

(द) शान्ति के स्तम्भ

अनुशंसित पुस्तकें –

1. People, State and Fear: Barry Buzam
2. National Security: K. Subramanyam
3. India's Foreign Policy: J. N. Dixit

4. ASEAN Security: Air Comdr. Jasjit Singh
5. India's Foreign Policy: J. Bandopadhya
6. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिः वी. एल. फाड़िया
7. राष्ट्रीय प्रतिरक्षाः डॉ. हरवीर शर्मा, जयप्रकाश नाथ कंपनी, मेरठ
8. राष्ट्रीय सुरक्षाः डॉ. लल्लन सिंह, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
9. राष्ट्रीय सुरक्षाः डॉ. नरेन्द्र सिंह, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
10. राष्ट्रीय सुरक्षाः डॉ. पाण्डेय व पाण्डेय, प्रकाश बुक डिपो, बरेली
11. राष्ट्रीय रक्षा व सुरक्षाः डॉ. एस. के. मिश्र, मार्डन पब्लिशर्स, जालंधर

PRACTICAL

DEFENCE AND STRATEGIC STUDIES

Max. Marks:50 Time: 3 Hours

1. Elementary tactics upto infantry section level
   a) Section formations
   b) Section strength and weapons
2. Elementary tactics upto infantry platoon level
   a) Platoon formations
   b) Platoon strength, weapons and equipments
3. Application of fire, fire control order, sequence and its importance during wars
4. Indication and recognition of target,
5 Judging distance and method for judging distance

6 Interpretation of Topo-sheets

Note: Practical written test 30 marks, record and viva voce 10-10 marks each:

Recommended Books:

1. सेक्सन ट्रेनिंग अभ्यासः मेजर वार्ड,
2. समरतान्त्रिक अभ्यासः एम. वी. वर्मा व शर्मा
3. समरतान्त्रिक अभ्यासः डॉ. नरेन्द्र सिंह
4. प्रयोगात्मक पैदल समरतन्त्रः डॉ. एस. के. मिश्र, मार्डन पब्लिशर्स, जालंधर
5. प्रयोगात्मक सैन्य विज्ञान भाग–2: श्रीवास्तव

प्रायोगिक कार्य

रक्षा व रणनीति अध्ययन

कुल अंकः 50 समयः 3 घंटे

1. पैदल सेना के सेक्सन स्तर के अभ्यास
   (अ) सेक्सन संरचना (Section formation) (ब) सेक्सन संख्या, व हथियार
2. पैदल सेना के प्लाटून स्तर के अभ्यास
   (अ) प्लाटून संरचना (Platoon formation)
   (ब) प्लाटून की संख्या, साधन व प्रमुख हथियार
3. फायर का प्रयोग, फायर नियंत्रण आदेश, क्रम एवं युद्धों में इसका महत्व सहित

4. लक्ष्य निर्देशन तथा पहचान,
5. दूरी का अनुमापन एवं दूरी का अनुमान लगाने के तरीके
6. स्थलाकृत मानचित्रों की व्याख्या ।

नोटः इसमें लिखित परीक्षा 30 अंक की तथा मौखिकी व रिकार्ड्स 10–10 अंक का होगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. सेक्सन ट्रेनिंग अभ्यासः मेजर वार्ड,
2. समरतान्त्रिक अभ्यासः एम. वी. वर्मा व शर्मा
3. समरतान्त्रिक अभ्यासः डॉ. नरेन्द्र सिंह
4. प्रयोगात्मक पैदल समरतन्त्रः डॉ. एस. के. मिश्र, (मार्डन पब्लिशर्स, जालंधर)
5. प्रयोगात्मक सैन्य विज्ञान भाग–2: श्रीवास्तव